MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 08 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-125

नहीं रही 'ममता'

बंगाल विधानसभा भंग

कोलकाता, 07 मई (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल की राजनीति में आज बड़ा उलटफेर हो गया। कार्यकाल खत्म होते ही राज्यपाल ने विधानसभा भंग कर दी, जिसके साथ ही ममता बनर्जी का मुख्यमंत्री पद भी समाप्त हो गया। इस्तीफे को लेकर जारी सियासी खींचतान के बीच यह फैसला सीधे संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हुआ, जिससे बंगाल में 15 साल पुराना सत्ता का अध्याय अचानक खत्म हो गया।

जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक राज्यपाल आर.एन. रवि ने विधानसभा को भंग कर दिया है और यह फैसला 7 मई 2026 से लागू हो गया है। इसका सीधा मतलब है कि अब राज्य में न कैबिनेट बची है और न ही ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद पर हैं। इस्तीफे को लेकर चल रही खींचतान के बीच यह बदलाव संवैधानिक प्रक्रिया के तहत लागू हुआ। गजट नोटिफिकेशन के मुताबिक, राज्यपाल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174 (2)(बी) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल किया है। इस

नोटिफिकेशन पर बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला के भी हस्ताक्षर हैं। विधानसभा भंग होने के साथ ही बंगाल में बीते 15 साल से चला आ रहा तृणमूल कांग्रेस का शासन अब खत्म हो गया है।

क्या है अनुच्छेद 174(2)(बी)
अब आपके मन में सवाल उठा होगा कि आखिर ये अनुच्छेद 174(2)(बी) क्या है, जिसके दम पर राज्यपाल ने इतना बड़ा फैसला लिया? दरअसल, भारतीय संविधान का यह अनुच्छेद राज्यपाल को राज्य की विधानसभा को भंग करने की सबसे बड़ी ताकत देता है। इसके तहत राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह पर या फिर सरकार के बहुमत खोने की स्थिति में विधानसभा को समय से पहले भंग कर नए चुनाव या नई सरकार का रास्ता साफ कर सकते हैं। इसमें राज्यपाल को सत्रावसान यानी सत्र को समाप्त करने की भी शक्ति मिलती है। हालांकि, राज्यपाल को यह सुनिश्चित करना होता है कि विधानसभा के दो सत्रों के बीच 6 महीने से ज्यादा का गैप न हो। सीधा मतलब यह है कि जब सदन में कोई पार्टी बहुमत साबित न कर पाए या जनादेश बदल जाए, तब राज्यपाल इसी अनुच्छेद का हंटर चलाकर पुरानी व्यवस्था को खत्म करते हैं, ▶3पर

राज्यपालों की अग्नि परीक्षा

नयी दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)।
पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं, लेकिन इनमें से दो राज्यों में अभी भी संवैधानिक ऊहापोह की स्थिति बनी है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के राज्यपालों के सामने इस समय अलग-अलग लेकिन गंभीर संवैधानिक चुनौतियां खड़ी हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर.एन. रवि दोनों को अपने संवैधानिक विवेकाधिकार का इस्तेमाल करते हुए नाजुक फैसले लेने हैं। इन दो राज्यों की परिस्थितियों की चर्चा देश भर में हो रही है।

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद किसी को बहुमत नहीं मिला है और त्रिशंकु विधानसभा जैसी स्थिति बन गई है। यहां अभिनेता से नेता बने विजय थलपति की तमिलाग वेट्री कड़गम (टीवीके) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, ▶3पर

DMK-AIADMK सरकार बनी तो TVK इस्तीफे

विजय की हीरोगिरी

चेन्नई, 07 मई (एजेंसियां)।
तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर जारी सस्पेंस के बीच अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके (तमिलगा वेट्री कझगम) ने बुधवार को बड़ी धमकी दी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अगर किसी भी तरह राज्य में डीएमके और एआईएडीएमके की सरकार बनी तो टीवीके के सभी विधायक सामूहिक इस्तीफा देंगे। यह धमकी उस वक्त आई है जब विजय की पार्टी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा 108 सीट जीतकर सबसे बड़ी दल के रूप में उभरी है, बावजूद इसके उसे अब तक सरकार बनाने का न्योता नहीं मिला है। राज्यपाल ने विजय को दो बार खाली हाथ लौटा दिया। टीवीके प्रमुख से साफ कहा गया कि वे बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन दिखाएं। तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में से सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों का बहुमत अनिवार्य है।

112 विधायक, चाहिए 118
टीवीके की कुल 108 सीट में से विजय दो सीटों पर जीते थे, जिसमें से एक उनको छोड़नी होगी। इस तरह टीवीके के पास 107 विधायक बचेंगे। कांग्रेस के सभी पांच विधायक भी उनके समर्थन में हैं। इस तरह उनके पास 112 विधायकों का समर्थन है, जो बहुमत से छह कम है। फिलहाल विजय सरकार बनाने के लिए क्षेत्रीय दलों से बातचीत में जुटे हैं। इसमें वीसीके (2 विधायक), लेफ्ट पार्टी (2 विधायक) आदि शामिल हैं। वहीं मुस्लिम लीग, जिसके 2 विधायक हैं, उसने कहा है कि विजय को समर्थन देने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।

क्या डीएमके-एआईएडीएमके आएंगे साथ?
इस बीच खबर आई थी कि धुर विरोधी पार्टियां, स्टालिन की डीएमके और पलानीस्वामी की एआईएडीएमके सरकार बनाने के लिए साथ आ सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो ये विजय के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि चुनाव में सबसे ज्यादा सीट उनको मिली हैं।तमिलनाडु की एआईएडीएमके के 28 विधायकों को पुडुचेरी के पूरनकुप्पम के एक निजी रिसॉर्ट में ठहराया गया है। बताया जा रहा है कि सभी विधायक फिलहाल रिसॉर्ट में मौजूद हैं। हालांकि, उन्हें वहां क्यों रखा गया है और पार्टी की आगे की रणनीति क्या होगी, इस पर आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन माना जा रहा है कि ये वो विधायक हैं जो विजय को समर्थन देने के लिए पार्टी तक छोड़ सकते हैं।

डीएमके विधायक चेन्नई में ही
दूसरी तरफ डीएमके ने अपने सभी विधायकों को 10 मई तक चेन्नई में रहने को कहा है। पार्टी नेतृत्व की तरफ से बोला गया है कि पार्टी हित में कोई बड़ा फैसला होना है। हालांकि, गठबंधन की चर्चा पर स्टालिन की तरफ से विराम लगाने की कोशिश भी हुई। उन्होंने कहा कि डीएमके 6 महीने तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाएगी और जनता ने जो बदलाव चुना है, उसे मौका दिया जाना चाहिए। मगर एक्सपर्ट का मानना है कि स्टालिन ऐसा करके विजय को जनता की नजर में और बड़ा ▶3पर

नासिक टीसीएस कांड की फरार आरोपी निदा खान गिरफ्तार

नासिक/छत्रपति संभाजी नगर, 07 मई (एजेंसियां)।
नासिक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज कांड में फरार आरोपी निदा खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। निदा खान पर न सिर्फ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है, बल्कि उस पर मुख्य आरोपियों की मदद करने और यौन शोषण जैसे गंभीर मामलों में शामिल होने का भी आरोप है। दरअसल, नासिक पुलिस की स्पेशल टीम पिछले 25 दिनों से निदा खान की तलाश कर रही थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए निदा खान ने अग्रिम जमानत लेने की भी कोशिश की थी, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सकी। उसने गर्भावस्था का हवाला देते हुए अग्रिम जमानत का अनुरोध किया था। अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि ऐसा लगता है कि सुनियोजित तरीके से ब्रेनवॉश करके पीड़िता (कंपनी की कर्मचारी) को मलेशिया भेजने की साजिश थी।

अब पुलिस ने तकनीकी इनपुट के आधार पर आरोपी निदा खान को छत्रपति संभाजी नगर के नरेगांव परिसर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब महिला आरोपी को अपने साथ आगे की पूछताछ के लिए नासिक लेकर रवाना हो गई है।

अभियोजन पक्ष और पीड़िता के वकीलों ने अदालत में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। टीसीएस अधिकारी निदा खान पर आरोप है कि उसने पीड़िता को बुर्का दिया, धार्मिक किताबें दीं और मोबाइल में इस्लामिक धार्मिक एप्लिकेशन इंस्टॉल करवाए।

जांच में सामने आया कि पीड़िता का नाम बदलकर हानिया रखा जाना था और उसे मलेशिया भेजने की तैयारी थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इसमें कोई अंतरराष्ट्रीय गिरोह शामिल है। पीड़िता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता एम जी कुरकुटे और नितिन पंडित ने दलील दी कि आरोपियों ने कंपनी में अपने पद का अनुचित लाभ उठाकर पीड़िता को उनका धर्म मानने के लिए मजबूर किया। ▶3पर

सम्राट कैबिनेट में 3 पूर्व सीएम के बेटे

कुल 32 मंत्रियों ने ली शपथ, 36 का कोटा पूरा

पटना, 07 मई (एजेंसियां)।
पटना के गांधी मैदान में 7 मई को सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया। इसके साथ तीन हफ्ते पहले अस्तित्व में आई बिहार की नई सरकार का न सिर्फ आकार, बल्कि जश्न भी पूरा हो गया। मंत्रिमंडल विस्तार में कुल 32 मंत्रियों ने शपथ ली और इस तरह बिहार मंत्रिमंडल का अधिकतम 36 सदस्यों का कोटा लगभग पूरा हो गया।

इससे पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ दो उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने शपथ ली थी। इस तरह अब सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल में उनके अलावा 34 और सदस्य हो गए। इसकी खासियत यह रही कि नीतीश कुमार के पुत्र निशांत भी आखिरकार सरकार का हिस्सा बन गए, जिसकी चर्चा लंबे समय से जारी थी।

मोदी और शाह ने की शिरकत
15 अप्रैल, 2026 को बिहार के लोक भवन में सादे तरीके से सम्राट चौधरी और दो अन्य उपमुख्यमंत्रियों ने शपथ ली थी। तब पांच राज्यों में हो रहे चुनाव की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जैसे बड़े नेताओं की कमी शिद्दत से महसूस की गई थी। खास तौर पर यह देखते हुए कि सम्राट बिहार के पहले भाजपाई मुख्यमंत्री थे। मगर 7 मई को दोनों प्रमुख नेताओं ने पटना पहुंचकर यह कमी पूरी कर दी। हाल के चुनाव में बंगाल, असम और पुडुचेरी में जीत के बाद भाजपा का हौसला बुलंद है। ऐसे में गांधी मैदान में आयोजित हुआ मंत्रिमंडल विस्तार का कार्यक्रम पार्टी के लिए जश्न बन गया। इसे इगझ ने अंग, बंग और कलिंग में बीजेपी की जीत का जश्न बताया। ▶3पर

मुख्यमंत्री ही गृहमंत्री निशांत को स्वास्थ्य

बिहार में नई सरकार के गठन के बाद मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सामान्य प्रशासन, गृह, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन, सिविल विमानन और ऐसे सभी विभाग अपने पास रखे हैं जो किसी अन्य मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं। सरकार के इस फैसले के साथ ही प्रशासनिक कामकाज को गति देने की तैयारी शुरू हो गई है।

डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन और संसदीय कार्य विभाग दिया गया है, जबकि दूसरे डिप्टी सीएम बिजेन्द्र प्रसाद यादव को वित्त और वाणिज्य कर विभाग सौंपा गया है। मंत्री श्रवण कुमार को ग्रामीण विकास और सूचना जनसंपर्क विभाग मिला है, वहीं विजय कुमार सिन्हा को कृषि विभाग दिया गया है। इसके अलावा डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल को राजस्व एवं भूमि सुधार और निशांत कुमार को स्वास्थ्य विभाग सौंपा गया है। ▶3पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 24°

18 दिनों में चारधाम यात्रा में 29 श्रद्धालुओं की मौत

केदारनाथ रूट बना जानलेवा

नयी दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)।
उत्तराखंड की चार धाम यात्रा शुरू हुए कुल 18 दिनों हो चुके हैं और पिछले 18 दिनों में यात्रा पर आए कुल 29 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। मारे गए तीर्थयात्रियों की मौत की वजह स्वास्थ्य खराब बताया गया है। इनमें हार्ट अटैक समेत विभिन्न बीमारियां हैं, जिससे श्रद्धालुओं की मौत हुई है। बताया जाता है सबसे ज्यादा मौतें केदारनाथजी यात्रा रूट पर हुई हैं।

चारधाम यात्रा पर आने वाले कुल 29 यात्रियों में से 15 यात्रियों की मौत केदारनाथजी के रूट पर हुई है। 22 अप्रैल को केदारनाथजी के कपाट खुले थे, जिसके बाद से अब तक कुल 15 तीर्थयात्रियों की मौत दर्ज हुई है। मारे गए सभी तीर्थयात्रियों की मौत का कारण खराब स्वास्थ्य है। इनमें हार्ट और उससे जुड़ी बीमारियों से मरने वाले यात्रियों की संख्या अधिक है।

कपाट खुलते ही उमड़ा तीर्थयात्रियों का सैलाब
गौरतलब है उत्तराखंड की चार धाम यात्रा 19 अप्रैल से शुरू हुई थी। सबसे पहले गंगोत्री, यमुनोत्री धाम के कपाट खुले थे, जिसके बाद 22 अप्रैल को केदारनाथ और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले थे। चारों धामों के कपाट खुलते ही तीर्थ यात्रियों का सैलाब चारों धामों के दर्शन करने के लिए उमड़ रहा है। उत्तराखंड के चारों धामों में सबसे ज्यादा केदारनाथ धाम में तीर्थ यात्री पहुंचे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अकेले केदारनाथजी में अब तक 3 लाख 44 हजार 889 से ज्यादा तीर्थ यात्री दर्शन करने पहुंच चुके हैं, जबकि बद्रीनाथ धाम में लगभग 2 लाख और गंगोत्री और यमुनोत्री में एक लाख से ज्यादा तीर्थ यात्री दर्शन कर चुके हैं, लेकिन स्वास्थ्य खराब के कारण चार धाम यात्रा में अब तक 29 तीर्थ यात्रियों की मृत्यु हुई है। इनमें केदारनाथ में 15, बद्रीनाथ में 7, यमुनोत्री में 4 और ▶3पर

नयी नवेली कांग्रेस महिला विधायक को जबरन गले लगाया नेता ने!

कोल्लम, 07 मई (एजेंसियां)।
केरल के कोल्लम से नवनिर्वाचित विधायक बिंदू कृष्णा का अभिवादन करते समय कांग्रेस नेता चेरियन फिलिप के अनुचित व्यवहार की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। तिरुवनंतपुरम स्थित कांग्रेस मुख्यालय में फिलिप का कृष्णा का स्वागत करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है। विभिन्न दलों के नेता इस बात पर आपत्ति जता रहे हैं कि कृष्णा की स्पष्ट झिझक और असहजता को देखते हुए भी फिलिप ने ऐसा क्यों किया। फिलिप की आलोचना का मुख्य मुद्दा सार्वजनिक स्थानों पर मर्यादा का पालन करना, महिलाओं का सम्मान करना और शालीनता बनाए रखना है।

कई लोगों ने फिलिप के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एक सोशल मीडिया यूजर अखिल बी नायर ने लिखा, यह आदमी क्या कर रहा है, क्या

वह सच में बीमार है? यह महिला केरल की कांग्रेस नेता श्रीमती बिंदू कृष्णा हैं, जिन्होंने कोल्लम विधानसभा चुनाव जीता है। अन्य कांग्रेस नेता भी वीडियो में दिख रहे हैं। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े समीर ने कांग्रेस की महिला-विरोधी संस्कृति की कड़ी आलोचना की। यहां कांग्रेस की महिला-विरोधी संस्कृति पूरी तरह से सामने आ गई है, जब वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चेरियन फिलिप ने कोल्लम विधायक बिंदू कृष्णा को जबरदस्ती गले लगाने की कोशिश की। ▶3पर

अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक संदेशों का आदान प्रदान तेज

ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ अब समझौता संभव

अमेरिकी सेना का प्रोजेक्ट फ्रीडम आपरेशन रुका-तेल की कीमतें 200 डालर प्रति बैरल तक जा सकती हैं

ईरान के विदेशमंत्री पहुंचे चीन, समकक्ष से की वार्ता

वाशिंगटन/बीजिंग

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पिछले 24 घंटों में ईरान के साथ उनकी बहुत अच्छी बातचीत हुई है। अब यह पूरी तरह संभव है कि हम कोई समझौता कर लें। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि तेहरान ने अभी तक वाशिंगटन के ताजा प्रस्ताव पर कोई औपचारिक जवाब नहीं दिया है, लेकिन मध्यस्थ पाकिस्तान के जरिए कूटनीतिक संदेशों का आदान-प्रदान जारी है। इस बीच ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए अमेरिकी सेना के प्रोजेक्ट फ्रीडम आपरेशन को रोक दिया है। उधर, ईरान के विदेशमंत्री चीन पहुंचे हैं। वहां उन्होंने इस समझौते के संबंध में बातचीत की है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने बुधवार को ओवल आफिस में एक सवाल पर कहा कि ईरान के साथ बातचीत के लिए कोई समय सीमा तय नहीं है, लेकिन समझौता जरूर होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों को आमने-सामने की बातचीत के लिए ईरान भेजना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि ईरान जल्द से जल्द समझौता करना चाहता। ट्रंप ने दोहराया कि अगर अमेरिका अभी ईरान को छोड़ देता है, तो उसे दोबारा खड़ा होने में 20 साल लग जाएंगे। उनका मानना है कि ईरान पतन के कगार पर है। वह हार मानने को तैयार है। ट्रंप ने स्टाक मार्केट के ऊपर जाने और तेल की कीमतों के नीचे आने की बात की।उन्होंने कहा कि तेल की कीमतें 200 डालर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।उन्होंने कहा कि युद्ध का जितना असर ईरान पर पड़ रहा है, उतना ही आर्थिक असर अमेरिका में भी पड़ रहा है। उधर, ईरान के शीर्ष राजनयिक ने बुधवार को बीजिंग में अपने समकक्ष वांग यी सहित चीन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। वांग ने चीन को ईरान का एक भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार बताया है। वांग ने अमेरिका-इजराइल की एकीकृत सैन्य कार्रवाई और युद्ध की निंदा की। चीन के विदेशमंत्री ने लड़ाई को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया और संघर्ष के फिर से शुरू होने के प्रति आगाह किया। उन्होंने फारस की खाड़ी के देशों से अपने भविष्य की बागडोर अपने हाथों में लेने का आग्रह किया और अच्छे संबंध बनाने के लिए ईरान तथा उसके पड़ोसियों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित किया। बीजिंग में ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने ईरान-अमेरिका वार्ता में हुए नवीनतम घटनाक्रम के बारे में वांग को जानकारी दी। अराघची की चीन यात्रा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीजिंग की यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले हुई है। ट्रंप 14-15 मई को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक उच्च-स्तरीय शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग जाने वाले हैं।

न्यूज ब्रीफ

होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव के बीच मैक्रों की अपील- सभी पक्ष तुरंत हटाएं नाकेबंदी

पेरिस/तेहरान। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही सामान्य करने की जोरदार अपील की है। उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत के बाद कहा कि सभी पक्षों को बिना किसी शर्त और देरी के इस अहम समुद्री मार्ग से नाकेबंदी हटानी चाहिए। मैक्रों ने अपने बयान में कहा कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए यहां पहले जैसी निर्बाध आवाजाही बहाल करना जरूरी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हालिया घटनाएं दिखाती हैं कि इस क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुपक्षीय सहयोग की आवश्यकता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने फ्रांस और ब्रिटेन की ओर से प्रस्तावित एक बहुराष्ट्रीय मिशन का भी जिक्र किया, जिसका उद्देश्य इस समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने अन्य देशों से भी इस पहल में शामिल होने पर विचार करने का आग्रह किया। मैक्रों ने कहा कि वे इस मुद्दे पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी चर्चा करेंगे। दूसरी ओर, ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ने बातचीत के दौरान अमेरिका के प्रति अपने देश के गहरे अविश्वास को दोहराया। ईरानी पक्ष का कहना है कि क्षेत्र में तनाव के पीछे बाहरी शक्तियों की भूमिका भी अहम है और किसी भी समाधान के लिए आपसी सम्मान और भरोसे की जरूरत होगी। उल्लेखनीय है कि हाल के महीनों में इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों और हमलों की घटनाओं के चलते समुद्री यातायात प्रभावित हुआ है, जिससे वैश्विक बाजारों में भी चिंता बढ़ी है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक प्रयास तेज होते नजर आ रहे हैं, ताकि इस रणनीतिक जलमार्ग में स्थायी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शहबाज शरीफ गिलगित बाल्टिस्तान के दौरे पर

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ गिलगित-बाल्टिस्तान की एक दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। शरीफ इस यात्रा के दौरान राजधानी गिलगित में राज्यपाल सैयद मेहदी शाह और मुख्यमंत्री यार मोहम्मद से मिलकर प्रमुख प्रशासनिक और विकास से जुड़े मामलों पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, शरीफ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान की एक दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री के साथ जाने वाले एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल में संघीय मंत्री अहसान इकबाल, अवैस अहमद खान लेग़ारी, अताउल्लाह तारड़, आमिर मुक़ाम, अब्दुल अलीम खान, खालिद मकबूल सिद्दीक़ी और प्रधानमंत्री के सलाहकार राणा सनाउल्लाह शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल इस क्षेत्र में चल रही विकास परियोजनाओं और प्रशासनिक मामलों की समीक्षा करेगा।

हेलमेट वो भी 4 करोड़ रुपये का क्या हैं इसमें

वाशिंगटन। हेलमेट लगाकर वाहन चलाने का संदेश इसलिए दिया जाता है, ताकि सुरक्षित यात्रा हो। अपने जीवन की सुरक्षा के लिए लोग अच्छा खासा पैसा खर्च भी करते हैं, लेकिन क्या कोई हेलमेट हजार या लाख का नहीं करोड़ों का भी हो सकता है तो बता दें कि जी हां ऐसे महंगे हेलमेट को फाइटर जेट के पायलट पहनते हैं। दरअसल एफ-35 फाइटर जेट का लाइटनिंग-2 वर्जन दुनिया का सबसे आधुनिक स्टेल्थ फाइटर जेट कहा जाता है। इस जेट के पायलट जो हेलमेट पहनते हैं, वह दुनिया का सबसे सोफिस्टिकेटेड वीयरेबल टेक्नोलाजी वाला होता है, जो बड़े पैमाने पर सैन्य उपयोग के लिए तैयार किया गया है। यह सिर्फ पायलट के सिर की ही सुरक्षा नहीं करता, बल्कि पायलट के लिए पूरा काकपिट उसके चेहरे पर ला देता है। इस अद्भुद हेलमेट को हेलमेट माउंटेड डिस्पले सिस्टम (एचएमडीएस) कहा जाता है। इसमें छह कैमरे जेट के शरीर के चारों ओर देखने के लिए लगे होते हैं। ये कैमरे 360 डिग्री का पूरा नजारा लेते हैं और इस एक सिंगल, सीमलेस फीड में बदलकर हेलमेट के वाइजर पर प्रोजेक्ट कर देते हैं। इसका अर्थ यह हुआ, कि पायलट अगर नीचे देखता हैं, तब जेट के फ्लोर के पार से जमीन दिखाई देती है।

एशिया पर मंडरा रहा संकट! सुपर अल-नीनो से भारत समेत कई देशों में मचेगा हाहाकार

करोड़ों लोगों की जिंदगी, अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा को कर सकता है प्रभावित

टोक्यो

एशिया को संकट एक साथ कई दिशाओं से घेरते नजर आ रहे हैं। एक तरफ मिडिल ईस्ट में जारी तनाव ने ऊर्जा आपूर्ति को झटका लग रहा है, तो दूसरी तरफ अब सुपर अल-नीनो का खतरा मंडरा रहा है। यह एक ऐसा संभावित झटका है जो करोड़ों लोगों की जिंदगी, अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। गर्मी की चरम स्थिति, सूखा, बाढ़ और ऊर्जा संकट ये सभी मिलकर एक बड़े क्षेत्रीय संकट का रूप ले सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों की मानें तो अगर अल-नीनो मजबूत रूप में विकसित होता है, तो एशिया के कई देशों में तापमान रिकार्ड स्तर तक पहुंच सकता है। इसका सीधा असर बिजली की मांग पर पड़ेगा, क्योंकि लोग कूलिंग के लिए ज्यादा ऊर्जा का इस्तेमाल करेंगे, लेकिन समस्या यह है कि पहले से ही ऊर्जा आपूर्ति बाधित है, खासकर तेल और गैस के मामले में। ऐसे में बिजली कटौती, महंगे ईंधन और आर्थिक दबाव का खतरा और बढ़ जाएगा। अल-नीनो एक प्राकृतिक जलवायु घटना है जो कुछ सालों में सामने आती है, लेकिन इस बार इसके सुपर होने की आशंका जताई जा रही है। यह घटना हवा के दबाव, समुद्र के तापमान और बारिश के पैटर्न को बदल देती है, इससे कुछ इलाकों में सूखा और कुछ में भारी बारिश होती है। यही असंतुलन एशिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। ऊर्जा क्षेत्र पर इसका असर सबसे पहले दिखाई देगा। मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते पहले ही तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। अगर तापमान और बढ़ता है, तो बिजली की मांग आसमान छू सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे ऊर्जा ग्रिड पर भारी दबाव पड़ेगा और कई देशों को बिजली कटौती या रेशनिंग करनी पड़ सकती है। इसका असर उद्योगों और आम लोगों दोनों पर पड़ेगा। जलविद्युत उत्पादन पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एशिया के कई देश, खासकर दक्षिण-पूर्व एशिया और हिमालयी क्षेत्र, बिजली के लिए जलविद्युत पर निर्भर हैं, लेकिन सूखे की स्थिति में नदियों का जलस्तर गिर सकता है, इससे बिजली उत्पादन कम हो जाएगा। सूखा और अनियमित बारिश फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर उत्पादन घटता है और लागत बढ़ती है, तो खाद्य कीमतों में उछाल आएगा। इसका सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ेगा, जिससे भुखमरी का खतरा बढ़ सकता है। कुछ इलाकों में इसके उलट भारी बारिश और बाढ़ का खतरा भी रहेगा। दक्षिणी चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया के हिस्सों में अल-नीनो के दौरान अचानक तेज बारिश देखी जाती है।

डाक्टर की दुविधा ने दिया स्टेथोस्कोप के आविष्कार को जन्म

लंदन। साल 1816 में फ्रांस के नेकर अस्पताल में कार्यरत डाक्टर रेने थियोफिल हाइसिंथ लेनेक ने चिकित्सा जगत को एक ऐसा उपकरण दिया, जिसने हृदय और फेफड़ों की जांच को पूरी तरह से बदल दिया। उस समय हृदय की जांच का पारंपरिक तरीका डाक्टर को अपना कान सीधे मरीज की छाती पर रखकर दिल की धडकन को सुनना पड़ता था, जो कि असुविधाजनक और अस्वच्छ होने के साथ-साथ महिलाओं के मामले में सामाजिक रूप से भी अनुचित माना जाता था। उनकी इसी दुविधा ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण मेडिकल उपकरण, स्टेथोस्कोप, के आविष्कार को जन्म दिया। लेनेक को लगा कि कोई दूसरा, अधिक गरिमामय तरीका होना चाहिए, जिससे मरीज की गोपनीयता भंग न हो और जांच भी सटीक हो। तभी उन्हें कुछ दिन पहले लूवर गार्डन में खेलते बच्चों की याद आई, जो लकड़ी के लंबे डंडे के एक सिरे पर कान लगाकर दूसरे सिरे पर कील ठोकने की आवाज साफ सुन पा रहे थे। बच्चों के इस खेल ने लेनेक के मस्तिष्क में ध्वनि की (अकाउस्टिक्स) के सिद्धांत को जीवित कर दिया कि ध्वनि ठोस पदार्थ से बेहतर तरीके से गुजरती है। उन्होंने तुरंत एक मोटा कागज (क्वायर आफ पेपर) लिया और उसे कसकर रोल करके एक सिलिंडर (ट्यूब) बना लिया। इस अस्थायी उपकरण का एक सिरा उन्होंने युवती की छाती पर रखा और दूसरे सिरे से कान लगाकर सुना। हैरानी की बात यह थी कि दिल की धड़कन पहले से कहीं ज़्यादा साफ और तेज सुनाई दे रही थी। यहीं से स्टेथोस्कोप की नींव पड़ी, जिसने आधुनिक चिकित्सा की दिशा बदल दी। लेनेक ने बाद में इस विचार को और बेहतर बनाया। उन्होंने लकड़ी का एक मोनोरल (एक कान वाला) स्टेथोस्कोप तैयार किया जो लगभग 3 फीट लंबा था। यह उपकरण उन्हें अपने मरीजों की शारीरिक जांच करने में अभूतपूर्व सहायता प्रदान करने लगा। 1819 में, उन्होंने अपनी प्रसिद्ध किताब डे लआस्कल्टेशन मीडिएट (डी लआस्कल्टेशन मीडिएट) में इस क्रांतिकारी आविष्कार का पूरा विवरण प्रकाशित किया।

दुनिया की सबसे बड़ी नमकीन और स्नैक्स की दुकान चीन में

बीजिंग

अगर आप खाने-पीने के शौकीन हैं और अब तक इस जादुई जगह से अनजान हैं, तो बता दें कि दुनिया की सबसे बड़ी नमकीन और स्नैक्स की दुकान चीन में खुल चुकी है। चांग्शा शहर में स्थित यह स्टोर इतना विशाल है कि इसे स्नैक किंगडम के नाम से जाना जाता है। इस विशाल स्टोर ने अपने नाम गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड भी दर्ज कर लिया है। चीन का यह स्नैक किंगडम इस समय दुनिया भर के पर्यटकों और खाने-पीने के शौकीनों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जहाँ उन्हें विभिन्न स्वादों का अनूठा अनुभव मिलता है। चीन की सबसे बड़ी स्नैक रिटेल चेन मिंगमिंग हेनमांग द्वारा तैयार किए गए इस स्टोर का क्षेत्रफल 12,000 वर्ग मीटर से भी अधिक है, जो इसे सचमुच एक स्नैक किंगडम बनाता है। बीते 17 अप्रैल को इसके भव्य उद्घाटन के साथ ही इसका नाम दुनिया के सबसे बड़े स्नैक स्टोर के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया। इस स्टोर की सबसे बड़ी खासियत यहां मिलने वाली अभूतपूर्व विविधता है। यहां पर दुनिया भर के 70 देशों से आए 35,000 से ज़्यादा प्रकार के स्नैक्स उपलब्ध हैं।

इतना ही नहीं, स्टोर में 6,500 से ज़्यादा वैश्विक और घरेलू ब्रांड्स के उत्पाद एक ही छत के नीचे मिलते हैं, जिससे यह स्नैक प्रेमियों के लिए एक वन-स्टाप डेस्टिनेशन बन गया है। आप जैसे ही इसके अंदर घुसते हैं, वैसे ही आपको स्टोर के प्रवेश द्वार पर कांच के कैबिनेट से बना एक लंबा कारिडोर दिखाई देता है, जहां रंग-बिरंगे स्नैक्स कलात्मक तरीके से सजाए गए हैं, जो ग्राहकों को अपनी ओर खींचते हैं। इस स्टोर के भीतर कई खास सेक्शन बनाए गए हैं, जो ग्राहकों को उनकी पसंद के अनुसार खरीदारी करने का अनुभव देते हैं। यहां का इंस्टेंट नूडल सिटी सेक्शन सबसे लोकप्रिय है, जहां नूडल्स की 3,500 से अधिक किस्में मौजूद हैं। इनमें स्थानीय चीनी स्वाद से लेकर दुनिया के कोनों-कोनों से आए ऐसे नूडल्स भी शामिल हैं, जिनके बारे में ज़्यादातर लोगों ने कभी सुना भी नहीं होगा।

यह सेक्शन नूडल प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। इसके अलावा, यहां का कोला सेक्शन भी काफी बड़ा है, जहां 20 देशों के कोला ब्रांड्स मिलते हैं। क्लासिक कोला के साथ-साथ यहां साल्टेड कोला (नमक वाला कोला) जैसी दुर्लभ और अनोखी चीज़ें भी चखी जा सकती हैं, जो ग्राहकों के लिए एक नया और रोमांचक अनुभव होता है। इस स्टोर की लोकप्रियता इतनी अधिक है कि उद्घाटन के मात्र दो दिन बाद ही, भारी भीड़ और अप्रत्याशित मांग को देखते हुए प्रबंधन को स्टाक भरने और सिस्टम की क्षमता सुधारने के लिए अस्थायी रूप से बिक्री रोकनी पड़ी थी।

अब बदल रहा जंग का चेहरा, इंसान और मशीन मिलकर आसमान में मचाएंगे तबाही

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में बढ़ते ईरान-अमेरिका तनाव के बीच अब जंग का चेहरा बदल रहा है। अमेरिकी वायुसेना का सहयोगी लड़ाकू विमान प्रोग्राम सिर्फ एक टेक्नोलाजी प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि आने वाले युद्धों की नई परिभाषा बनता दिख रहा है, जहां इंसान और मशीन मिलकर आसमान में तबाही मचाएंगे। अभी कई डिफेंस कंपनियां अपने-अपने ड्रोन फाइटर जेट्स के प्रोटोटाइप तैयार कर रही हैं। ये हाई-टेक मशीनें टेस्टिंग के दौर में हैं और अमेरिकी वायुसेना यह तय कर रही है कि कौन-सा डिजाइन असली जंग में उतरेगा। हालात ऐसे हैं कि एक नहीं, बल्कि कई डिजाइनों को हरी झंडी मिल सकती है क्योंकि आने वाला युद्ध पारंपरिक नहीं, बल्कि मल्टी-लेयर और हाई-टेक होगा। आगे की योजना और भी खतरनाक है। इन ड्रोन विमानों के अगले वर्जन में ज्यादा आटोनामी, ज्यादा मारक क्षमता और कई तरह के मिशन संभालने की ताकत होगी यानी भविष्य का युद्ध ऐसा होगा, जहां बिना पायलट के भी घातक हमले किए जा सकेंगे। इस प्रोग्राम के सामने बड़ी चुनौतियां भी हैं। कितने विमान बनेंगे, कौन-सा डिजाइन फाइनल होगा और कितनी फंडिंग मिलेगी... ये सभी फैसले अभी अधर में हैं। सबसे बड़ा पेंच अमेरिकी संसद की मंजूरी है। बजट पास हुआ तो ये ड्रोन वार मशीन जल्द ही हकीकत बन सकती है, लेकिन अगर राजनीति बीच में आई तो पूरा प्लान धीमा पड़ सकता है।

अज्ञात हमले के बाद अमेरिका ने रोके सैन्य आपरेशन

होर्मुज में तनाव के चलते समुद्री सुरक्षा पर संकट

वाशिंगटन

सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज में हालात बेहद विस्फोटक हो गए हैं। जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों के बीच मंगलवार को एक और कार्गो जहाज को अज्ञात प्रोजेक्टाइल (हथियार) से निशाना बनाया गया। इस ताजा हमले ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटनाक्रम के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा फैसला लेते हुए आपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम को तत्काल प्रभाव से रोकने का ऐलान किया है। यह वही आपरेशन था जिसके तहत अमेरिका ने जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकालने का जिम्मा लिया था। इसके साथ ही अमेरिकी विदेश मंत्री ने ईरान के विरुद्ध चलाए जा रहे आपरेशन एपिक फ्यूरी को भी बंद करने की घोषणा की है।

यूके मैरीटाइम ट्रेड आपरेशंस ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि जहाज पर किसी अज्ञात दिशा से प्रहार किया गया। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस हमले के पीछे किसका हाथ है और जिस जहाज को निशाना बनाया गया, वह किस देश का था। जहाज पर सवार चालक दल की स्थिति और पर्यावरण पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर भी अभी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। इससे पहले सोमवार को स्थिति तब और बिगड़ गई थी जब आपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत होर्मुज से गुजर रहे दो अमेरिकी वाणिज्यिक जहाजों पर सीधे हमले किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की ओर से इन जहाजों पर मिसाइलों, ड्रोनों और हथियारबंद छोटी नौकाओं के जरिए प्रहार किया गया। पहली बार इन जहाजों पर सीधे तौर पर अमेरिकी सैन्य सुरक्षा टीमें तैनात थीं। पेंटागन ने दावा किया है कि उनकी युद्धपोतों और विमानों की सुरक्षा परतों ने इन सभी हमलों को नाकाम कर दिया और हमलावर नौकाओं को नष्ट कर दिया।

हैरानी की बात यह है कि क्षेत्र में सीजफायर लागू होने की बातों के बावजूद हमले थम नहीं रहे हैं। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के मुताबिक, युद्धविराम की घोषणा के बाद से अब तक सैन्य और वाणिज्यिक जहाजों को करीब 19 बार निशाना बनाया जा चुका है। इसके अलावा दो कंटेनर जहाजों को जब्त किए जाने की खबरें भी सामने आई हैं। अमेरिका ने अपने आपरेशंस को रक्षात्मक बताया था, लेकिन लगातार होती हिंसा और बढ़ते जोखिम के कारण फिलहाल कूटनीतिक और सैन्य रणनीति को बदलने का निर्णय लिया गया है।

इंटरपोल ने देउवा दंपति के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी करने के लिए नेपाल सरकार से मांगे और सबूत

काठमांडू

इंटरपोल ने नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा और उनकी पत्नी तथा पूर्व विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज मांगे हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, इंटरपोल ने अतिरिक्त कागजातों का विवरण एनसीबी (नेशनल सेंट्रल ब्यूरो) काठमांडू से मांगा है। एनसीबी के प्रमुख सिद्धि विक्रम शाह ने कहा, रेड नोटिस की प्रक्रिया अभी जारी है। इंटरपोल ने आवश्यक अतिरिक्त दस्तावेज़ मांगे हैं।

पिछले माह 7 अप्रैल को देउवा दंपति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। संपत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग के पत्र के आधार पर काठमांडू जिला अदालत ने उनके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। वारंट जारी होने के बाद उन्हें नेपाल वापस लाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई थी। देउवा दंपति के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी करने के लिए एनसीबी काठमांडू ने औपचारिक रूप से इंटरपोल को पत्र भेजा था।

गिरफ्तारी वारंट जारी होने के समय देउवा दंपति विदेश में थे। चुनाव से पहले 26 फरवरी को वे उपचार के लिए सिंगापुर गए थे। वहां से 21 मार्च को उनके हांगकांग जाने की जानकारी सामने आई थी। इससे पहले भी जेनजी आंदोलन के बाद इलाज के लिए देउवा दंपति सिंगापुर गए थे, लेकिन उस समय उपचार के बाद वे नेपाल लौट आए थे। 26 फरवरी को देश छोड़ने के बाद वे अब तक नेपाल नहीं लौटे हैं। वे फिलहाल हांगकांग में हैं।

यदि रेड कार्नर नोटिस जारी हो जाता है, तो इंटरपोल के 196 सदस्य देशों की पुलिस देउवा दंपति को गिरफ्तार कर सकती है। गिरफ्तारी के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें नेपाल लाया जा सकता है। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद शेरबहादुर देउवा ने कहा था कि वह खुली किताब की तरह हैं। उन्होंने संपत्ति संबंधी आरोपों को भ्रामक और झूठा बताते हुए कहा था कि सार्वजनिक पद पर रहते हुए उन्होंने अपनी संपत्ति का विवरण सरकारी निकायों में प्रस्तुत किया था।

उपचार के लिए विदेश में होने की बात स्वीकार करते हुए भी उन्होंने यह खुलासा नहीं किया था कि वे किस देश में रह रहे हैं। शेरबहादुर देउवा के रिश्तेदार प्रदीप शमशेर जबरा, भूषण राणा और जयवीर देउवा सहित अन्य लोगों के कारोबारी लेनदेन की भी जांच की जा रही है। इससे पहले आरजू राणा देउवा का नाम नकली भूटानी शरणार्थी प्रकरण में भी जोड़ा गया था।

देउवा परिवार ने बुढानीलकण्ठ में एक ही परिसर के भीतर दो मकान बनाए थे। जेनजी आंदोलन के दौरान वे उसी घर में रह रहे थे। उस समय देउवा दंपति पर हमला भी हुआ था और घर में आगजनी की घटना भी हुई थी। गत वर्ष 8-9 सितंबर को हुए जेनजी आंदोलन के दौरान बुढानीलकण्ठ स्थित देउवा निवास से जले हुए नोट बरामद किए गए थे। वहां मिले नोटों का वीडियो भी सार्वजनिक हुआ था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिलाझुला रहेगा कही काम बनेंगे कही दिक्कतें आएंगी मिश्रित परिणाम रहेंगे. आमदनी ठीक रहेगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर विराम लगाने में आप सफल नहीं हो पाएंगे. दिन–प्रतिदिन के कार्य सुचारू रूप से चलते रहेंगे. कुछ भी काम करने से पहले पर्याप्त पूछताछ करें. काम के लिए लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. गृहस्थी मे हल्का सा तनाव बनेगा लेकिन दिन बदलते ही शान्ति का अनुभव होगा स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन खुशहाल और बहतर रहेगा । छात्रों का पढाई के प्रति मन आकृष्ट होगा। जीवनसाथी के करियर में बदलाव आने से घर में खुशी का माहौल बनेगा.नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा.आप अपने काम में सफल भी होंगे.माता–पिता का सहयोग भी बना रहेगा.शाम को उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे.किसी अपने से आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है.आपके पास कुछ नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं.गाय को गेहूँ गुड खिलाए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज काम का ओवरलोड रहेगा थकावट ज्यादा रहेगी परन्तु काम करने की ताकत और बातचीत बेहतर रहेगी. नए विचार दिमाग में आएंगे. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के लिए समय पहले से अच्छा हो सकता है. यदि कोई गुमराह हो रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं. घबराएं नहीं, ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें. दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा.बच्चों के साथ कहीं यात्रा होगी मौसमी बिमारी से सावधानी जरुरी हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज नयी योजना को मूर्तरुप देना उचित होगा भविष्य मे लाभदायक होगी। अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इए आज का दिन शुभ है, भाग्य आपका पक्ष लेगा और आपके रुके हुए कार्य प्रगति करेंगे. आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ अतिरिक्त प्रयासों के साथ एक पुराना दिया गया ऋण भी वापिस प्राप्त कर सकते हैं. कोई भी निवेश करने से पहले किसी जानकार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें. विरोधियों को आप परास्त करेंगे आप की ईच्छा शक्ति बलवान रहेगी। और लालपुष्प की माला मूर्ति पर अर्पण करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज छात्रों को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे .आपको अपने काम पर पूरा फोकस रखना चाहिए. ऑफिस के किसी काम में आपको अधिक समय लग सकता है. कारोबार में आपको धन लाभ हो सकते हैं.किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा को बदल सकती है.आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं.किसी भी जरुरी काम में आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए, शिवमंत्र का जप करें चमेली का दीप प्रज्वलित करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ पुराने मामले सुलझा सकते है परन्तु पहल आप को ही करनी पडेगी . जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है. सरकारी क्षेत्र के अटके कार्य फिर से चल पड़ेंगे. खर्च थोड़ा संभल कर करें. आज आप काम में अधिक व्यस्त रहें. इससे आपको शारीरिक थकान रहेगी. शाम के वक्त पार्क मे ठहलने के लिए निकले बॉडी को रिलैक्स फील होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जांएगे अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए आज अच्छा दिन है. पारिवारिक आय में सुधार होगा और बच्चे प्रत्येक दिशा मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे. परिवार में कुछ सुखद घटनाएं घट सकती हैं. माता की संपत्ति के पक्ष में कानूनी मुद्दे कुछ गति प्राप्त कर सकते हैं. व्यापार में हालात सामान्य रहेंगे. आय में अनियमितता के कारण कुछ परेशानी हो सकती है किसी नए व्यक्ति के साथ यात्रा का योग नही हैं भोजन करते समय मौन रहें आप के स्वास्थ्य के लिए जरुरी हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कार्यालय मे माहौल खुशनुमा रहेगा आज के कुछ जरूरी काम पूरे हो सकते हैं.आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा.जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है. आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी.आपके कुछ नए दोस्त भी बन सकते हैं.आपका सामाजिक दायरा अचानक बहुत बढ़ जायेगा.आसपास के लोगों से आपको मदद मिलती रहेगी. आपको व्यवसाय में लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है.दैनिक कार्यों से कुछ समय मिलेगा असहाय लोगों को जरुरत की वस्तु की सेवा करें आत्मीय शान्ति होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन और बुद्धि को स्वच्छ रखें ईष्ट मंत्र का जप करें गजब का उत्साह देखने को मिलेगा. अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करना सबसे अच्छा होगा.अगर आप कलाकार हैं तो अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे. घर और काम पर दबाव रहेगा क्रोध और बेचैन बना सकता है. अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर दबाव न डालें. यह इसके लिए सही समय नहीं है. आज सुबह पौधों को जल सींचे तुलसी के पास दीप जलाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सुबह माता–पिता का आशीर्वाद लेकर निकले सफलता निकट होगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. आप भौतिक सुखों पर व्यय कर सकते हैं. आपकी भाषा शैली काफ़ी प्रभावशाली रहेगी. आप काफी प्रसिद्ध रहेंगे. परिवार के सदस्यों का आपके प्रति बहुत अच्छा बर्ताव रहेगा. इस अवधि में आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे. आपका सम्मान होगा तथा ख्याति बढ़ेगी. व्यापार का विस्तार भी हो सकता है. आपकी मेहनत रंग लाएगी. जीवनसाथी के साथ आनंददायी समय बीतेगा, बच्चों पर अधिक दबाव मत बनाए कुछ छूट देना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप पीपल वृक्ष का रोपण करें वंशवृद्धि होगी । आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा.जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान बना सकते हैं.आपको किस्मत का पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा. अधिकारियों से आपको मदद मिलेगी.आप व्यापार में किसी से साझेदारी कर सकते हैं. परिवार वालों का हंसी–मजाक घर के वातावरण को खुशनुमा बना देगा.गौशाला मे बच्चों के साथ जाए अपने हाथों से सेवा करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को बहतर स्वास्थ्य के लिए अधिक तला हुआ अधिक मीठा भोजन का त्याग करना होगा । कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. प्रसन्नता रहेगी. भाइयों का साथ मिलेगा. शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी. आप को मित्रों के रुके हुए काम अपनी क्षमता पर पूरे करने पड़ेंगे रिश्ता और मजबूर होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 मई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 12:25 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 09:20 तक
योग : शुभ दोपहर 02:28 तक
करण : वणिज दोपहर 12:25 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 12:24 से रात्रि 01:19 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एनसीआरबी रिपोर्ट : दिल्ली अपराधों में अव्वल, यूपी 18वें स्थान पर

साइबर क्राईम में तेलंगाना सबसे आगे

लखनऊ/नयी दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने वर्ष 2024 के देशभर के अपराध आंकड़े जारी कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश अपराध दर के मामले में 18वें स्थान पर है। उत्तर प्रदेश देश की कुल आबादी का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा रखता है, फिर भी राज्य में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से कम दर्ज की गई है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में कुल 35 लाख 44 हजार 608 मुकदमे दर्ज किए गए, जबकि उत्तर प्रदेश में 4 लाख 30 हजार 552 मुकदमे दर्ज हुए। राष्ट्रीय अपराध दर 252.3 है, जबकि उत्तर प्रदेश में यह 180.2 दर्ज की गई। देश की राजधानी दिल्ली में अपराध दर सबसे अधिक 1258.5 दर्ज हुई।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश की अपराध दर 181.3 थी, जो 2024 में घटकर 180.2 हो गई है। इस प्रकार राज्य की अपराध दर में गिरावट दर्ज की गई है।

हत्या के मामलों में पूरे देश में 1.9 की दर से कुल 27 हजार 49 मुकदमे दर्ज किए गए। झारखंड 3.7 की दर के साथ हत्या के मामलों में सबसे ऊपर रहा। वहीं, उत्तर प्रदेश में 1.3 की दर से 3 हजार 218 मुकदमे दर्ज हुए और राज्य 29वें स्थान पर रहा।

इसका अर्थ है कि देश के 28 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहां हत्या की घटनाएं उत्तर प्रदेश से अधिक हुई हैं। यह आंकड़ा राज्य की अपराध स्थिति को तुलनात्मक रूप से कम दर्शाता है।

बलात्कार के मामलों में देशभर में 4.3 की दर से 29,536 मुकदमे दर्ज हुए। चंडीगढ़ में यह दर सबसे अधिक 16.6 रही। उत्तर प्रदेश में 2.8 की दर से 3,209 मुकदमे दर्ज हुए और राज्य 24वें स्थान पर रहा।

बलवा के मामलों में देशभर में 2.2 की दर से 30 हजार 348 मुकदमे दर्ज हुए, जबकि मणिपुर में यह दर 8.4 रही। उत्तर प्रदेश में 1.1 की दर से 2,610 मुकदमे दर्ज हुए और राज्य 19वें स्थान पर रहा।

डकैती के मामलों में उत्तर प्रदेश देश में सबसे कम घटनाओं वाला राज्य रहा। पूरे देश में 0.2 की दर से 2,393 डकैती की घटनाएं दर्ज हुईं, जबकि उत्तर प्रदेश में केवल 57 घटनाएं दर्ज हुईं। इस मामले में उत्तर प्रदेश 36वें स्थान पर रहा, यानी देश के 35 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहां डकैती की घटनाएं उत्तर प्रदेश से अधिक हुईं।

महिलाओं से जुड़े अपराधों में देशभर में 64.6 की दर से 4 लाख 41 हजार 534 मुकदमे दर्ज हुए। उत्तर प्रदेश में 58 की दर से 66 हजार 398 मुकदमे दर्ज हुए और राज्य 17वें स्थान पर रहा।

बच्चों और साइबर अपराध के आंकड़े

बच्चों से जुड़े अपराधों में देशभर में 42.3 की दर दर्ज हुई, जबकि दिल्ली में यह दर सबसे अधिक 138.4 रही। उत्तर प्रदेश में 26 की दर से 22,222 मुकदमे दर्ज हुए और राज्य 27वें स्थान पर रहा।

साइबर अपराध के मामलों में देशभर में 7.3 की दर से अपराध दर्ज हुए, जबकि उत्तर प्रदेश में यह दर 4.6 रही और राज्य 16वें स्थान पर रहा। साइबर अपराध में तेलंगाना 71.1 की दर के साथ सबसे ऊपर रहा।

इन आंकड़ों के बाद उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि एन-सीआरबी की क्राइम इन इंडिया 2024 रिपोर्ट यह स्पष्ट रूप से स्थापित करती है कि राज्यों के बीच अपराध की तुलना के लिए अपराध दर ही वैज्ञानिक और सांख्यिकीय आधार है।

डीजीपी के अनुसार राष्ट्रीय अपराध दर 252.3 के मुकाबले उत्तर प्रदेश की अपराध दर 180.2 है, जो सतत और सुविचारित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति जमीन पर उतरी है।

उन्होंने आधुनिक पुलिस स्टेशन, एंटी-रोमियो स्क्वॉड, महिला हेल्प डेस्क, फास्ट-ट्रैक कोर्ट और संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई को इस सुधार का कारण बताया।

डीजीपी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस डिजिटल माध्यमों पर मिलने वाली शिकायतों को भी गंभीरता से लेकर उचित मामलों में उन्हें एफआईआर में परिवर्तित करती है। उनके अनुसार अधिक पंजीकरण एक संवेदनशील, सुलभ और पारदर्शी पुलिस व्यवस्था की पहचान है।

13 साल में दो पीए, एक बॉडीगार्ड...

पहले भी करीबियों को खो चुके हैं शुभेंदु अधिकारी

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर हिंसा और सवालों के घेरे में है। इस बार मामला जुड़ा है बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या से। 6 मई की रात मध्यमग्राम में बाइक सवार हमलावरों ने उनकी गाड़ी रोककर नजदीक से गोली मारी और फरार हो गए। चंद्रनाथ, जो कभी भारतीय वायुसेना का हिस्सा रहे थे, शुभेंदु अधिकारी के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में गिने जाते थे।लेकिन यह पहली बार नहीं है जब शुभेंदु के किसी करीबी की

जान गई हो। बीते करीब 13 सालों में उनके दो पीए और एक बॉडीगार्ड की असामान्य परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। हर बार मौत की कहानी अलग रही, लेकिन अपनों को खोने का दर्द एक जैसा था।शुभेंदु अधिकारी आज बंगाल में बीजेपी का वो चेहरा हैं, जो मुख्यमंत्री पद की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। ये वही शुभेंदु हैं जिन्होंने ममता बनर्जी को चुनाव हराकर पूरे देश की सियासत में अपनी धाक जमाई है। चाहे नंदीग्राम का वो ऐतिहासिक चुनाव हो या भवानीपुर की जंग, शुभेंदु ने साबित किया है कि वो ममता के सबसे बड़े सियासी दुश्मन हैं।उस हर जीत की पटकथा लिखने वालों में चंद्रनाथ रथ जैसे सिपहसालार ही थे, जिन्होंने दिन-रात एक कर दिया था। पर बड़ा सवाल यह है कि आखिर शुभेंदु के करीबियों के साथ ही ऐसी अनहोनी बार-बार क्यों होती है?

धीरे–धीरे खुलेगा होर्मुज

तेहरान, 07 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बड़ी सहमति बनने की खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों ने अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी में ढील देने और इसके बदले रणनीतिक रूप से महत्व-पूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को चरणबद्ध तरीके से फिर से खोलने पर सहमति जताई है। अरबी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह समझौता गुरुवार को दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के बाद हुआ। अमेरिका-ईरान संघर्ष की शुरुआत में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया था, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा और तेल व गैस की सप्लाई बाधित हो गई थी।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है, नाकाबंदी में ढील देने और होर्मुज जलडमरूमध्य को धीरे-धीरे खोलने को लेकर सहमति बन गई है। आने वाले कुछ घंटों में होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों को निकलने की अनुमति दी जाएगी। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है। वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नहीं रही...

जैसा आज बंगाल में देखने को मिला।

राज्यपाल का यह फैसला ऐसे वक्त आया है, जब ममता बनर्जी चुनाव में मिली करारी हार को मानने को तैयार नहीं थीं और इस्तीफा देने से इनकार कर चुकी थीं। इतना ही नहीं, उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए थे। लेकिन संवैधानिक प्रक्रिया के आगे यह स्थिति ज्यादा देर नहीं टिक सकी। विधानसभा भंग होते ही उनका मुख्यमंत्री पद अपने आप खत्म हो गया। अब जब तक नई सरकार शपथ नहीं ले लेती, तब तक राज्य का प्रशासन राजभवन की देखरेख में रहेगा। पूर्व केंद्रीय सचिव जवाहर सरकार के मुताबिक, यह कोई राष्ट्रपति शासन नहीं है, बल्कि एक बीच की व्यवस्था यानी इंटरिम अरेंजमेंट है। जब तक नई सरकार शपथ नहीं ले लेती, तब तक राज्यपाल ही शासन की कमान संभालेंगे। यानी अभी बंगाल का कामकाज सीधे राजभवन की देखरेख में होगा।

अमित शाह का कोलकाता दौरा

बंगाल में जारी सियासी घमासान के बीच गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को रात 10:30 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंच गये। उनका यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि वह नई सरकार के गठन और 9 मई को प्रस्तावित शपथ ग्रहण की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

राज्यपालों...

लेकिन उसे पूर्ण बहुमत यानी कि 118 सीटें हासिल नहीं हो पाई हैं। ऐसी स्थिति में राज्यपाल आर्लेकर को यह तय करना है कि सरकार बनाने का पहला न्योता किसे दिया जाए। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके को इस बार 108 सीटें मिली हैं। 234 सदस्यों वाली तमिलनाडु विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए। कांग्रेस ने 5 विधायकों के साथ टीवीके के विजय को समर्थन देने की घोषणा की है, बावजूद इसके विजय (108+5=113) सरकार बनाने के जादुई आंकड़े से दूर हैं। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार राज्यपाल को सबसे पहले स्पष्ट बहुमत वाले गठबंधन या दल को मौका देना चाहिए। आर्लेकर ने विजय से लिखित समर्थन पत्र मांगे हैं और कहा है कि 118 विधायकों का समर्थन साबित किए बिना सरकार बनाने का दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के एसआर बोम्मई मामले में फैसलों में फ्लोर टेस्ट पर जोर दिया गया है, लेकिन गलत निर्णय की स्थिति में राज्यपाल पर पक्षपात के आरोप लगने की आशंका है।

अब बहस इस पर हो रही है कि सरकार बनाने वाली पार्टी को बहुमत लोकभवन में साबित करना चाहिए या विधानसभा में। टीवीके दो बार राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मिल चुकी हैं। बैठक के बाद लोक भवन ने एक बयान में कहा, बैठक के दौरान माननीय राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि तमिलनाडु विधानसभा में सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत का समर्थन अभी तक सिद्ध नहीं हो पाया है।

इस बीच राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो चुकी हैं। अब देखना होगा कि टीवीके चीफ विजय अब आगे क्या करेंगे? वहीं पश्चिम बंगाल में स्थिति पूरी तरह अलग है। यहां बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिला है, लेकिन ममता बनर्जी ने चुनाव हारने के बावजूद इस्तीफा नहीं दिया। इसके बाद राज्यपाल आर एन रवि को मजबूरन विधानसभा भंग करनी पड़ी। लेकिन अगले दो दिनों तक राज्य की विधायी कमान को लेकर अभी भी अनिश्चितता बरकरार है।

चुनाव हारने के बाद ही ममता बनर्जी ने सीएम पद से इस्तीफा न देने का ऐलान कर चौंका दिया था। भारत में ये राजनीतिक परंपरा रही है कि चुनाव हारने के बाद सीएम अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप देते हैं। लेकिन ममता इस परिपाटी के खिलाफ चली गईं और कहा कि इस चुनाव में उनकी नैतिक विजय हुई है।पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई 2026 को खत्म हो रहा था। अब ममता के इस्तीफे का दो दिनों तक इंतजार करने के बाद राज्यपाल आर एन रवि ने गुरुवार देर शाम को पश्चिम बंगाल विधानसभा भंग कर दी।ममता बनर्जी अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री नहीं हैं। भले ही उन्होंने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया हो। उनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है, क्योंकि राज्यपाल ने अनुच्छेद 174 (2)(ल) के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए विधानसभा को भंग कर दिया है। भारत सरकार के पूर्व सचिव जवाहर सरकार के अनुसार इस दौरान जब तक नई सरकार शपथ नहीं ले लेती तब तक राज्यपाल अंतरिम प्रभार संभालते हैं। यह राष्ट्रपति शासन नहीं है। यह एक अंतरिम व्यवस्था है।

विजय की ...

होने का मौका नहीं देना चाहते, क्योंकि अगर डीएमके सरकार बनने से पहले ही जोड़-तोड़ या दबाव की राजनीति करेगी तो विजय खुद को सिस्टम के खिलाफ लड़ने वाले हीरो के रूप में पेश कर सकते हैं। उधर, तमिलनाडु लोकभवन सूत्रों के अनुसार राज्यपाल ने विजय को आश्वासन दिया है कि वे सरकार बनाने का न्योता किसी दूसरी पार्टी को नहीं देंगे। लेकिन टीवीके को समर्थन करने वाले विधायकों के दस्तखत समेत संख्या पत्र पेश करने होंगे, जिसके बाद ही शपथग्रहण होगा। इसके बाद बड़ी बहस शुरू हो गई है। पूछा जा रहा है कि विजय की पार्टी जब सबसे बड़ी है तो फिर उसे सरकार बनाने के लिए क्यों नहीं बुलाया जा रहा है।

नासिक टीसीएस...

यही नहीं, पीड़िता की भावनाओं को ठेस पहुंचाकर उसे मांसाहारी भोजन खाने के लिए मजबूर किया और कार्यालय में उसकी जाति को लेकर उसका अपमान भी किया। मुख्य आरोपी दानिश शेख पर शादी का झांसा देकर रेप का आरोप है, जबकि तौसीफ पर पीड़िता को ब्लैकमेल कर यौन संबंध बनाने का दबाव डालने और छेड़छाड़ का आरोप है।

पता हो कि नासिक की एक अदालत ने बीते मंगलवार को इसी मामले के 4 मुख्य आरोपियों को 18 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इन आरोपियों के नाम रजा रफीक मेमन, तौसीफ बिलाल अत्तार, दानिश शेख और शाहरुख हुसैन शौकत कुरैशी हैं। इस मामले में विशेष जांच दल ने 23 अप्रैल को आरोपियों को भारतीय न्याय संहिता की तमाम धाराओं के तहत हिरासत में लिया था। इससे पहले उन्हें 5 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया था। मंगलवार को उनकी हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एसवी लाड के सामने पेश किया गया।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने आरोपियों की न्यायिक हिरासत की मांग की। अदालत ने इस मांग को स्वीकार करते हुए चारों आरोपियों को 18 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

बता दें कि टीसीएस में महिला कर्मचारियों के शोषण, जबरन धर्मांतरण के प्रयास, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, छेड़छाड़ और मानसिक उत्पीड़न के संबंध में दर्ज 9 मामलों की डखढ जांच कर रही है। एसआईटी ने इस मामले में एक महिला ऑपरेशन मैनेजर सहित 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

टीसीएस का कड़ा रुख

आईटी दिग्गज कंपनी टीसीएस ने अपनी छवि और कार्यसंस्कृति को लेकर साफ कर दिया है कि वह किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या जबरदस्ती को बर्दाश्त नहीं करती। मामले में नाम आने के बाद कंपनी ने तत्काल प्रभाव से आरोपी कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है और जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

सम्राट कैबिनेट ...

खास बात यह रही कि आज बीजेपी ऑपरेशन सिंदूर की बरसी भी मना रही है, यह बात भी उस जश्न का हिस्सा हो गई।

इस आयोजन में भाग लेने के लिए जहां बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और गृह मंत्री अमित शाह एक दिन पहले आ गए थे, वहीं 7 मई की दोपहर पटना पहुंचे पीएम मोदी का एयरपोर्ट से गांधी मैदान तक रोड शो चला। दोपहर 12:10 बजे मंत्रिमंडल के नए सदस्यों का शपथ ग्रहण शुरू हुआ।

पार्टीगत समीकरण और तीन पूर्व सीएम के बेटे

इस वक्त सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल में उनके अलावा बीजेपी और जदयू के 15-15 मंत्री हैं। साथ ही लोजपा (रामविलास) को दो, हम और एक राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक-एक मंत्रिपद मिला है।

इस सूची में निशांत के साथ-साथ उपेंद्र कुशवाहा के पुत्र दीपक प्रकाश ऐसे मंत्री हैं, जो फिलहाल किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। इनके नाम पर परिवारवाद के आरोप तो हैं ही, यह भी तथ्य है कि इस मंत्रिमंडल में तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे शामिल हैं। निशांत के अलावा नीतीश मिश्रा पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र के बेटे हैं और संतोष सुमन हम पार्टी के संस्थापक जीतन राम मांझी के बेटे हैं।

35 मंत्रियों में से कम से कम आठ ऐसे हैं, जिन पर परिवारवाद का आरोप लगता है। इनमें खुद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हैं, जिनके पिता शकुनी चौधरी बड़े नेता रहे हैं। उनके अलावा नीतीश मिश्रा, रमा निषाद, श्रेयसी सिंह, निशांत कुमार, अशोक चौधरी, संतोष कुमार सुमन और दीपक प्रकाश राजनीतिक परिवारों से आते हैं।हालांकि इस मंत्रिमंडल के लिए एनडीए ने अच्छा जाति समीकरण तैयार किया है। नए मंत्रिमंडल में 9 सवर्ण, 9 पिछड़ा, 9 अति पिछड़ा और सात दलित सदस्य हैं। हालांकि इस मंत्रिमंडल में एक ही अल्पसंख्यक सदस्य हैं- जदयू के जमा खान।

अगर जाति के आधार पर देखा जाए तो सबसे अधिक हिस्सेदारी वैश्यों को मिली है। अपनी सभी उपजातियों को मिलाकर इनके पांच सदस्य हैं। इसके बाद राजपूत जाति के चार, तथा कुशवाहा और भूमिहार जाति के तीन-तीन सदस्य हैं। ब्राह्मण जाति के दो, एवं पासवान और रविदास समाज के दो-दो सदस्य हैं।बीजेपी ने जहां इस विस्तार में 6 सवर्णों को जगह दी, वहीं जदयू ने दो और लोजपा ने एक सवर्ण को मंत्री बनाया है। जदयू का ज्यादा जोर ओबीसी, ईबीसी और दलितों पर रहा है। पार्टी की तरफ से इनके क्रमशः तीन, चार और तीन सदस्य मंत्री बनाए गए हैं। हालांकि बीजेपी ने भी 5 अति पिछड़ों को मंत्री बनाया है।

मुख्यमंत्री ही...

सरकार ने विभागों का वितरण कर प्रशासनिक जिम्मेदारियां स्पष्ट कर दी हैं।

लेशी सिंह को भवन निर्माण, राम कृपाल यादव को सहकारिता और नीतिश मिश्रा को नगर विकास एवं आवास और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग दिया गया है। दामोदर रावत परिवहन विभाग संभालेंगे। संजय सिंह टाइगर को उच्च शिक्षा और विधि, अशोक चौधरी को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण और भगवान सिंह कुशवाहा को योजना एवं विकास विभाग मिला है। अरुण शंकर प्रसाद श्रम संसाधन, प्रवासी शमिक कल्याण, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास देखेंगे। मदन सहनी को मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन तथा डॉ. संतोष कुमार सुमन को लघु जल संसाधन विभाग दिया गया है। रमा निषाद को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, रत्नेश सादा को आपदा प्रबंधन और कुमार शैलेन्द्र को पथ निर्माण विभाग मिला है।

केदारनाथ रूट...

गंगोत्री में हुई 3 यात्रियों की मौत शामिल है।

लगभग 3000 मीटर की ऊंचाई पर उच्च हिमालय क्षेत्र में स्थित चारों धाम में बाहर से आने वाले श्रद्धालु अक्सर कई तरह की गलतियां करते हैं। चार धामों के कुछ हिमालय क्षेत्र में होने के कारण यहां अत्यधिक ठंड, कठिन चढ़ाई, बर्फबारी और बारिश का सामना करना पड़ता है और तीर्थ यात्री स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों को नजर अंदाज कर यात्रा करने पहुंच जाते हैं। यात्रा रूट पर 47 डेडिकेटेड अस्पताल, 28 स्पेशलिस्ट डॉक्टर के अलावा 400 डॉक्टर्स की तैनाती की गई है। स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल का कहना है कि हेल्थ एडवाइजरी के अलावा रजिस्ट्रेशन में भी यह बताया गया था कि जिसे हाई एल्टीट्यूड सिकनेस, शुगर, ब्लड प्रेशर, हृदय संबंधी बीमारी है, वो यात्रा में जाने से पहले स्वास्थ्य जांच जरूर करवाएं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि चार धाम यात्रा रूट पर स्वास्थ्य की सभी तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं। इनमें 47 डेडिकेटेड अस्पताल, 28 स्पेशलिस्ट डॉक्टर के अलावा 400 डॉक्टर्स की तैनाती शामिल है।

स्वास्थ्य एडवाइजरी को नजरअंदाज करने का खतरा

उल्लेखनीय है उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग ने पहले भी उत्तराखंड के चारों धामों को लेकर जारी हेल्थ एडवाइजरी में कहा था कि चारों धामों में आने से पहले तीर्थ यात्री स्वास्थ्य से जुड़ी बातों का ध्यान रखें, लेकिन उत्तराखंड में मात्र 18 दिन यात्रा के दौरान 29 तीर्थ यात्रियों की मौत यह साबित करती है कि जिन बातों को लेकर एडवाइजरी जारी की गई थी शायद उन बातों को नजर अंदाज किया गया है।

नयी नवेली कांग्रेस ...

क्या प्रियंका गांधी कोई कार्रवाई करेंगी? अब समझ में आ गया होगा कि कांग्रेस नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध क्यों करती है। कुछ बोलोगे (क्या तुम कुछ कहोगी), सुप्रिया श्रीनाते?

दिल्ली भाजपा प्रवक्ता अजय सहरावत ने कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाते पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि क्या वह इस मामले पर कुछ कहना चाहेंगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता चेरियन फिलिप ने कोल्लम विधायक बिंदु कृष्णा को जबरदस्ती गले लगाने की कोशिश की। क्या आप इस शर्मनाक हरकत के बारे में कुछ कहना चाहेंगे? सहरावत ने कहा। फिलिप या कृष्णा ने इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया है।

तप और वैराग्य

तप और वैराग्य की पतवार के सहारे ही जीवन-रूपी नाव को सहजता से किनारे ले जा सकते हैं। सत्य की प्राप्ति तपस्वी ही कर सकता है। शारीरिक और मानसिक प्रलोभनों से बचने में जिस सहिष्णुता, धैर्य और संयम की आवश्यकता पडती है, उसे जुटा लेने का नाम ही तप है। अकारण शरीर को सताने का नाम तप नहीं है। सताना तो किसी का भी बुरा है, फिर शरीर को व्यथित और संतप्त करने से क्या होगा। तपस्या वह है, जो सत्य जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने के कारण सीमित उपार्जन से निर्वाह करने की स्थिति में मितव्ययिता अपनानी पडती है। इसे प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार और शिरोधार्य करने का नाम ही तो तप- साधना है। इसी प्रकार, वैराग्य का अर्थ घर-परिवार को छोड, विचित्र वेश बनाना या भिक्षाटन करना नहीं है, वरन यह है कि जिस राग-द्वेष की धूप-छांह में सारा जगत हंसता, रोता, अशांत और उद्विग्न रहता है, उस विडंबना से बचते हुए महान लक्ष्य की ओर अनवरत गति से चलते जाना। सत्यनिष्ठ व्यक्ति इस असत्यमग्न संसार को एक विचित्र प्राणी लगता है। उसे भी अज्ञान के अंधकार में भटकती दुनिया दयनीय लगती है। दोनों का तालमेल नहीं बैठता। यह विसंगति कहीं कटुता उत्पन्न करती है, कहीं तिरस्कार उलीचती है। कहीं अवरोध उत्पन्न करती है, तो कहीं त्रास देती है। इसे उपेक्षापूर्वक देखना वैराग्य है और इस पर भी जो त्रास सहने पडे, उन्हें संतोषपूर्वक सहने का नाम तप है। वैराग्य और तप की पतवार के सहारे विवेकवान व्यक्ति अपनी साधना की नाव खेते हैं और सत्य के परम लक्ष्य तक जा पहुंचते हैं।

जो भक्त करते हैं साई बाबा का व्रत उनके दूर हो जाते हैं कष्ट

कहते हैं अगर साई बाबा का व्रत 9 गुरुवार तक लगातार किया जाए , तो साई भक्त की हर मनोकामना पूरी हो सकती है। फिर चाहे वह मनोकामना नौकरी, शादी, स्थानांतरण की हो या फिर किसी भी तरह की। दुख से भरे मन को साई सहारा देते हैं। गुरुवार का दिन साई का रहता है और इस दिन जो साई भक्त व्रत और पूजा करता है। साई की उस पर विशेष कृपा बरसती है। साई बाबा का व्रत कोई भी कर सकता है। यहां तक की बच्चें भी साई के व्रत को कर सकते हैं। साई अपने भक्तों में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करते हैं, अमीर हो या गरीब सभी बाबा के दर पर आते हैं और झोली भरकर खुशियां ले जाते हैं। साई बाबा का व्रत एक बार शुरु करने के बाद 9 गुरुवार तक किया जाता है। इस व्रत को आप बीच में नहीं छोड सकते हैं। मुश्किल कैसी भी हो 9 व्रत पूरे तक इसे नहीं छोडा जा सकता है। जब 9 व्रत करते हुए नौ गुरुवार पूरे हो जाएं तो पांच गरीबों को भोजन और अपनी इच्छानुसार दान देना होता है। इसके साथ ही साई बाबा की पुस्तकें भी बांटनी होती हैं। गुरुवार के दिन शुक्लपक्ष या कृष्णपक्ष किसी भी तिथि में व्रत शुरु कर सकते हैं। 9 गुरुवार तक व्रत करने से मकान मिलना, नौकरी मिलना या विदेश यात्रा पर जाना संभव हो पाता है। मान्यता है कि साई को कुमकुम लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। मौली (कलावा या रक्षा सूत्र) बांधने से इंसान मर्यादा में रहता है।

दूध अर्पित करने से वंश की वृद्धि होती है। दही समर्पित करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और शहद अर्पित करने से जीवन में मधुरता आती है। साई बाबा की पूजा करते समय हमेशा दाहिनी और घी का दीपक और बायीं और तेल का दीपक प्रज्वलित करना चाहिए।

घी का दीपक प्रज्वलित करने से घर में यश और खुशी की आती है और तेल का दीपक प्रज्वलित करने से किसी भी प्रकार की गृहदशा, मंगल दोष शनिदोष दूर होता है।

इस तैरते हुए मंदिर में आने से सुख सृमद्धि बढती है, यही जटायु ने किया था रावण से युद्ध

आँध्रप्रदेश के अनंतपुर में स्थित एक छोटा सा गाँव है, मान्यता है की यह रामायण के समय की वो ही जगह है जहाँ रावण से युद्ध के पश्चात घायल हो के गिद्धराज-जटायू गिरे थे। साथ ही यंहा ये मंदिर सोलहवीं सदी में बना है जो अपने जबरदस्त हस्तकला के लिए जाना जाता है। मंदिर काफी बडे क्षेत्र में फैला है और इसमे नारायण महादेव और वीरभद्रा के तीन अलग अलग मंदिर भी आकर्षण का केंद्र है।

मंदिर को झूलते हुए मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, इसमे सत्तर खम्भे लगे है जिसमे से एक हवा में तैर रहा है। इस एक झूलते हुए खम्भे के कारण इसे हैंगिंग टेम्पल कहा जाता है। ये खम्भा पहले हवा में नहीं तैर रहा था पर एक ब्रितानी कारीगर ने जब ये जानना चाहा के ये खम्बे टीके किस पर है और नीचे से सफाई की तो ये खम्भा भी झूल गया, इसका मतलब ये भी है की बाकि के खंभे भी हवा में है।

मंदिर की मान्यता यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की मान्यता है की इसके नीचे से कपडा निकलने से सुख सृमद्धि बढती है। इस मंदिर का निर्माण कि पौराणिक मान्यता यह है की लेपाक्षी परिसर में स्थित विरभद्र मंदिर का निर्माण ऋषि अगस्तय ने करवाया था। जब राम सीता को तलाशते हुए यहां राम लखन पहुंचे तो उन्होंने उस घायल पक्षी को देख कर कहा 'ले पाक्षी' यानी की उठो पक्षी जो कि एक तेलगु शब्द है। मंदिर से 200 मीटर दूर मेन रोड पर एक ही पत्थर से बनी विशाल नंदी प्रतिमा है जो की 27 फीट लम्बी, 4.5 मीटर ऊंची है। यह एक ही पत्थर से बनी नंदी की सबसे विशाल प्रतिमा है जबकि एक ही पत्थर से बनी दूसरी सबसे बडी प्रतिमा है (गोमतेश्वर सबसे बडी)। एक ही ग्रेनाइट पत्थर से बनी विशाल नागलिंग प्रतिमा भी स्थापित है जो की संभवतया सबसे विशाल नागलिंग प्रतिमा हैं। इस काले ग्रेनाइट से बनी प्रतिमा में एक शिवलिंग के ऊपर सात फन वाला नाग फन फैलाय बैठा है। मंदिर में स्थित है राम पदचिन्ह जबकि कइयों का मानना है की यह माता सीता के पैरों के निशान है।

जानिये ऐसा क्या हुआ की कृष्ण ने कर्ण की प्रशंसा की

एक बार कृष्ण और अर्जुन एक गांव की तरफजा रहे थे तभी अर्जुन ने कृष्ण से कहा कि क्यों कर्ण को दानवीर कहा जाता है और उन्हें नहीं। यह सुन कर कृष्ण ने दो पर्वत को सोने में बदल दिया, और अर्जुन से कहा कि वह इसका सारा सोना गाँव वालो के बीच में बाट दे। तब अर्जुन गाँव गए और सारे लोगों से कहा कि वे पर्वत के पास इक्कट्ठा हो जाएं क्योंकि वे सोना बाटने जा रहें हैं।

पांचों पांडवों से ज्यादा बलवान और बुद्धिमान कर्ण से सीखें ये 7 चीजें यह सुन कर गाँव वालो ने अर्जुन की जय जय कार करनी शुरू कर दी और अर्जुन छाती चौडी कर पर्वत की तरफचल दिए। दो दिन और दो रातों तक अर्जुन ने सोने के पर्वत खोदा और खोद कर सोना गाँव वालो में बाटा। इतने से पर्वत पर कोई असर नहीं हुआ। लेकिन बहुत सारे गाँव वाले वापस आके कतार में खडे होकर इंतजार करने लगे। अर्जुन अब थक चुके थे लेकिन अपने अहंकार को नहीं छोड रहे थे। उन्होंने कृष्ण से कहा कि अब वो थोडा आराम करना चाहते हैं इसके बिना वो खुदाई नहीं कर पाएंगे। तब कृष्ण ने कर्ण को बुलाया और कहा कि सोने के पर्वत को इन गाँव वालों के बीच में बाट दें। गीता के इन उपदेशों को मानिये, जीवन में कभी नहीं होगी आपकी हार कर्ण ने सारे गाँव वालों को बुलाया और कहा कि ये दोनों सोने के पर्वत उनके हैं और उनसे आ कर सोना ले लो। अर्जुन भौंचक्के हो गये और सोचने लगे कि यह ख्याल उनके दिमाग में क्यों नहीं आया।

तभी कृष्ण मुस्कुराये और अर्जुन से बोले कि तम्हे सोने से मोह हो गया था और तुम गाँव वालो को उतना ही सोना दे रहे थे जितना तुम्हें लगता था कि उन्हें जरुरत है। इसलिए सोने को दान में कितना देना है इसका आकार तुम तय कर रहे थे।

ये हैं महाभारत की 10 प्रेम कहानियाँ जो कोई नहीं जानता लेकिन कर्ण ने यह सब नहीं सोचा और दान देने के बाद कर्ण वह से दूर हट गया। वह नहीं चाहता कि कोई उसकी प्रशंसा करे और ना उसे इस बात से कोई फर्क पडता है कि कोई उसके पीछे उसके बारे में क्या बोलता है। यह एक निशानी है उस आदमी की जो आत्मज्ञान हासिल कर चुका है। दान देने के बदले में धन्यवाद या बधाई की उम्मीद करना उपहार नहीं सौदा कहलाता है। इसलिए दान करो बिना किसी उम्मीद के ।

यमुना नदी, यमराज की बहन है

हिंदू पौराणिक ग्रंथों के अनुसार यमुना नदी, यमराज की बहन है। जिसका नाम यमी भी है। यमराज और यमी के पिता सूर्य हैं। यमुना नदी का जल पहले साफ, कुछ नीला, कुछ सांवला था, इसलिए इन्हें 'काली गंगा और 'असित' भी कहते हैं। असित एक ऋषि थे। सबसे पहले यमुना नदी को इन्होंने ही खोजा था। तभी से यमुना का एक नाम 'असित' संबोधित किया जाने लगा। यमुना जिसे यमुनोत्री भी कहा जाता है। यह नदी उत्तरकाशी से 30 किमी उत्तर, गढवाल से निकली है। और अंत में इलाहाबाद में गंगा नदी से मिल जाती है। जहां यह त्रिवेणी(गंगा, सरस्वती, जमुना या यमुना) कहलाती है। यमुना की सहायक नदियां चम्बल, सेंगर, छोटी सिन्ध, बेतवा और केन हैं। यमुना के तटवर्ती नगरों में दिल्ली और आगरा के अतिरिक्त इटावा, काल्पी, हमीरपुर और प्रयाग मुख्य है। जिस तरह भगवान श्रीकृष्ण को ब्रज संस्कृति का जनक कहा जाता है, ठीक उसी तरह यमुना को जननी का स्थान दिया गया है।

किस करण से कुंभकर्ण सोता था 6 महीनों तक, जानें रहस्य

इंद्र-इंद्र देवताओं के देवता थे लेकिन वे कुंभकर्ण से ईर्षा करते थे क्योंकि वह बहुत बुद्धिमान और बहादुर था। इसके लिए इंद्र कुंभकर्ण से बदला लेने के लिए सही समय का इंजार कर रहे थे।

यज्ञ-तीनों भाई रावण, कुंभकर्ण और विभीषण ने ब्रहमा को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ और यागा किया।

वरदान या अभिशाप-यज्ञ से प्रसन्न होके तीनो भाइयों को वरदान देने के लिए ब्रहमा प्रकट हुए। और उन्होंने ने कुंभकर्ण से पूछा की उसे क्या वरदान चाहिए। तब कुंभकर्ण ने कहा कि उसे इंद्रासन चाहिए लेकिन उसके मुँह से निद्रासन निकला।

व्याकुल कुंभकर्ण-जब कुंभकर्ण ने इंद्रासन की बजाये निद्रासन कहा तब उसे अपनी गलती का अहसास हुआ की उसने क्या कहा दिया। जब तक उसे कुछ समझ आता ब्रहमा तथाअस्तु बोल चुके थे। हालांकि की कुंभकर्ण ने कहा कि उसकी इच्छा पूरा ना करें लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इंद्र की चाल-जैसे की हम सब जानते थे कि इंद्र कुंभकर्ण ईर्षा करते थे। जिसके चलते इंद्र ने देवी सरस्वती से जाके अनुरोध किया कि कुंभकर्ण इंद्रासन की बजाये निद्रासन कहे।

कुंभकर्ण की नींद-तभी से कुंभकर्ण 6 महीने की नींद में चले जाने के बाद फिर से 6 महीने के बाद तग जगता रहा और उसे जो कुछ भी प्राप्त हुआ वह उससे अपनी भूख मिटाता रहा।

केनोपनिषद: कुछ इस तरह पाएं मन की इच्छाओं से आत्मज्ञान

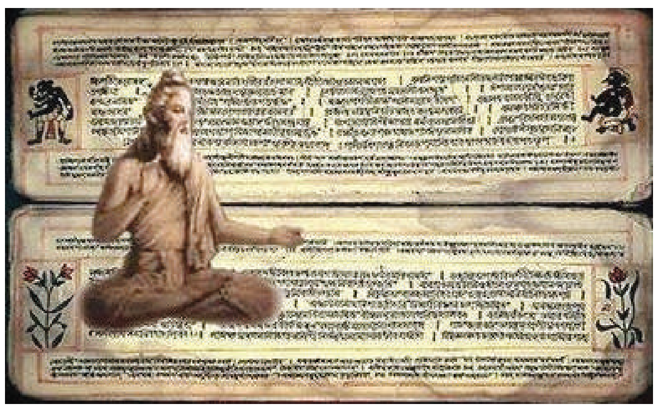

केनोपनिषद को चार खंडो में बांटा गया है। पहले खंड में मन की इच्छाओं, दूसरे खंड में ईश्वर के निराकार रूप, तीसरे खंड में परब्रहमा की सत्त के बारे में और चौथे खंड में विद्या की देवी सरस्वती द्वारा परब्रहम की विजय के बारे में बताया है। जिंदगी में आप ईश्वर के अध्यात्मरूपी प्रकाश से प्रकाशवान हो सकते हैं उसके बारे में बडी ही सरलता सहजता से बताया गया है।

शांतिपाठ

ऊँ अप्यायंतु ममांगानि
वाक्प्राणचक्षुष: श्रोतमथो
बलमिन्द्रियाणि च सर्वाणि सर्वं
ब्रहमोनिषदं माहं ब्रहमा निराकुर्या
मा मा ब्रहम निराकरोद
निराकरणमस्त्वनिराकरणं मे
अपिस्तुतदात्मानि निरते य
उपनिषत्सु धर्मास्ते मयि संतु।

यानि मेरे सभी अंग पुष्ट हों और मेरी वाणी, आत्मा, सुनने की शक्ति के साथ पूरी इंद्रियां पुष्ट हों। सभी विद्या ब्रहमा ने उपनिषदों के रूप में दी है। मैं ब्रहमा का निराकरण न करूं, ब्रहमा मेरा निराकरण न करे। इस प्रकार हमारा परस्पर अनिराकरण हो। उपनिषदों में जो धर्म है, वह आत्मज्ञान में लगे हुए मुझ में निहित हो, वह मेरे अंदर समा जाए , उपनिषदों में जो धर्म है उसका निराकार आत्मज्ञान मुझ में समा जाए और मेरे कई प्रकार के तापों को शांति मिले।

प्रथम खंड

1.जिसे कोई नेत्र नहीं देखता, किंतु जिसकी सहायता से नेत्र अपने विषय(लक्ष्य) को देखते हैं, उसी को ब्रहमा(ईश्वर) समझना चाहिए। जिसे कोई कान नहीं सुनता, परंतु जिसकी सहायता से कान सुनने का कार्य करते हैं, उसी को ब्रहमा समझो।

2.यह मन किसकी इच्छा से प्रेरित होकर अपने विषयों में गिरता है। यह प्राण किसके द्वारा प्रयुक्त होने पर चलता है। यह वाणी किसके द्वारा इच्छा किए जाने पर बोलती है। कौन देव या देवी नेत्रों और कानों को प्रेरित करते हैं। यह कुछ ऐसे प्रश्न हैं जिनके जावाब मन की इच्छाओं में छिपे हैं। जिन्हें एक सात्विक मनुष्य के अलावा कोई दूसरा नहीं खोज सकता है।

3.जो कानों का भी कान, मन का भी मन और वाणी की भी वाणी है, वहीं प्राणों का भी प्राण और आंखों की भी आंखें हैं। इस विचार को जानकरा धैर्यवान पुरुष मरने के बाद मुक्त होकर अमर हो जाते हैं।

4.जिसके विषय में मन, मनन नहीं कर सकता, पर जिसकी सत्ता से मन, मनन करने का सामर्थ्य रखता है, ऐसा कहा जाता है कि उसी को ब्रहमा समझना चाहिए। जिसे विशेष नामयुक्त ईश्वर की लोग उपासना करते हैं, वह ब्रहमा नहीं है।

द्वितीय खंड

1.यदि तुम यह समझते हो कि तुम ईश्वर को अच्छी तरह जानते हो, तो निश्चित ही तुम ब्रहम का अल्प रूप ही जानते हो। इसका जो रूप तुम जानते हो और जो रूप देवताओं में जाना जाता है, वह भी कम है। अत: तुम्हारे लिए ईश्वर को विचार करने योग्य है।

2.सभी इंद्रियां ब्रह्मा की सत्ता से ही कार्य करते हैं इसलिए प्रत्येक इंद्रिय के विषय से उसका ही ज्ञान होता है, इसी से वह जाना जाता है, यही उसका ज्ञान है। इसी ब्रहमज्ञान से अमरता प्राप्त होती है।

3.यदि इसी जन्म में ब्रहम को जान लिया जाए तो, तब तो ठीक है। यदि ऐसा न हो पाए तो यह प्राणी के सर्वाधिक हानि की बात है। कहते है ज्ञानी लोग केवल प्राणी में ब्रहम की सत्ता को देखकर, मृत्यु के पश्चात अमर हो जाते हैं।

तृतीय खंड

1.कहते हैं ब्रहम जब यक्ष रूप में आए तो देवता नहीं पहचान सके कि ये कौन हैं। तब देवराज इंद्र बोले की हे अग्निदेव पता लगाओ को यह यक्ष कौन है। अग्नि ने जब यज्ञ से पूछा कि आप कौन हैं तो यक्ष ने कहा हे अग्नि देव आपके नाम के अनुरूप आप में कौन सी शक्ति है। अग्निदेव बोले कि मैं संपूर्ण पृथ्वी को जला सकता हूं तब यक्ष ने एक तिनका दिया और कहां इसे जलाकर दिखाओ तब अग्नि देव उस तिनके को जलाने में असफल रहे। इसके बाद देवराज इंद्र ने पवन देव को भेजा उन्होंने भी यक्ष से वही प्रश्न किया तब यक्ष बोले कि इस तिनके को उडाओ पवनदेव भी ऐसा करने में जब असफल हुए और जब यक्ष के सामने इंद्र गए तो तब यक्ष अंतर्धान(गायब) हो गए। तब इंद्र ने हिमालय की पुत्री उमा(ब्रहम विद्या) से पूछा कि यह यक्ष कौन है।

उस ब्रहम विद्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह ब्रहम हैं, इसकी विजय से ही तुम महिमामय हुए हो। ऐसा कहते हैं कि तभी इंद्र ने जाना कि वह ब्रहमा थे। इंद्र ने सबसे पहले समीप ब्रहमा का स्पर्श किया इसलिए वह देवों में प्रमुख माने गए और उन्हें स्वर्ग का राजा नियुक्त किया गया।

चतुर्थ खंड

1.मन को गतिमान कहा जाता है। यह ब्रहम इस प्रकार मन से ही बार-बार ब्रहम का स्मरण होता है, तथा निरंतर संकल्प किया जाता है।

2.उपनिषद तप, कर्म, वेद और संपूर्ण वेदांग(व्याकरण, ज्योतिष, छंद आदि) यह सब प्रतिष्ठाहैं तथा सत्य उसका घर है।

3.जो निश्चयपूर्वक उपनिषद को इस प्रकार जानता है। वह अपने पापों को नष्ट करके अनंत और महान स्वर्गलोक में चला जाता है।

ऐसा दानव जिसकी मृत्यु न तो पशु और न ही मनुष्य से हुई

ऊँ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्म
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम।।
ऊँ नृम नृम नृम नर सिंहाय नम:।

भगवान नृसिंह शक्ति के देवता हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने 'नृसिंह अवतार' लेकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु का वध किया था। भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए तथा धर्म की स्थापना की और अपने भक्तों की सदेव संकट आने पर सहायता की।

नृसिंह अवतार

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दैत्यों का राजा हिरण्यकशिपु स्वयं को भगवान से भी अधिक शक्तिशाली मानता था। उसे मनुष्य, देवता, पक्षी, पशु, न दिन में, न रात में, न धरती पर, न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से मरने का वरदान प्राप्त था। उसके राज में जो भी भगवान विष्णु की पूजा करता था उसको दंड दिया जाता था। उसके पुत्र का नाम प्रहाद था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था।

यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया। लेकिन भगवान विष्णु के चमत्कार से वह बच गया। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, वह प्रहाद को लेकर धधकती हुई अग्नि में बैठ गई। तब भी भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद बच गया और होलिका जल गई। जब हिरण्यकशिपु स्वयं प्रहाद को मारने ही वाला था तब भगवान विष्णु नृसिंह का अवतार लेकर खंबे से प्रकट हुए और उन्होंने अपने नाखुनों से हिरण्यकशिपु का वध कर दिया।

ऐसे करें व्रत

ब्रहम मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए। भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए , तत्पश्चात वेद मंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम, केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखना चाहिए। गंगाजल, काले तिल, पंच गव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। भगवान नृसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नृसिंह गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से नृसिंह भगवान के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दु:खों से मुक्त हो जाता है।

184 सालों में पहली बार नहाया ये कछुआ...

दुनिया का सबसे पुराने जिंदा जीव के तौर पर पहचान रखने वाले जोनाथन ने 184 सालों में पहली बार नहाया है। उसका ये स्नान तो जानकारी में है, जो पहली बार है। उसने 184 सालों से पहले कभी नहाया हो, तो उसका रिकॉर्ड नहीं। ये जोनाथन दरअसल दुनिया का सबसे पुराना जीवित जीव है। जो एक विशालकाय कछुआ है। ये कछुआ सेंट हेलेना द्वीप पर रहता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। सेंट हेलेना सरकार की तरफ वीडियो में जोनाथन को नहाते दिखाया गया है। सरकार ने इसे ऐतिहासिक पल करार देते हुए सभी सेंट हेलेना वासियों को उसे नहाते देखने के लिए आमंत्रित किया था। जोनाथन की देखरेख करने का जिम्मा संभालने वाले हॉलिंस का कहना है कि हम चाहते थे कि लोग आएं और जो लोग उससे मोहब्बत करते हैं, वो उसे महसूस करें। वो बहुत प्यारा है। हॉलिंस ने कहा कि मैं जब कुछ बोलता हूं, तो जोनाथन अलग ही आवाज में मुझे जवाब देता है। जोनाथन के साथ मेरी ट्यूनिंग बेहतरीन है। मैं हर सप्ताह उसकी जांच करता हूं और साफ सब्जियों की डाइट देता हूं। जोनाथन की देखरेख की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि वो दुनिया का सबसे उम्रदराज जीव है। मैं जोनाथन की देखरेख का जिम्मा पाकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं ।

आंखों को साफ पानी से धोते रहें

आंखों की कोशिकाओं और रेटिना को मजबूती प्रदान करने में ल्युटेन आदि तत्वों की अहम भूमिका होती है। हरी सब्जियों और फलों में यह तत्व भरपूर मात्र में पाए जाते हैं। आंखों के स्वास्थ्य के लिए हरी सब्जियों, फलों के साथ डेयरी उत्पाद भी पर्याप्त मात्र में खाएं। लक्षणों को नजरअंदाज न करें : आंखों या सिर में भारीपन और धुंधला दिखाई देना। आंखें लाल होना और उनसे पानी आना। आंखों में खुजली होना।

योग रखेगा रोग मुक्त

बदलती जीवनशैली में पेट में गैस बनना आम समस्या हो गई है। मैडीसन से राहत तो मिल जाती है पर इससे कई समस्याएं भी पैदा होती हैं। अगर नियमित योग करें तो इससे हमेशा के लिए छुटकारा मिल सकता है।

गैस बनने की वजह

खाने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और स्टार्चयुक्त पदार्थों की बहुलता। शारीरिक श्रम की कमी। रात में देर से भोजन करना और सो जाना। सलाद और रेशेदार फल-सब्जियों की कमी। मल-मूत्र, अपान वायु के वेगों को रोकना। खाने में ज्यादा नमकीन, चटपटे और तेज मिर्च-मसाले का इस्तेमाल।

पेट संबंधी रोग

कब्ज, दस्त, आंतों में सूजन, अल्सर, कोलाइटिस, पित्ताशय की पथरी आदि रोगों के कारण भी गैस बनती है।

आहार

- सुबह खाली पेट 600 एमएल पानी नींबू के साथ लें। नाश्ते में दलिया, खिचड़ी या मूंग की दाल का सूप इस्तेमाल करें। दलिया या खिचड़ी में हरी सब्जियां डालें या अंकुरित अन्न चबा-चबाकर खाएं।
- दोपहर के खाने में मोटे आटे की रोटी, छिलका युक्त दाल, हरी सब्जियां और सलाद लें। खाने के दो घंटे बाद 250 एमएल छाछ काला नमक व भुना जीरा के साथ लें।
- रात का खाना 9 बजे के आसपास लें। रोटी, हरी सब्जी लें।

लाभदायक यौगिक क्रिया

- **आसन**: पवन मुक्तासन, वज्रासन, शशांकासन, नौकासन, भुजंगासन, सुप्त वज्रासन, मत्स्यासन, मयूरासन, कटि चक्रासन।
- **बंध**: उड्डियान बंध, अग्निसार क्रिया।
- **मुद्रा**: योग मुद्रा, अपान मुद्रा, अश्विनी मुद्रा।
- **प्राणायाम**: भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम-विलोम।
- **षड्कर्म**: कुंजल, लघु शंख प्रक्षालन, बस्ति क्रिया, भोजनोपरांत दस मिनट वज्रासन में बैठना।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

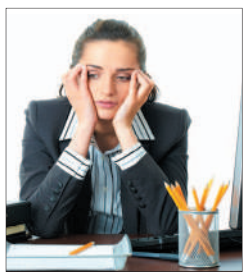

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं। कुछ मामलों में तो यहां तक देखा गया है कि एग्रोफोबिया के मरीज कई सालों तक घर से बाहर नहीं निकले हैं।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉ. बोहरा बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

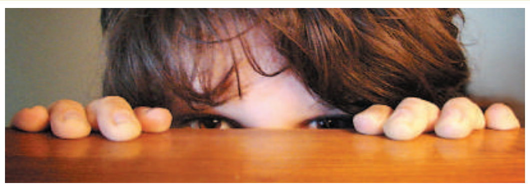

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

आयुर्वेद से करें एक्जिमा का उपचार

एक्जिमा एक प्रकार का चर्म रोग है। त्वचा के उत्तेजक, दीर्घकालीन विकार को एक्जिमा के नाम से जाना जाता है। इस रोग में त्वचा शुष्क हो जाती है और बार-बार खुजली करने का मन करता है क्योंकि त्वचा की ऊपरी सतह पर नमी की कमी हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा को कोई सुरक्षा नहीं रहती, और जीवाणुओं और कोशाणुओं के लिए हमला करने और त्वचा के भीतर घुसने के लिए आसान हो जाता है। एक्जिमा के गंभीर मामलों में त्वचा के ग्रसित जगहों से में पस और रक्त का स्राव भी होने लगता है। यह रोग डर्माटाईटिस के नाम से भी जाना जाता है। मुख्य रूप से यह रोग खून की खराबी के कारण होता है और चिकित्सा न कराने पर तेजी से शरीर में फैलता है। एक्जिमा का रोग अपने रोगियों को उम्र और लिंग के आधार पर नहीं चुनता। एक्जिमा के रोग से ग्रस्त रोगी अन्य विकारों के भी शिकार होते हैं। यह किसी भी उम्र के पुरुष या महिलाओं को प्रभावित कर सकता है। लेकिन कुछ आयुर्वेदिक उपचारों को अपनाकर इस समस्या के लक्षणों को कम किया जा सकता है।

खदिरारिष्ट

20 मिलीलीटर खदिरारिष्ट को 20 मिलीलीटर पानी में मिलाकर खाना खाने के बाद दिन में दो बार लेने से फायदा होता है।

गुदुच्याड़ी तेल

एक औषधियुक्त तेल जिसे ग्रसित जगह पर लगाने से लाभ मिलता है।

पञ्चनिम्बडी चूर्ण

खाना खाने के बाद आधे से एक चमच पानी के साथ लेने से भी लाभ होता है।

साफी

रक्त शुद्धी की एक बहुत ही प्रचलित औषधि, जिसके एक दो चम्मच खाली पेट पर लेने से एक्ज़िमा काफी हद तक ठीक हो जाता है।

शुद्ध गुग्गूल

आयुर्वेद की बहुत ही प्रचलित जड़ी बूटी, गुग्गूल में शुद्धि और तरोताजा करने के लिए अत्यधिक ओजस्वी शक्तियों का समावेश होता है।

चन्दन

एक चम्मच कपूर के साथ एक चम्मच चन्दन की लई मिलाकर एक्जिमा से ग्रसित जगह पर लगाने से भी बहुत फायदा होता है।

आहार और खान पान

- दही और अचार जैसे खट्टी चीजों का सेवन बिलकु ल ना करें।
- करेले और नीम के फूलों का सेवन भी लाभकारी होता है।
- शुद्ध हल्दी भी एक्जिमा की चिकित्सा में लाभ प्रदान करती है। इसे एक्जिमा के चकतों पर लगाया जा सकता है और दूध में मिलाकर भी पीया जा सकता है।

क्या करें क्या ना करें

- डिटरजेंट (कपडे धोने का पाउडर) को बिलकुल भी ना छुएं, पर अगर मजबूरी से छूना भी पड़े तो सूती दस्तानों का प्रयोग करें।
- एक्जिमा से ग्रसित जगह पर तंग कपडे ना पहनें।
- सिंथेटिक कपड़ों का भी बिलकुल प्रयोग ना करे, क्योंकि इससे पसीने के निष्काशन में कठिनाई होती है।
- तरबूज जैसे फलों का नियमित रूप से सेवन करें।
- गाजर और पालक के रस का मिश्रण पीने से भी एक्जिमा के ठीक होने में लाभ मिलता है।
- पानी का भरपूर मात्रा में सेवन करें और चाहें तो संतरे का रस भी पी सकते हैं।

नीम

नीम के कोमल पत्तों का रस निकालकर उसमें थोड़ी सी मिश्री मिला लें। इसे प्रतिदिन सुबह पीने से खून की खराबी दूर होकर एक्जिमा ठीक होने लगता है।

हरड़

4 हरड़ को गौमूत्र में पीसकर लेप बना लें। यह लेप प्रतिदिन दो से तीन बार एक्जिमा पर लगाने से लाभ होता है।

रेसिपी

आटे का मालपुवा

सामग्री

1 कप गेहूं का आटा
1/2 कप शक्कर
1/2 टी-स्पून दरदरी पीसी हुई कालीमिर्च
1 टेबल-स्पून सौंफ
घी , तलने के लिए

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में शक्कर और 1 कप पानी को मिलाकर, मध्यम आँच पर, लगातार हिलाते हुए 3 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को गहरे बाउल में निकाल ले और पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। ठघडा करने के बाद, क्रश की हुई कालीमिर्च, सौंफ, गेहूं का आटा और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाकर फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन मे घी गरम करें, चम्मच भर घोल गरमा गरम घी में डालकर, तेज़ आँच पर उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। विधी क्रमांक 4 कोप दोहराकर 14 और मालपुवे बना लें। तुरंत परोसें।

खोबा रोटी

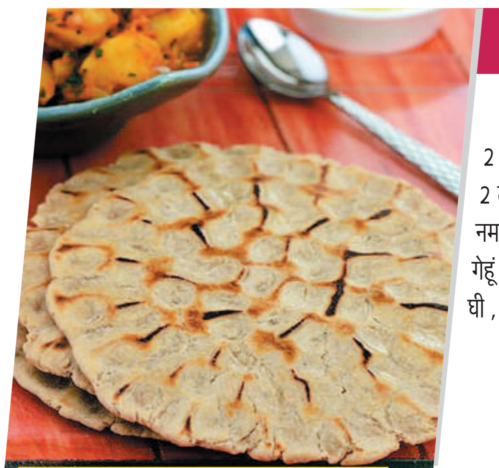

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
2 टी-स्पून घी
नमक स्वादअनुसार
गेहूं का आटा , बेलने के लिए
घी , चुपड़ने और परोसने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में डालकर, पर्याप्त मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। आटे को 4 भाग में बाँट लें। थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर, आटे के प्रत्येक भाग को 150 मिमी। व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और रोटी को दोनो तरफ से लगभग 2-3 मिनट तक पकाकर प्लेट में निकाल लें। रोटी को समान अंतर पर ऊंगली से चिमट लें। रोटी को सुबारा तवे पर डालकर, धिमी आंच पर 5-6 मिनट या दोनो तरफ से सुनहरे दाग पड़ने तक, सूती के कपड़े से सबाते हुए पका लें। 3 और रोटी बना लें। घी और अपनी पसंद की सब्जी के साथ तुरंत परोसें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

ममता का 'चुनावी लूट' नारा

चुनाव में करारी पराजय के बावजूद ममता बनर्जी ने नया प्रलाप शुरू किया है कि वह 'लोकभवन' जाकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। वह चुनाव में हारी नहीं हैं, तो इस्तीफा क्यों दें? वह चुनाव नहीं हारी हैं, बल्कि उनकी 100 सीटें जबरन लूट ली गई हैं। चुनाव आयोग 'मुख्य खलनायक' है और देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की निगरानी में यह 'चुनावी लूट' की गई है। ममता का बेहद गंभीर आरोप है कि मतगणना केंद्र में उनके पेट और उनकी पीठ पर लातें मारी गईं। उन्हें धकिया कर मतगणना केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। ये आरोप हिंसात्मक भी हैं। जब ममता बनर्जी मतगणना केंद्र में गई थीं, तो वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री थीं और भवानीपुर सीट पर उम्मीदवार भी थीं। सवाल और आश्चर्य है कि एक सार्वजनिक स्थल पर कोई भी एक मुख्यमंत्री, महिला मुख्यमंत्री, पर हिंसात्मक हमला कैसे कर सकता है? सुरक्षाकर्मी कहां थे? ऐसे हमले की प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? क्या कोई साक्षी है उस हमले का? बहरहाल ममता बनर्जी ने 'चुनावी लूट' का नया नारा दिया है। इस मुद्दे पर अब वह सडक़ों पर संघर्ष करेंगी और फिर सत्ता में लौटेंगी। बेशक ममता योद्धा किस्म की नेता रही हैं। हार के बाद ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें अथवा न दें, लेकिन 7 मई के बाद वह खुद ही 'पूर्व मुख्यमंत्री' हो जाएंगी। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 7 मई तक ही है। चुनाव आयोग ने असम और बंगाल के नवनिर्वाचित विधायकों की अधिसूचनाएं संबद्ध राज्यपालों को भेज दी हैं। राज्यपाल 'प्रोटेम स्पीकर' की नियुक्ति करेंगे और वह सभी विधायकों को शपथ दिलाएंगे। जब नई विधानसभा गठित होगी और ममता विधायक भी नहीं होंगी, तो मुख्यमंत्री कैसे बनी रह सकती हैं? नए मुख्यमंत्री और कैबिनेट 9 मई को शपथ ग्रहण कर सकते हैं। दरअसल संविधान के अनुच्छेद 154 में स्पष्ट उल्लेख है कि राज्य की कार्यपालिका की तमाम शक्तियां राज्यपाल में निहित होती हैं। राज्यपाल खुद या अधीनस्थ अधिकारियों (मुख्यमंत्री, मंत्रीगण) के जरिए उन शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। राज्यपाल चाहें, तो वह मुख्यमंत्री को हटा भी सकते हैं, क्योंकि ऐसी नियुक्ति राज्यपाल के 'प्लेजर' (प्रसन्नता, संतोष) तक ही सीमित होती हैं। यह अलग मुद्दा है कि मुख्यमंत्री को सदन में 'सामान्य बहुमत' प्राप्त होना चाहिए। यदि बहुमत या विश्वास का परीक्षण किया जाना है, तो उसका अंतिम निर्णय 'सदन' में ही होगा, लेकिन कोई भी निवर्तमान मुख्यमंत्री, चुनाव के बाद, सत्ता-हस्तांतरण से एकदम पहले इस्तीफा देने से इंकार नहीं कर सकता। नैतिक-वैतिक जीत-हार कुछ नहीं होता। जिसके पक्ष में जनादेश के निर्णायक आंकड़े हैं, वही सत्तारूढ़ होगा। ममता को जनादेश 'लूट' लगता है, तो डाटा और दलीलों के साथ सर्वोच्च अदालत में जाएं। ममता ने 'चुनावी लूट' का जो प्रलाप शुरू कर राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने से इंकार का जो बयान दिया है, वह लोकतंत्र और संविधान के साथ भद्दा मजाक है। हमें याद नहीं कि देश में किसी भी मुख्यमंत्री ने, चुनाव हारने के बाद, इस्तीफा देने से इंकार किया हो! लोकतंत्र ने ममता बनर्जी के खिलाफ निर्णायक जनादेश दिया है, उसे विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन और केरलम के मुख्यमंत्री विजयन ने चुनावी पराजय के बाद इस्तीफे दे दिए हैं। उन राज्यों में सत्ता-हस्तांतरण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। देश के किसी भी प्रधानमंत्री ने जनादेश के बाद पद छोडऩे में विलंब नहीं किया। यही भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती और ताकत भी है। बहरहाल अब ममता बनर्जी के 'लूट' वाले नारे को राहुल गांधी, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, केजरीवाल, हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव सरीखे विपक्षी नेताओं ने समर्थन के ऐलान किए हैं, लेकिन खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव के दौरान ममता बनर्जी का खुल कर विरोध किया था और बंगाल में भाजपा की सेंधमारी के लिए ममता की ध्रुवीकरण वाली राजनीति को ही 'जिम्मेदार' करार दिया था। अब 'वोट चोरी' के बजाय 'चुनावी लूट' पर दोनों नेता साथ-साथ आने की घोषणा कर चुके हैं। बंगाल के पूरे चुनाव के संदर्भ में उन 27 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम गौरतलब हैं, जो आज भी विचाराधीन हैं। उनके मताधिकार अटके, लटके, भटके हुए हैं। ममता इस मुद्दे पर जरूर लड़ें। इस बीच जहां-जहां चुनाव हुए हैं, वहां-वहां नई सरकारों के गठन की तैयारियां चल रही हैं। तीन राज्यों में भाजपा जीती है, तमिलनाडू में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बजाय एक अभिनेता की नई पार्टी जीती है, जबकि केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन जीता है।

चुनाव आयोग ने असम और बंगाल के नवनिर्वाचित विधायकों की अधिसूचनाएं संबद्ध राज्यपालों को भेज दी हैं। राज्यपाल 'प्रोटेम स्पीकर' की नियुक्ति करेंगे और वह सभी विधायकों को शपथ दिलाएंगे। जब नई विधानसभा गठित होगी और ममता विधायक भी नहीं होंगी, तो मुख्यमंत्री कैसे बनी रह सकती हैं? नए मुख्यमंत्री और कैबिनेट 9 मई को शपथ ग्रहण कर सकते हैं। दरअसल संविधान के अनुच्छेद 154 में स्पष्ट उल्लेख है कि राज्य की कार्यपालिका की तमाम शक्तियां राज्यपाल में निहित होती हैं। राज्यपाल खुद या अधीनस्थ अधिकारियों (मुख्यमंत्री, मंत्रीगण) के जरिए उन शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। राज्यपाल चाहें, तो वह मुख्यमंत्री को हटा भी सकते हैं, क्योंकि ऐसी नियुक्ति राज्यपाल के 'प्लेजर' (प्रसन्नता, संतोष) तक ही सीमित होती हैं। यह अलग मुद्दा है कि मुख्यमंत्री को सदन में 'सामान्य बहुमत' प्राप्त होना चाहिए।

भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के "सांस्कृतिक पुनर्जागरण" के रूप में देख रहे हैं।

वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में "बंगाली अस्मिता" और "हिंदू पहचान" के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। "वंदे मातरम्" का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक

आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि "सांस्कृतिक सुरक्षा" स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान "जय श्रीराम" जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल "हिंदी बनाम बंगाली" के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनरुस्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को "हिंदू पुनर्जागरण" कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से "अपवाद" नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरुआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

देश | दुनिया से

क्या नई सरकार बदलेगी बंगाल का हिंसक इतिहास?

पश्चिम बंगाल की जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर एक बदलाव की उम्मीद जताई है लेकिन यदि यह बदलाव केवल 'चेहरों' का है और 'संस्कृति' वही हिंसक रही, तो बंगाल के विकास की राह फिर से अवरुद्ध हो जाएगी। हिंसा का असली कारण केवल 'हताशा' या 'अहंकार' नहीं है बल्कि वह राजनीतिक व्यवस्था है, जहाँ असहमति के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हालांकि पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई घटना नहीं है। 1970 के दशक से लेकर वामपंथी शासन और फिर टीएमसी के कार्यकाल तक, सत्ता का रास्ता हमेशा संघर्षों से होकर गुजरा है। मसलन पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'सत्ता' और 'हिंसा' का रिश्ता दशकों पुराना है यानी पश्चिम बंगाल की का शोर अक्सर हिंसा की गूंज के राजनीति में 'सत्ता परिवर्तन' साथ सुनाई देता है लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद जो मंजर दिखा, उसने राज्य के लोकतांत्रिक इतिहास में एक और काला अध्याय जोड़ दिया है।राजनीति राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए सुखद नहीं हैं। यहां राजनैतिक दल का कार्यकर्ता केवल समर्थक नहीं, बल्कि एक योद्धा की भूमिका में होता है। शायद यही कारण है कि भाजपा और टीएमसी के शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद की कमी और एक-दूसरे के प्रति 'शत्रुतापूर्ण' भाषा ने निचले स्तर के कार्यकर्ताओं को और उग्र कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई औचित्य नहीं हो सकता। यदि भाजपा को राज्य में सुशासन स्थापित करना है, तो उसे 'प्रतिशोध की राजनीति' से ऊपर उठकर कानून का शासन स्थापित करना होगा। वहीं टीएमसी को एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में जनादेश को स्वीकार कर अपने कार्यकर्ताओं को शांत करना होगा। प्रशासन को चाहिए कि वह दोषियों की पहचान दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रशासनिक विफलता और चुनाव आयोग की भूमिका मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, डीजीपी और पुलिस कमिश्नर को सख्त निर्देश दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि उपद्रवियों को किसी भी राजनीतिक संरक्षण के बावजूद जेल भेजा जाए। चुनाव खत्म होने के बावजूद 700 से अधिक कंपनियां राज्य में रोकी गई हैं, ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। अक्सर पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान तो सुरक्षा बल तैनात रहते हैं, लेकिन परिणामों के बाद स्थानीय पुलिस पर अक्सर 'मूकदर्शक' होने के आरोप लगते हैं। इस बार चुनाव आयोग ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। शायद आयोग राज्य में स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है। इसी कारण केंद्रीय बलों को तैनात रखना और उपद्रवियों को सीधे जेल भेजने का फरमान प्रशासन की साख बचाने की आखिरी कोशिश है।

लोकतंत्र में इन घटनाओं के क्या मायने: बंगाल में के बीरभूम के नानूर में टीएमसी कार्यकर्ता अबीर शेख की गला रेतकर हत्या और कोलकाता के न्यू टाउन में भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल की पीट-पीटकर हत्या इस हिंसा की क्रूरता को दर्शाती है। पिछले 24 घंटों में भाजपा और टीएमसी दोनों दलों के कम से कम 2-2 कार्यकर्ताओं की जान जा चुकी है। कोलकाता के न्यू मार्केट में टीएमसी दफ्तर को बुलडोजर से गिराना और आसनसोल, सिलीगुड़ी, हावड़ा में कार्यालयों को आग के हवाले करना यह बताता है कि यह केवल कार्यकर्ताओं की झड़प नहीं, बल्कि 'वर्चस्व' को खत्म करने की लड़ाई है। मुर्शिदाबाद में लेनिन की प्रतिमा को गिराना वैचारिक विद्वेष का प्रतीक बनकर उभरा, जो त्रिपुरा की 2018 की घटनाओं की याद दिलाता है। ये घटनाएँ दर्शाती हैं कि चुनावी रंजिश अब व्यक्तिगत दुश्मनी में बदल चुकी है। बंगाल में राजनीतिक दल केवल विचारधारा नहीं, बल्कि 'पाड़ा' (इलाके) पर नियंत्रण के लिए लड़ते हैं। सत्ता बदलते ही निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में इलाके पर कब्जा करने की होड़ मच गई। लेनिन की मूर्ति का गिराया जाना या विपक्षी दल के झंडे फाड़ना केवल संपत्ति का नुकसान नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल करने की कोशिश है।

ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन : पश्चिम बंगाल में 4 मई 2026 को आए चुनावी नतीजों ने न केवल राज्य की राजनीति को बदल दिया, बल्कि राजनीतिक संघर्ष के एक नए युग की की शुरुआत भी कर दी। जहां 2021 में भाजपा 77 सीटों पर रुकी थी, वहीं इस बार उसने दो-तिहाई बहुमत (207 सीटें) प्राप्त कर राज्य की राजनीति का ध्रुवीकरण अपनी ओर कर लिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अपने ही गढ़ भवानीपुर से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों हारना, इस हार की गंभीरता को और गहरा कर देता है। सत्ता का यह विशाल हस्तांतरण केवल राजनीतिक नहीं था, बल्कि यह वर्षों से चले आ रहे प्रशासनिक और जमीनी ढांचे के ढहने का संकेत भी था। लेकिन इस ऐतिहासिक जनादेश के साथ ही राज्य के हर हिस्से से आगजनी, तोड़फोड़ और हत्याओं की खबरें आने लगीं।

'हार की हताशा' बनाम 'जीत का अहंकार' : ऐसा लगता है कि इस हिंसा के पीछे दो विपरीत मनोवैज्ञानिक स्थितियाँ काम कर रही हैं, जिन पर दोनों दलों के अपने-अपने तर्क हैं। टीएमसी की हताशा भी स्वाभाविक है जहां 15 साल तक निर्बाध शासन करने के बाद इतनी बड़ी हार को स्वीकार करना टीएमसी के जमीनी कार्यकर्ताओं के लिए कठिन रहा है।

आप का | नज़रिया

सडक़ पर कातिल

सडक़ पर आम नागरिक की सुरक्षा के इंतजाम इतने ढीले हैं कि वाहन सीधे खाई में पहुंच रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में ही सडक़ दुर्घटनाओं का विवरण भले ही मानवीय गलतियों का पिटारा खोल दे, लेकिन सडक़ निर्माण में बरती गई लापरवाही भी काफी हद तक हानिकारक साबित हुई है। आनी में वाहन पर गिरे पेड़ ने स्कूल से लौट रहे चार शिक्षक लील दिए, तो इस सफर में जंगल को कातिल क्यों न मानें। साल भर का आंकड़ा निकालें, तो वन विभाग के अड़ियल कानूनों की फेहरिस्त और काम का ढर्रा यह बताता है कि सडक़ों के किनारे कितने ही खूनी पेड़ खड़े हैं और जहां कानून का नंगा नाच मौत का सबब बनता है। बेशक हमने जंगल के कानून से लांघना मुश्किल कर दिया, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि कुछ घातक पेड़ सडक़ों, बस्तियों और जीवन के हर दस्तूर के खिलाफ दैत्य बने रहें। आनी का पेड़ अगर कातिल साबित हुआ, तो न्याय की दरकार किससे करें। बात मुआवजे की नहीं, बल्कि जिंदगी को उखाड़ फेंकने की है। हमारे जंगल वहां हैं, जहां से जीवन की राहें गुजरती हैं। सडक़ों के किनारे हर साल कितने ही पेड़ अनेक कारणों से ढह कर नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन ऐसी कोई योजना नहीं जो ऐसे खतरों से जान-माल को बचा ले। अगर कहीं पेड़ टूट या सूख जाते हैं, तो भी विभाग इन्हें हटाने में वर्षों लगा देता है। ऐसे में झुके, सूख गए, सडक़ की ढलान या बीचोंबीच खड़े पेड़ न हटाए गए, तो हर जगह आनी जैसा मातम पसर सकता है। सडक़ों पर जिंदगी की सुरक्षा के दाग केवल वन विभाग पर ही नहीं, बल्कि बिजली के पोल और जलापूर्ति की पाइपें भी कम दोषी नहीं। अब तो सडक़ों की मरम्मत भी काल बन रही है। नवनिर्माण की सामग्री, वाहनों की पार्किंग और मलबे के ढेर यातायात को जोखिम से भर रहे हैं। भले ही माननीय हाई कोर्ट ने बरसात के मलबे को हटाने के निर्देश पीडब्ल्यूडी को दिए थे, लेकिन सडक़ें आज भी इससे खचाखच भरी नजर आती हैं। सडक़ों पर गति सीमा नियंत्रण तथा तकनीकी तौर पर इंजीनियरिंग की खामियां भी नजरअंदाज हो रही हैं। नतीजतन मौत की कमोबेश हर छलांग में स्पीड, ओवरटेक और आगे निकलने की जल्दबाजी सामने आ रही है। चालकों के लिए पर्वतीय परिस्थितियों के अनुरूप ड्राइविंग स्किल का न होना भी एक बड़ा कारण है, लेकिन पर्यटक सीजन में अभियान के जरिए ऐसा संदेश देने में हिमाचल अभी पीछे है। चिंतपूर्णी से देहरा मार्ग के बीच ढलियारा के खतरनाक मोड़ अब चीखने-चिल्लाने की यातना बने हैं, तो न इंजीनियरिंग और न ही ड्राइविंग के लिए कोई पहरे तैयार हुए। ड्राइविंग के साथ शारीरिक क्षमता तथा ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति के स्वास्थ्य का परीक्षण भी एक जरूरत है। अगर चालकों के स्वास्थ्य परीक्षण के शिविर लगें या सडक़ों पर उनकी फिटनेस का समय-समय परीक्षण हो जाए, तो कम से कम नूरपुर जैसी घटनाओं से बचा जा सकता था। सडक़ पर चालक को आए हार्ट अटैक ने चंबा से ऊना जा रही निजी बस की सवारियों की जिंदगी खतरे में डाल दी थी। शुक्र यह कि चोटिल सवारियां बच गईं वरना यह सफर गमगीन हो सकता था। कहना न होगा कि हिमाचल की सडक़ों पर बढ़ता वाहन दबाव अब सफर के खतरे बढ़ा रहा है। वाहनों की दौड़ में ड्राइवर से लेकर सडक़ों की फिटनेस भी जरूरी है और यातायात प्रबंधन में हर यात्री के जीवन की सुरक्षा का हर पहलू अब पुख्ता करना पड़ेगा। हर दुर्घटना केवल एक टीस, हजारों सबक देती है, लेकिन ढर्रा वहीं का वहीं खड़ा है।

सडक़ों के किनारे हर साल कितने ही पेड़ अनेक कारणों से ढह कर नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन ऐसी कोई योजना नहीं जो ऐसे खतरों से जान-माल को बचा ले। अगर कहीं पेड़ टूट या सूख जाते हैं, तो भी विभाग इन्हें हटाने में वर्षों लगा देता है। ऐसे में झुके, सूख गए, सडक़ की ढलान या बीचोंबीच खड़े पेड़ न हटाए गए, तो हर जगह आनी जैसा मातम पसर सकता है। सडक़ों पर जिंदगी की सुरक्षा के दाग केवल वन विभाग पर ही नहीं, बल्कि बिजली के पोल और जलापूर्ति की पाइपें भी कम दोषी नहीं। अब तो सडक़ों की मरम्मत भी काल बन रही है। नवनिर्माण की सामग्री, वाहनों की पार्किंग और मलबे के ढेर यातायात को जोखिम से भर रहे हैं। भले ही माननीय हाई कोर्ट ने बरसात के मलबे को हटाने के निर्देश पीडब्ल्यूडी को दिए थे, लेकिन सडक़ें आज भी इससे खचाखच भरी नजर आती हैं। सडक़ों पर गति सीमा नियंत्रण तथा तकनीकी तौर पर इंजीनियरिंग की खामियां भी नजरअंदाज हो रही हैं। नतीजतन मौत की कमोबेश हर छलांग में स्पीड, ओवरटेक और आगे निकलने की जल्दबाजी सामने आ रही है। चालकों के लिए पर्वतीय परिस्थितियों के अनुरूप ड्राइविंग स्किल का न होना भी एक बड़ा कारण है, लेकिन पर्यटक सीजन में अभियान के जरिए ऐसा संदेश देने में हिमाचल अभी पीछे है। चिंतपूर्णी से देहरा मार्ग के बीच ढलियारा के खतरनाक मोड़ अब चीखने-चिल्लाने की यातना बने हैं, तो न इंजीनियरिंग और न ही ड्राइविंग के लिए कोई पहरे तैयार हुए। ड्राइविंग के साथ शारीरिक क्षमता तथा ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति के स्वास्थ्य का परीक्षण भी एक जरूरत है। अगर चालकों के स्वास्थ्य परीक्षण के शिविर लगें या सडक़ों पर उनकी फिटनेस का समय-समय परीक्षण हो जाए, तो कम से कम नूरपुर जैसी घटनाओं से बचा जा सकता था। सडक़ पर चालक को आए हार्ट अटैक ने चंबा से ऊना जा रही निजी बस की सवारियों की जिंदगी खतरे में डाल दी थी। शुक्र यह कि चोटिल सवारियां बच गईं वरना यह सफर गमगीन हो सकता था।

कुछ | अलग

तीसमार खां बनने का जुगाड़

यहां काम से प्रचार का महत्त्व अधिक हो गया है। उपलब्धि से अधिक सफलता की घोषणा का। राजनीति में रहना है तो पहले तीसमार खां का जयघोष करना सीखो, और फिर जल्द से जल्द अपना जयघोष करवा के तीसमार खां को पछाडऩा सीखो। तीसमार खां बने रहना किसी का जन्म सिद्ध अधिकार नहीं, जबकि परिवारवादी तो यही चाहते हैं कि अगर आज, किसी तरह साम दाम दंड भेद से वे तीसमार खां बन गए हैं, तो उनके नाती-पोते भी यही उपाधि धारण किए रहें। परंतु इसके लिए कथनी और करनी में अंतर होना आवश्यक है। गाली परिवारवाद को दो, लेकिन अपने बेटे और पोते का भविष्य संवारने के बाद। कोई आलोचक इस विसंगति के बारे में पूछ बैठे तो उसका मुंह बंद करने के लिए अपनी वंशावली में असाधारण क्षमता का बखान व विश्वास काफी है। अपने आपको बचाने के लिए अपवाद हो सकने का सिद्धांत तैयार-बर-तैयार खड़ा है। यह तो हो गई परिवारवाद के प्रतिबंध से बच निकलने की बात। जहां तक जनता की सेवा से नेतागिरी करने का संबंध है, जनाब, आजकल वे सेवा नहीं, शासन करते हैं। यहां जन-कल्याणकारी जन-अनुकम्पा बांटी जाती है। न्यायपालिका देश को रियायतों भरी रेवडियां न बांटने की बात कहती है। रेवडियों पर अब जन-कल्याण का मुलम्मा लगा दिया गया। इसलिए आम के आम और गुठलियों के दाम हो जाते हैं। गुठलियां अवश्य बांटो, लेकिन अपना पराया देख कर। जो अपने हैं, उनका अंधा-काना भी कबूल और दृष्टिवान अगर कोई है, और अपना नहीं, तो उसकी पहचान नहीं करनी है।

दृष्टि | कोण

प्रेम का धर्म, धरा का मंदिर

भगवान श्री कृष्ण का विराट रूप। मानो हजारों सूर्य चमक उठे। हर दिशा में मुख और आंखें। उस अनंत अपार शरीर में सारी सृष्टि। सारी सृष्टि में वही एक अनंत प्रभु व्याप्त। चारों ओर से देवों, असुरों, ऋषियों और सिद्धों का स्तुति गान। प्रकाश ही प्रकाश। भगवान श्री कृष्ण के इस अद्भुत और दिव्य विराट रूप से अभिभूत और विकल हुए अर्जुन ने नतमस्तक होकर हाथ जोड़े और विनीत स्वर में बोला, 'हे केशव, मैंने भूल से, अज्ञानवश, मजाक में, सबके सामने या अकेले में कभी आपको मित्र कहा हो, आपका अनादर किया हो, तो कृपा करके मुझे क्षमा कर दीजिए।' जिस तरह से अर्जुन ने विनम्रतापूर्वक जाने-अनजाने में हुई अपनी हर भूल के लिए क्षमा मांग ली, आज के युग में भी वैसे ही विनम्रतापूर्वक क्षमा मांग लेना भारतीय संस्कृति का अभिन्न भाग है। क्षमा मांग लेना और क्षमा कर देना तभी संभव होता है जब प्रेम हमारा धर्म बन जाए, हमारा पूरा अस्तित्व ही प्रेममय हो जाए। प्रेम अगर हमारा धर्म बन जाए तो दुनिया ही बदल जाती है क्योंकि हमारा नजरिया बदल गया, सोच बदल गई, सोचने-समझने का तरीका बदल गया। हम किसी भी दृष्टिकोण से देखें, दुनिया सचमुच बदल जाती है। यह कथन भावनात्मक भी है, दार्शनिक भी, और वैज्ञानिक भी। प्रेम सामाजिक बंधन का आधार है, नैतिकता का केंद्र है और आध्यात्मिक एकत्व का अनुभव है। जब हम प्रेम को धर्म कहते हैं, तो हम यह स्वीकार करते हैं कि हमारा आचरण करुणा पर आधारित होगा। प्रेम जैविक और सामाजिक विकास का आधार है। न्यूरोसाइंस बताती है कि जब हम प्रेम और करुणा का अनुभव करते हैं, तब मस्तिष्क में ऑक्सीटोसिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे रसायन सक्रिय होते हैं। ये रसायन न केवल हमें सुख का अनुभव कराते हैं, बल्कि सामाजिक बंधन को भी मजबूत करते हैं। इस प्रकार प्रेम केवल आध्यात्मिक आदर्श नहीं, बल्कि मानव विकास की एक जैविक आवश्यकता है। जब हम कहते हैं कि हमारा प्रेम ही हमारा धर्म है तो हम धर्म की उसी सनातन व्याख्या को स्वीकार करते हैं जो

हमें बांटने के बजाय जोड़ती है। प्रेम बांटता नहीं, जोड़ता है। प्रेम किसी झंडे के नीचे खड़ा नहीं होता, वह खुले आकाश में नृत्य करता है। जब हम कहते हैं कि हमारा धर्म प्रेम है, तब हमें किसी संकीर्ण पहचान की आवश्यकता नहीं रह जाती। हम सिर्फ इनसान हो गए और इनसानियत हमारा व्यवहार हो गया। इसी तरह जब हम धरती को मंदिर मानते हैं, तब हम उस पर हिंसा नहीं कर सकते। हम उसे दूषित नहीं करते। हम ऐसा समझेंगे तो विभाजन नहीं रह जाएगा। हम धर्म के नाम पर लडऩे की बजाय प्रेम के नाम पर जुड़ेंगे। यदि हमारा धर्म प्रेम है, तो हम किसी को पराया नहीं मानेंगे। तब जाति, भाषा, पंथ के भेद गौण हो जाएंगे। हम सब एक ही धरती के पुत्र हैं, और यही धरती हमारा मंदिर है। इस मंदिर की रक्षा करना, इसे प्रदूषण से बचाना, इसे सम्मान देना, यही हमारी पूजा होगी। जब हम धरती को ही अपना मंदिर मान लें तो तब हमें अपने ईश्वर को दीवारों में बंद करने की जरूरत नहीं रह जाती। आकाश हमारा गुंबद है, वृक्ष हमारे स्तंभ हैं, नदियां हमारा शंखनाद हैं, और जीवन नृत्य हो जाता है, जीवन उत्सव बन जाता है क्योंकि हम जो भी देखें, जिसे भी देखें, सब तरफ उस सर्वशक्तिमान परमात्मा का ही नूर जगमगाता नजर आता है। मेरा कोई अलग ग्रंथ नहीं है, मेरा हृदय ही मेरा ग्रंथ है। हृदय का ग्रंथ शब्दों में नहीं लिखा जाता, वह अनुभवों में लिखा जाता है। जब हम प्रेम करते हैं, जब हम क्षमा करते हैं, जब हम किसी को बिना शर्त स्वीकार करते हैं- तभी हम उस ग्रंथ को पढ़ते हैं। यदि हम केवल किताबों में सत्य खोजते रहेंगे, तो हम बाहर भटकते रहेंगे। सत्य भीतर धडक़ रहा है।

पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को बाहर कर चैंपियंस लीग फाइनल में बनाई जगह, अब आर्सेनल से होगी टक्कर

म्यूनिख

बायर्न म्यूनिख के खिलाफ सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने कुल 6-5 की बढ़त के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला बुधवार को एलियांज एरिना में खेला गया।

पिछले सप्ताह पेरिस में खेले गए पहले चरण के रोमांचक मुकाबले में 5-4 की बढ़त हासिल करने वाली लुइस एनरिके की टीम ने इस मैच में भी शुरुआती बढ़त बना ली। उस्मान डेम्बेले ने मैच के शुरुआती मिनटों में गोल कर पीएसजी की कुल बढ़त को और मजबूत कर दिया।

बायर्न म्यूनिख के लिए हैरी केन ने अतिरिक्त समय में गोल जरूर किया, लेकिन जर्मन क्लब अतिरिक्त समय तक मुकाबले को ले जाने के लिए जरूरी दूसरा गोल नहीं कर सका।

अब पीएसजी का सामना 30 मई को बुडापेस्ट में होने वाले फाइनल में प्रीमियर लीग की शीर्ष टीम आर्सेनल से होगा। एलियांज एरिना वही मैदान है, जहां पिछले साल पीएसजी ने इंटर मिलान को हराकर पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब जीता था।

फ्रेंच चैंपियन पीएसजी अब 1990 के बाद लगातार दो बार चैंपियंस लीग जीतने वाली दूसरी टीम बनने की कोशिश करेगा। इससे पहले यह उपलब्धि रियल मैड्रिड ने हासिल की थी।

मुकाबले के पहले हाफ में बायर्न म्यूनिख कई रेफरी फैसलों से नाराज नजर आया, लेकिन टीम लंबे समय तक साफ मौके बनाने में संघर्ष करती रही।

छह बार की यूरोपीय चैंपियन बायर्न म्यूनिख 2020 में लिस्बन में पीएसजी को हराकर खिताब जीतने के बाद से अब तक फाइनल में पहुंचने में नाकाम रही है।

मैच के तीसरे मिनट में ही पीएसजी ने कुल बढ़त दोगुनी कर दी, जब ख्विचा क्वारात्सखेलिया के पास पर डेम्बेले ने शानदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया।

दूसरे हाफ में मैनुएल नोयर ने ख्विचा क्वारात्सखेलिया और डेज़िरे डूए के शॉट्स को रोककर बायर्न की उम्मीदें जिंदा रखीं।

अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में हैरी केन ने टूर्नामेंट में अपना 14वां गोल दागा, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और पीएसजी ने फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल का निधन

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल का बुधवार को निधन हो गया। पूर्व अंडर-19 टीम में

शामिल रहे 36 साल के अमनप्रीत की अचानक हुई मौत से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गयी। मौत के कारणों का हालांकि अभी खुलासा नहीं हुआ है। इस क्रिकेटर ने पंजाब की ओर से छह प्रथम श्रेणी मैचों में 11 विकेट लिए थे। वह आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स इलेवन में भी शामिल रहे हैं। खेल से संन्यास के बाद वह पंजाब की सीनियर चयन समिति में सदस्य के तौर पर अपनी सेवाएं देने लगे। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने भी उनके निधन की जानकारी देते हुए लिखा कि, पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन पूर्व क्रिकेटर और सीनियर चयन समिति के सदस्य अमनप्रीत के दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। हमारी हार्दिक संवेदनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं। वाहेगुरु दिवंगत आत्मा को शांति और परिवार को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करे। वहीं आईपीएल टीम पंजाब किंग्स ने भी अमनप्रीत के निधन पर शोक जताया है। इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व आलराउंड युवराज सिंह ने भी अमनप्रीत के निधन पर दुख जताते हुए श्रद्धांजलि दी है। युवराज ने कहा अमनप्रीत सिंह के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। हमने शुरुआती दिनों में ड्रेसिंग रूम साझा किया था, वह एक शांत और मेहनती क्रिकेटर थे जिन्हें खेल से बहुत लगाव था। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। अमनप्रीत ने 2007 में भारत के लिए पांच यूथ वनडे और एक यूथ टेस्ट मैच खेला था. टेस्ट प्रारूप में उनके नाम एक विकेट है।

सैमसन ने सीएसके में आते ही अपने को साबित किया : गायकवाड़

नई दिल्ली। बल्लेबाज संजू सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। अब तक सीएसके को जीत मिली हैं। उसमें भी सैमसन की सबसे बड़ी भूमिका रही है। सैमसन को इसी साल सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये राजस्थान रायल्स ने खरीदा था और उसका ये दांव सफल रहा। सैमसन ने उसकी ओर से अब तक इस सत्र में दो शतक लगा दिया है। वहीं कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने नाबाद 87 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही पलेआफ की दौड़ में भी बनाये रखा है। इसी को देखते हुए टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी कहा है कि सैमसन ने आते ही कमाल कर दिया। अपने प्रदर्शन से वह टीम के सबसे भरोसमंद खिलाड़ी बन गये हैं। सैमसन ने तीसरी बार 80 से अधिक रन का स्कोर था, और एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जब भी उन्होंने 40 रन का आंकड़ा पार किया है, सीएसके ने जीत हासिल की है। संजू की ये फार्म 2026 टी20 विश्व कप के अंतिम चरणों से ही लगातार जारी है। गायकवाड़ ने सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा, विश्व कप से लेकर अभी जिस तरह का टूर्नामेंट संजू ने खेला है, उसके बाद टीम में उनका होना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। अब वह हमारी बल्लेबाजी की रीढ़ हैं। संजू के प्रदर्शन के कारण ही सीएसके 10 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। अब उसकी नजरें प्लेआफ की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए अगले दो बेहद महत्वपूर्ण मुकाबलों पर होगी।

रियान पराग को बिना कुछ किये ही मिल गई रायल्स की कप्तानी : मांजरेकर

मुम्बई। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने राजस्थान रायल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। मांजरेकर ने कहा है कि रियान को बिना कुछ किये ही कप्तानी मिल गयी। मांजरेकर ने कहा कि रियान को कप्तानी एक प्राकर से इनाम के तौर पर मिली है। रायल्स ने नियमित कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी दे दी थी। आईपीएल 2025 में भी रियान ने कुछ मैचों में कप्तानी की थी पर वह सफल नहीं रहे थे। पर आईपीएल इसे वर्तमान सत्र में उन्होंने टीम को 10 में से 6 मैच जिताकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी मांजरेकर के उनपर सवाल उठाने से सभी हैरान हैं। मांजरेकर ने पराग को लेकर कहा, वह आम भारतीय खिलाड़ियों में से एक नहीं है। वह फिट है, लेकिन मैं कहूंगा, इतने सालों में मैंने जिस तरह का प्रदर्शन देखा है, उसके बाद, यह कुछ ऐसा है जो मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि राजस्थान रायल्स ने उसे इतना अधिक समर्थन दिया है।

लगातार 6 मुकाबले हारकर आखिरकार लखनऊ को मिली जीत, रोमांचक मैच में बेंगलुरु को हराया

लखनऊः इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 50वां मैच इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया। इस मैच को लखनऊ सुपर जायंट्स ने डीएलएस मैथड के चलते 9 रन से अपन नाम कर लिया। बारिश के चलते मैच 19-19 ओवर का हो गया था। आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया था।

ऐसे में लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19 ओवर में 3 विकेट पर 209 रन बनाए। डीएलएस मैथड के चलते आरसीबी को 213 रन का टारगेट मिला है। बेंगलुरु 19 ओवर में 6 विकेट पर 203 रन ही बना पाई और मैच हार गई। बेंगलुरु की यह लगातार दूसरी हार है जबकि लखनऊ लगातार 6 मैच हारने के बाद पहला मैच जीती है। इस सीजन उनकी यह तीसरी जीत है। वे 6 पॉइंट्स के साथ अब भी पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे हैं। आरसीबी 13 अंक के साथ तीसरे पायदान पर है।

पाटीदार ने बनाए सबसे ज्यादा रन

बेंगलुरु के लिए उनके कप्तान रजत पाटीदार ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। उन्होंने 31 गेंद की पारी में 3 चौके और 6 छक्के लगाए। टिम डेविड ने 17 गेंद में 40 रन की तूफानी पारी खेली। देवदत्त पडिक्कल 34 रन बनाकर आउट हुए। क्रुणाल पंड्या 28 तो रोमारियो शेफर्ड 23 रन बनाकर नाबाद रहे।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। 2 विकेट शहबाज अहमद ने लिए। 1 विकेट मोहम्मद शमी ने लिया।

कुछ ऐसी रही लखनऊ की पारी

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एलएसजी की शुरुआत दमदार रही। मिचेल मार्श और अर्शिन कुलकर्णी की सलामी जोड़ी ने मिलकर पहले विकेट के लिए 56 गेंदों में 95 रन जोड़े। अर्शिन एक छोर संभालकर खड़े रहे, तो दूसरे छोर से मार्श ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। मैच के 9वें ओवर में तेज बारिश शुरू होने के कारण मुकाबला को रोकना पड़ा। मैच दोबारा शुरू हुआ, तो अर्शिन 24 गेंदों का सामना करने के बाद 17 रन बनाकर आउट हुए।

मिचेल मार्श ने ठोकी सेंचुरी

अर्शिन के बाद मार्श को निकोलस पूरन के रूप में एक और बढ़िया जोड़ीदार मिला। मार्श ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 49 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। 14वें ओवर का अंत होते ही फिर से बारिश ने मैच में खलल डाली और मुकाबला को रोकना पड़ा। बारिश के कारण समय बर्बाद होने की वजह से ओवरों में कटौती की गई और मुकाबले को 19-19 ओवर का कर दिया गया।

बारिश की वजह से दूसरी बार ब्रेक के बाद मार्श 56 गेंदों में 111 रन बनाकर जोश हेजलवुड का शिकार बने। अपनी शतकीय पारी में मार्श ने 9 चौके और 9 छक्के लगाए। पूरन ने 23 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 38 रन बनाए। वहीं, अंत के ओवरों में कप्तान ऋषभ पंत ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 10 गेंदों में 32 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि एडेन मार्करम एक रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में आरसीबी की ओर से जोश हेजलवुड और क्रुणाल पांड्या ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

पीसीबी अब व्यावसायिक साझेदारों से वसूली में लगी

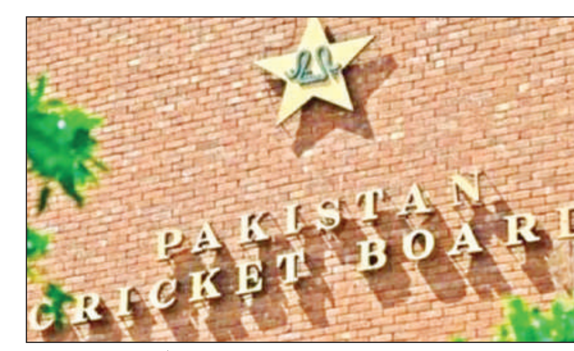

लाहौर

आर्थिक संकटों में फंसे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अब पीमियर लीग (पीएसएल) टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद अरबों रुपये की वसूली के लिए अभियान शुरु कर दिया है। पीसीबी को कई फ्रेंचाइजी, प्रसारण और व्यावसायिक साझेदारों से बकाया अरबों रुपये की राशि अब तक नहीं मिली है। जिसको देखते हुए बोर्ड अब कड़ा रुख अपनाना चाहता है। बोर्ड ने इन सभी पक्षों को कानूनी नोटिस जारी कर भुगतान न करने पर गंभीर कानूनी कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी है।

इस अभियान के तहत शुरुआत में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की कुछ ऐसी फ्रेंचाइजी को नोटिस भेजे गए थे, जिन्होंने अपनी वार्षिक फीस का भुगतान नहीं किया था। इन नोटिसों के बाद, संबंधित फ्रेंचाइजी ने अपनी बकाया राशि का भुगतान कर दिया है। हालांकि, भुगतान के साथ ही उन्होंने बोर्ड से यह भी मांग की है कि वह 2010 से लंबित फ्रेंचाइजी के केंद्रीय पूल से उनके हिस्से का बकाया चुकाए। वहीं कि एक फ्रेंचाइजी ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसकी वार्षिक फीस इसलिए अटकी हुई थी क्योंकि बोर्ड ने पीएसएल के 10वें सत्र के लिए केंद्रीय पूल से उसके पूरे हिस्से (लगभग 96 करोड़ पाकिस्तानी रुपये) का भुगतान अभी तक नहीं किया है। इस पर पीसीबी ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक अनुबंधित पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं करेंगे, तब तक बोर्ड बकाये का भुगतान कैसे कर सकता है। बोर्ड पर अब भी पीएसएल के 2025 के केंद्रीय पूल से कुछ फ्रेंचाइजी का 40 से 45 करोड़ रुपये बकाया है, जिसे अभी चुकाया जाना बाकी है। पीसीबी की सबसे बड़ा बकायेदार एक ऐसी कंपनी है जिसने बोर्ड से न केवल पीएसएल के लिए बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों के लिए भी प्रसारण, अन्य मीडिया और व्यावसायिक अधिकार हासिल किए थे। इस कंपनी पर लगभग 4.5 अरब पाकिस्तानी रुपये बकाया हैं, जिसका भुगतान उसने अभी तक नहीं किया है।

मैनचेस्टर सिटी ने 10 साल बाद जीता विमेंस फुटबॉल सुपर लीग का खिताब

ब्राइटन। मैनचेस्टर सिटी ने बुधवार को एक दशक बाद पहली बार विमेंस फुटबॉल सुपर लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। खिताब की दौड़ में बची आखिरी चुनौती देने वाली टीम आर्सेनल को ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया, जिसके बाद मैनचेस्टर सिटी चैंपियन बन गई। मैनचेस्टर सिटी ने 22 में से 21 मुकाबले खेलकर 52 अंक हासिल किए हैं। दूसरी ओर आर्सेनल को शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद बनाए रखने के लिए अपने बाकी बचे चारों मैच जीतने जरूरी थे, लेकिन ब्राइटन के खिलाफ ड्रॉ के बाद उसका सपना टूट गया और खिताब नॉर्थ लंदन के बजाय नॉर्थ-वेस्ट पहुंच गया। पिछले सप्ताह ओएल लियोनेस के खिलाफ हारकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल से बाहर होने वाली आर्सेनल टीम पर इस मुकाबले में दबाव साफ नजर आया। मैच के पहले हाफ के अंत से ठीक पहले फुका सुनोडा ने गोल कर ब्राइटन को बढ़त दिला दी।

सबालेंका बोली, खिलाड़ियों की मांगे नहीं मानी तो टूर्नामेंटों का बहिष्कार तक करेंगे

रोम

विश्व भर के स्टार टेनिस खिलाड़ी अब टूर्नामेंटों में राशि बढ़ाये जाने की मांग पर अड़ गये हैं। इन खिलाड़ियों ने आगाह किया है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का बहिष्कार करने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। बेलारुस की महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में बड़ी पुरस्कार राशि पाना खिलाड़ियों का अधिकार है और अगर ये नहीं मिलती है तो इसके लिए आंदोलन तक किया जाएगा। इटैलियन ओपन के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार तक कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बिना कोई टूर्नामेंट या मनोरंजन संभव नहीं है, और इसलिए वे निश्चित रूप से अधिक राशि के अधिकारी हैं।

सबालेंका ने यह भी कहा कि किसी समय हम बहिष्कार भी करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने लड़कियों की एकजुटता पर भरोसा जताया, यह कहते

हुए कि हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों के साथ कुछ चीजें बहुत गलत हैं और यह स्थिति अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचने वाली है। गौरततब है कि पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम आयोजकों को दो पत्र भेजे थे, जिसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास के बाद और मातृत्व के अवसर पर बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान की मांग की गई थी। इन पत्रों में टूर्नामेंट के राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जो मेजर टूर्नामेंट को एटीपी मेन्स टूर और डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-स्तरीय आयोजनों के बराबर लाता है। हालांकि, महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने बहिष्कार के फैसले का सही नहीं बताया। स्वियाटेक ने कहा, सबसे जरूरी बात गवर्निंग बाडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है।

हाकी इंडिया ने आस्ट्रेलिया सीरीज़ के लिए अंडर-18 पुरुष और महिला टीमों की घोषणा की

केतन कुशवाहा और स्वीटी कुजूर संभालेंगे कप्तानी, भोपाल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाएगी चार मैचों की सीरीज़

भोपाल

हाकी इंडिया ने गुरुवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अंडर-18 सीरीज़ के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की 24 सदस्यीय टीमों की घोषणा कर दी। यह सीरीज़ 15 से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) साई सेंट्रल सेंटर में खेली जाएगी।

चार मैचों की यह सीरीज़ 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान के काकामिगहारा में आयोजित होने वाले पुरुष और महिला अंडर-18 एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान

42 खिलाड़ियों के प्रारंभिक समूह में से फिटनेस और सामरिक अनुकूलन क्षमता के आधार पर अंतिम 24 खिलाड़ियों का चयन किया गया।

भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम की कप्तानी फारवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा को सौंपी गई है, जबकि महिला टीम की कमान स्वीटी कुजूर संभालेंगी।

पुरुष टीम को पूर्व भारतीय हाकी खिलाड़ी सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा प्रशिक्षण दे रहे हैं। आगामी मुकाबलों को लेकर सरदार सिंह ने कहा, शिविर में एक उपयोगी सप्ताह बिताने के बाद हमने उन 24 खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार मानते हैं। आस्ट्रेलिया के खिलाफ ये मुकाबले सिर्फ अभ्यास मैच नहीं हैं, बल्कि खिलाड़ियों के मानसिक संतुलन और सामरिक अनुशासन की बड़ी परीक्षा भी हैं। केतन मैदान पर स्वाभाविक नेता हैं और मैं देखना चाहता हूं कि यह टीम आस्ट्रेलियाई शैली के दबाव और गति का सामना कैसे करती है।

महिला टीम पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है। टीम चयन पर रानी ने कहा, हमने टीम को घटाकर 24 खिलाड़ियों तक सीमित किया है, जिन्होंने शिविर के दौरान सबसे अधिक निरंतरता और विकास दिखाया। स्वीटी के पास इस युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए जरूरी अनुभव और दृष्टि है। भोपाल में आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ चार मैच खेलने से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का स्पष्ट आकलन मिलेगा। एशिया कप से पहले यह सीरीज़ टीम के लिए अंतिम बड़ी तैयारी है।

भारतीय अंडर-18 पुरुष टीमः गोलकीपरः सावन कुमार, आयुष रजक, विशाल बाड़ा

डिफेंडरः अंश बहुत्रा, आशीष तानी पूर्ति, अरमान सोरेंग, दीपकप्रकाश टोप्पो, करण गौतम, करण धनुक

मिडफील्डरः प्रेमचंद सोय, राहुल यादव, वरिंदर सिंह, रोमित पाल, अर्जनदीप सिंह, गुरसिमरनप्रीत सिंह, अर्शदीप सिंह, अवि मानिकपुरी

फारवर्डः आकाश दीप, केतन कुशवाहा (कप्तान), शाहरुख अली, गाज़ी खान, प्रहलाद राजभर, सिद्धार्थ बेन, जैसन कंदुलना

भारतीय अंडर-18 महिला टीमः गोलकीपरः महक परिहार, हैरी, खिली कुमारी

डिफेंडरः सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रूबीना बक्सला, किरण एक्का, दिव्या यादव, सुलोचनी

मिडफील्डरः श्रुति कुमारी, दिया, हर्षिता, रश्मीन कौर, लामिंगनबी अकोइजाम, नैन्सी सरोहा, टोंगब्रैम लांचेनबी देवी, स्नेहा दावड़े

फारवर्डः नौशीन नाज़, स्वीटी कुजूर (कप्तान), प्रियंका मिंज, संदीपा कुमारी, नम्मी गीताश्री, प्रिंसेस प्रिया एक्का, पुष्पा मांझी।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुकेश अंबानी का मेगा प्लान : सीधा आसमान से चलेगा इंटरनेट

एलन मस्क की स्टारलिंक को टक्कर देने की तैयारी

मुंबई

भारतीय इंटरनेट क्षेत्र को पूरी तरह बदलने की तैयारी हो चुकी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज एक ऐसी परियोजना पर काम कर रही है जो मौजूदा इकोसिस्टम को नया रूप देगी। कंपनी अरबों डालर का निवेश करके लो अर्थ आर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट्स लांच करने की योजना बना रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत का अपना सैटेलाइट-आधारित इंटरनेट नेटवर्क तैयार करना है।

यह कदम न सिर्फ तकनीकी रूप से बड़ा है, बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहद अहम है, क्योंकि इससे भारत को विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करने या समाप्त करने में मदद मिल सकती है।

लिओ सैटेलाइट्स की खासियत यह है कि ये पृथ्वी के अपेक्षाकृत करीब, लगभग 500 से 2000 किलोमीटर की ऊंचाई पर घूमते हैं। इस वजह से इनके जरिए मिलने वाला इंटरनेट पारंपरिक सैटेलाइट्स की तुलना में काफी तेज़ और स्थिर होता है, जिसमें लेटेंसी भी कम होती है। इसकारण दुनियाभर की बड़ी टेक कंपनियां अब इसी तकनीक पर दांव लगा रही हैं।

भारत जैसे विशाल देश में, जहां अभी भी कई दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है, वहां यह तकनीक गेम-चेंजर साबित हो सकती है। रिलायंस इसी मौके को भुनाने की तैयारी में है, ताकि गांवों, पहाड़ों और उन क्षेत्रों तक भी हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाया जा सके, जहां आज तक नेटवर्क की दिक्कत बनी हुई है।

रिलायंस की रणनीति सिर्फ सैटेलाइट्स लांच करने तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनी एक पूरा एंड-टू-एंड इकोसिस्टम बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसमें सैटेलाइट्स के साथ-साथ ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेक्ट्रम प्रबंधन और यूज़र टर्मिनल्स तक को शामिल किया जाएगा।

यानी कंपनी चाहती है कि अंतरिक्ष से लेकर यूजर्स के घर तक, इंटरनेट की पूरी श्रृंखला उसके नियंत्रण में रहे। इसमें जियो प्लेटफार्म्स की मौजूदा ताकत रिलायंस के लिए सबसे बड़ा टूल बन सकती है, क्योंकि जियो पहले ही देशभर में सस्ते डेटा और बड़े नेटवर्क के साथ करोड़ों यूजर्स तक पहुंच चुका है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे खास पहलू यह है कि मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस का सीधा मुकाबला एलन मस्क की स्टारलिंक से हो सकता है, जो पहले से ही दुनिया भर में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा दे रही है। स्टारलिंक के पास हजारों सैटेलाइट्स का नेटवर्क है और वह दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट पहुंचाने के लिए जाना जाता है। हालांकि, भारत में उसकी एंट्री अभी नियामक अनुमतियों के चलते अटकी हुई है, जिससे रिलायंस को घरेलू स्तर पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिल सकती है।

न्यूज ब्रीफ

नई हुंडई क्रेटा लांच होगी साल 2027 में

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में हुंडई क्रेटा की नई जनरेशन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हुंडई कंपनी 2027 में इस एसयूवी का नया माडल लान्च करने की तैयारी कर रही है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार यह मौजूदा क्रेटा से कहीं अधिक प्रीमियम, एडवांस और फीचर लोडेड होगी। बताया जा रहा है कि इसे नए के3 प्लेटफार्म पर तैयार किया जाएगा, जिससे इसका आकार पहले से बड़ा और सड़क पर इसकी उपस्थिति ज्यादा दमदार दिखाई देगी। नई क्रेटा के डिजाइन में भविष्यवादी स्पर्श देखने को मिल सकता है, जिसमें कंपनी की आयोनिक रेंज से प्रेरित पिक्सेल एलईडी डीआरएल, एक नया ग्रिल, क्लैमशेल बोनट और स्पोर्टी बाडी एलिमेंट्स दिए जा सकते हैं। इसके अलावा, फ्लश डोर हैंडल, बड़े ओआरवीएम, 19 इंच के अलाय व्हील और चौड़े व्हील आर्च इसे और भी आकर्षक बनाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके केबिन में ड्यूल 12.3 इंच स्क्रीन सेटअप या 30 इंच का ट्रिनिटी डिस्प्ले मिल सकता है। साथ ही, डिजिटल की, 360 डिग्री कैमरा, पावर सीट्स, वेंटिलेटेड सीट्स और पैनोरमिक सनरूफ जैसे कई आधुनिक फीचर्स भी इसमें शामिल किए जा सकते हैं। इंजन विकल्पों में मौजूदा 1.5 लीटर पेट्रोल, टर्बो पेट्रोल और डीजल इंजन जारी रहने की संभावना है, और कंपनी सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड तकनीक पर भी काम कर रही है। माना जा रहा है कि नई क्रेटा दिवाली 2026 या 2027 की शुरुआत में बाजार में दस्तक दे सकती है। सुरक्षा के लिए इसमें लेवल-2 एडीएएस, मल्टीपल एयरबैग्स और आटो डिमिंग आईआरवीएम जैसे फीचर्स भी होंगे।

बजाज आटो की कुल बिक्री 5,13,792 यूनिट्स तक पहुंची

नई दिल्ली। अप्रैल 2026 में बजाज आटो ने बेहद शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है। इस दौरान कंपनी की कुल बिक्री 5,13,792 यूनिट्स तक पहुँच गई। यह बिक्री पिछले साल की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है। इस जबरदस्त बढ़ोतरी में सबसे बड़ा योगदान निर्यात बाजार का रहा, जिसने 83 प्रतिशत की अविश्वसनीय वृद्धि दर्ज की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल 2026 में कंपनी ने कुल 4,39,953 टू-व्हीलर बेचे, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,17,937 यूनिट्स था। घरेलू बाजार में भी कंपनी की बिक्री स्थिर रूप से बढ़ी और टू-व्हीलर बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 2,10,063 यूनिट्स हो गई। हालांकि, सबसे अधिक चर्चा कंपनी के निर्यात कारोबार को लेकर हो रही है। बजाज आटो ने अप्रैल में 2,65,582 यूनिट्स का एक्सपोर्ट किया, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 1,45,195 यूनिट्स था, जो टू-व्हीलर निर्यात में 78 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे बाजारों में कंपनी की मजबूत पकड़ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी कंपनी ने 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जिसमें बिक्री 47,873 यूनिट्स से बढ़कर 73,839 यूनिट्स हो गई। कंपनी के आरई और मैक्सिमा प्लेटफार्म को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी मांग मिल रही है, वहीं बजाज पल्सर और इलेक्ट्रिक स्कूटर बजाज चेतक भी लगातार लोकप्रिय बने हुए हैं।

कई नई इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में देंगी दस्तक

नई दिल्ली। आगामी महीनों में कई नई इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में दस्तक देने वाली हैं, जिससे ग्राहकों के पास विकल्पों की भरमार होगी। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। देश की बड़ी आटो कंपनियां अलग-अलग बजट और फीचर्स वाली नई ईवी लान्च करने की तैयारी में हैं। टोयोटा अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी टोयोटा अर्बन क्रूजर इबेला को लान्च कर सकती है, जिसमें 49 किलोवाट और 61 किलोवाट बैटरी पैक मिलने की उम्मीद है। यह कार एक बार चार्ज होने पर 440 से 543 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है और इसकी संभावित कीमत 18 से 25 लाख रुपये बताई जा रही है। वहीं, टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा सिएरा ईवी और टाटा सफारी ईवी को इलेक्ट्रिक अवतार में पेश करने जा रही है, जिसमें सफारी ईवी कंपनी की पहली सात सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी हो सकती है। इसके अलावा, टाटा टियागो ईवी का फेसलिफ्ट माडल भी लान्च होने वाला है। किआ भी अपनी काम्पेक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी किआ सायरोस ईवी के जरिए बजट सेगमेंट में एंट्री करेगी। वियतनाम की कंपनी विनफास्ट भी भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कारें विनफास्ट वीएफ3, विनफास्ट वीएफ5 और विनफास्ट लीमो ग्रीन लान्च करने की तैयारी में है। वहीं, बीवाईडी अपनी नई इलेक्ट्रिक कार बीवाईडी अट्टो 2 के जरिए प्रीमियम सेगमेंट में चुनौती पेश करेगी।

सऊदी अरब ने घटाए कच्चे तेल के दाम, भारत के लिए बड़ी राहत

नई दिल्ली

भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर आ रही है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता के माहौल के बीच, सऊदी अरब ने एशिया को बिकने वाले अपने कच्चे तेल की कीमतों में कटौती करने का फैसला किया है। इस कदम से भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों को काफी फायदा होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरामको ने जून महीने के लिए एशिया में बिकने वाले अपने प्रमुख कच्चे तेल अरब लाइट की कीमत 19.50 डालर प्रति बैरल से घटाकर 15.50 डालर प्रति बैरल तय की है। यह कटौती पिछले महीने के रिकार्ड स्तर की तुलना में की गई है, हालांकि यह अब भी दूसरा सबसे उच्च रिकार्ड प्रीमियम बना हुआ है। पिछले महीने ही एक सर्वे में एशिया के लिए सऊदी अरब द्वारा तेल के दामों में कमी करने का अनुमान लगाया गया था। यह फैसला तब आया है जब यूएस और ईरान के बीच चल रही जंग पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में बयान दिया है कि ईरान के साथ डील जल्द फाइनल होगी, लेकिन स्ट्रेट आफ हार्मुज पर नाकाबंदी जारी रहेगी। कीमतों में कमी का यह रुझान केवल एशिया तक ही सीमित कंपनी ने नार्थवेस्ट यूरोप के लिए अरब लाइट तेल की कीमत भी आईसीई ब्रेंट के मुकाबले 2 डालर प्रति बैरल कम कर दी है, जबकि नार्थ अमेरिका के ग्राहकों के लिए कीमतें अपरिवर्तित रखी गई हैं।

इसी बीच, ओपेक प्लस के सात सदस्य देशों ने जून में तेल उत्पादन में 1.88 लाख बैरल प्रतिदिन की वृद्धि करने का फैसला किया है, जो लगातार तीसरी मासिक वृद्धि है। यह निर्णय यूएई द्वारा ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर होने की घोषणा के बाद आया है, जबकि ईरान युद्ध के कारण पहले से ही वैश्विक ऊर्जा बाजार और अर्थव्यवस्था पर दबाव बना हुआ है। गौरतलब है कि अप्रैल के महीने में ही सऊदी अरब ने एशियाई देशों के लिए अपने कच्चे तेल अरब लाइट की कीमत में बड़ी बढ़ोतरी की थी, जिससे इसका प्रीमियम रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया था। मई महीने के लिए यह कीमत बेंचमार्क से 19.50 डालर प्रति बैरल ज्यादा रखी गई थी, लेकिन अब इसमें नरमी देखी जा रही है और ब्रेंट क्रूड का रेट 108 डालर प्रति बैरल पर आ गया है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत को व्यापक भंडारण नीति की दरकार

नई दिल्ली। भारत को ऊर्जा आपूर्ति के झटकों से निपटने के लिए एक व्यापक भंडारण नीति बनाने की सलाह दी गई है। इसकी जरूरत ऊर्जा आयात पर देश की भारी निर्भरता और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से रेखांकित हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में बैटरी भंडारण 2 गीगावाट से कम है। वहीं एलपीजी का लगभग 22 दिनों का, विमान ईंधन (एटीएफ) का 60 दिनों का और कच्चे तेल का 74 दिनों का स्टाक है। हालांकि, प्राकृतिक गैस के लिए कोई रणनीतिक भंडार नहीं है। पश्चिम एशिया की अस्थिरता ने भारत की ऊर्जा आयात निर्भरता उजागर की है। देश को औद्योगिक उपयोगकर्ताओं के लिए बैटरी ऊर्जा और उत्पाद-स्तरीय भंडारण हेतु सहायक नीतियों की आवश्यकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की इन देशों से निकटता और बुनियादी ढांचे के कारण निर्भरता बहुत अधिक है। वैकल्पिक स्रोत कुछ झटके कम कर सकते हैं, पर आर्थिक व लाजिस्टिकल दक्षता के चलते वे खाड़ी आपूर्तिकर्ताओं की जगह नहीं ले सकते।

सऊदी अरब द्वारा कच्चे तेल की कीमतों में की गई इस कटौती से भारत को सबसे अधिक फायदा मिलने की उम्मीद है। भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85-90 प्रतिशत आयात करता है, इसके बाद वैश्विक कीमतों में कमी आने से देश का आयात बिल काफी कम हो जाएगा। इससे राजकोषीय घाटे पर पड़ने वाला दबाव भी कम होगा। तेल की कीमतों में कमी का सीधा असर माल ढुलाई लागत पर भी पड़ेगा, जिससे फल, सब्जियां और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम घट सकते हैं। अंततः, यह आम लोगों पर महंगाई के बोझ को कम करने में मदद करेगा, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

भारत में जीसीसी का दबदबा बढ़ा, राजस्व रिकार्ड 98 अरब डालर के पार

2,100 से अधिक केंद्र बने, दो साल में राजस्व में 50 फीसदी से अधिक का उछाल

नई दिल्ली

भारत के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने प्रौद्योगिकी उद्योग में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। नैसकाम और जिनोव की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष के अंत तक इन केंद्रों का अनुमानित राजस्व रिकार्ड 98.4 अरब डालर तक पहुंच गया है, जो दो साल पहले के 65 अरब डालर से 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि है। यह उल्लेखनीय उछाल देश के प्रौद्योगिकी परिदृश्य में जीसीसी की बढ़ती रणनीतिक भूमिका और मूल्य-संचालित नवाचार की ओर उनके बदलाव को दर्शाता है।

देश में जीसीसी की संख्या भी 2,000 को पार कर 2,117 तक पहुंच गई है, जो एक साल पहले लगभग 1,760 थी। इनमें से 583 केंद्र प्रति वर्ष 10 करोड़ डालर से 1 अरब डालर का राजस्व उत्पन्न करते हैं, जबकि 423 केंद्र 10 करोड़ डालर से कम कमाते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जीसीसी का यह तीव्र विकास मूल्य-संचालित केंद्रों में बदलाव, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) उत्कृष्टता केंद्रों की बढ़ती संख्या, उच्च कुशल कार्यबल और विश्वविद्यालयों के साथ कौशल-विकास सहयोग जैसे प्रमुख कारकों पर आधारित है।

नैसकाम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने इस बदलाव पर जोर देते हुए कहा कि एआई एक उत्प्रेरक के रूप में काम कर रहा है और भारत वैश्विक उत्पादों व प्लेटफार्मों के लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। लगभग 75 फीसदी भारतीय जीसीसी में अगले पांच वर्षों में परिवर्तनकारी हब बनने की क्षमता है, जिसके लिए जटिल कार्यों की ओर बढ़ना, एआई-सक्षम कार्यबल तैयार करना और व्यावसायिक परिणामों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक होगा। ये केंद्र करीब 23.6 लाख लोगों को रोजगार देते हैं, जिनमें बेंगलुरु (34 फीसदी) और हैदराबाद (14 फीसदी) प्रमुख रोजगार केंद्र हैं, जिसके बाद चेन्नई और पुणे का स्थान आता है।

मीशो के घाटे में 88 फीसदी गिरावट, राजस्व में तेजी

नई दिल्ली। ई-कामर्स कंपनी मीशो ने अपनी वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखाते हुए मार्च तिमाही में घाटे को 88 फीसदी तक कम कर दिया है। यह घटकर 166.3 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि के 1,391.4 करोड़ रुपये से कहीं बेहतर है। इस तिमाही में परिचालन राजस्व में भी 47.14 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो 3,531.21 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष 2024 (पिछले वित्त वर्ष) में भी अपने घाटे को 66 फीसदी तक कम करके 1,357.7 करोड़ रुपये पर ला दिया, जो एक साल पहले 3,941.7 करोड़ रुपये था। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय ई-कामर्स बाजार में विकास की अपार संभावनाएं हैं। उनका मानना है कि भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं का केवल 30 फीसदी ही आनलाइन खरीदारी करता है, जबकि अन्य उभरते बाजारों में यह आंकड़ा 80 फीसदी से अधिक है। आत्रे ने जोर दिया कि भारत में अभी भी एक ऐसा ई-कामर्स प्लेटफार्म बनाने की आवश्यकता है जो भारतीय उपभोक्ताओं की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करे।

महिंद्रा ने बनाई बड़ी रणनीति, आपूर्ति श्रृंखला को बनाया झटका-मुक्त

चुनौतियों से निपटने जोखिम विश्लेषण और बहु-स्तरीय सुधार रणनीति अपनाई

नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) समूह वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के मौजूदा दौर में अपनी आपूर्ति श्रृंखला को और अधिक मजबूत तथा लचीला बनाने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है। समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने हाल की वैश्विक बाधाओं से सीखे गए सबक के आधार पर भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर जोखिम विश्लेषण और बहु-स्तरीय सुधार रणनीति अपनाई है। यह कवायद चक्रीय समाधानों के बजाय वाहन कारोबार में संरचनात्मक मजबूती लाने का व्यापक प्रयास है।

अधिकारी ने 1,00,600 करोड़ रुपये की खरीद, 1,00,000 पुर्जों और 40 कमोडिटी पर किए गए विस्तृत जोखिम-विश्लेषण का विवरण दिया। इस विश्लेषण में 82 पुर्जा-समूहों और 9 कमोडिटी को भू-राजनीतिक, कच्चे माल, एकल-आपूर्तिकर्ता, लाजिस्टिक और नियामकीय पहलुओं के कारण उच्च जोखिम वाला पाया गया है। कंपनी ने परिचालन, सोर्सिंग और डिजाइन तक विस्तृत बहु-स्तरीय सुधार वाली रणनीति अपनाई है।

इसमें स्टाक बढ़ाना, वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं का स्थानीयकरण, डिजाइन में कमी लाना और एक सक्रिय इंटेलिजेंस डेस्क बनाना शामिल है ताकि किसी भी घटना पर तेजी से प्रतिक्रिया दी जा सके। शाह ने कहा कि इन उपायों ने सेमीकंडक्टर से लेकर दुर्लभ खनिज और मेमोरी चिप तक की पिछली बाधाओं से निपटने में कंपनी की मदद की है। एमएंडएम के निवेशक प्रस्तुतीकरण में जोखिम मुक्त आपूर्ति श्रृंखला और कमोडिटी प्रतिरक्षा कार्यक्रम को प्रमुख व्यावसायिक कार्यों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जो दर्शाता है कि ये उपाय अस्थायी प्रतिक्रियाओं के बजाय स्थायी परिचालन रणनीति का हिस्सा हैं।

वैश्विक महामारी, सेमीकंडक्टर की कमी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी घटनाओं ने पिछले कुछ वर्षों में आपूर्ति श्रृंखलाओं को गंभीर रूप से बाधित किया है, जिससे विनिर्माताओं को आपूर्ति और जोखिम प्रबंधन के बारे में नए सिरे से सोचने पर मजबूर होना पड़ा है। महिंद्रा का यह कदम इन्हीं अनुभवों का परिणाम है।

एपल का भारत में बड़ा ग्रीन निवेश, रिन्यूएबल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए लगाएगी 100 करोड़ रुपये

नई दिल्ली

अमेरिकी टेक दिग्गज और आईफोन निर्माता कंपनी एपल ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक अहम रणनीतिक कदम उठाया है। अपने व्यापक स्थिरता और कार्बन तटस्थता लक्ष्यों को तेजी से पूरा करने के लिए, कंपनी ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की आधिकारिक घोषणा की है। यह निवेश भारत में पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन सप्लाई चेन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

क्लीनमैक्स के साथ 150 एमडब्लू क्षमता का निर्माण – एपल ने यह महत्वपूर्ण निवेश भारत की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर कंपनियों में से एक क्लीनमैक्स के साथ मिलकर करने का फैसला किया है। इस साझेदारी के तहत देशभर में 150 मेगावाट से अधिक की नई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का निर्माण किया जाएगा। इस नई ऊर्जा क्षमता के प्रभाव का आकलन करते हुए एपल ने बताया कि यह उत्पादित ऊर्जा सालाना लगभग 1.5 लाख भारतीय घरों को बिजली देने के लिए पर्याप्त होगी। कंपनी का विजन यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में इस क्षमता को और अधिक बढ़ाने की भी योजना है।

लक्ष्य और रणनीतिक फोकस – 2030 कार्बन न्यूट्रल लक्ष्य: इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य भारत में एपल के आपूर्ति शृंखला संचालन में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना है। इसके जरिए कंपनी साल 2030 तक अपने पूरे वैश्विक पदचिह्न को 100 फीसदी कार्बन न्यूट्रल बनाने के लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रही है। पहले भी हुई थी साझेदारी: यह पहली बार नहीं है जब एपल ने ग्रीन एनर्जी के लिए कदम उठाया है। इससे पहले भी, अमेरिका स्थित इस कंपनी ने भारत में अपने कार्यालयों और रिटेल स्टोर्स को 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए रूफटाप सोलर प्रोजेक्ट्स पर क्लीनमैक्स के साथ साझेदारी की थी।

पर्यावरण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता – इस निवेश पर प्रतिक्रिया देते हुए, एपल की पर्यावरण और आपूर्ति शृंखला नवाचार उपाध्यक्ष, सारा चांडलर ने कहा, एपल में पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह पूरी कंपनी और दुनिया भर में नवाचार के लिए एक प्रेरक शक्ति भी है। उन्होंने जोर देकर कहा, हम भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में निवेश करने और देश के बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के अपने प्रयासों का विस्तार करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

प्लास्टिक प्रदूषण और हरित उद्यमिता पर जोर – ऊर्जा बुनियादी ढांचे में सीधे निवेश के अलावा, एपल ने भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और हरित उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित नई साझेदारियों का भी ऐलान किया है।

डब्लूडब्लूएफ -इंडिया के साथ करार: एपल ने पारिस्थितिक तंत्र में प्लास्टिक के रिसाव को रोकने और सामग्री पुनर्प्राप्ति में सुधार के लिए डब्लूडब्लूएफ -इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत रिसाइकलिंग और अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में काम किया जाएगा।

एक्यूमेन को समर्थन: शुरुआती दौर के ग्रीन एंटरप्राइजेज को आगे बढ़ाने के लिए एपल ने एक्यूमेन के साथ भी साझेदारी की है। इसके जरिए अपशिष्ट प्रबंधन, पुनर्योजी कृषि और सर्कुलर इकानमी साल्यूशंस जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले छोटे और नए उद्यमियों को अनुदान और मेंटरशिप सपोर्ट प्रदान किया जाएगा।

एपल द्वारा किया गया यह 100 करोड़ रुपये का निवेश और कई रणनीतिक साझेदारियां इस बात का प्रमाण हैं कि ग्लोबल कंपनियां अब भारत को न केवल एक बड़े बाजार के रूप में देख रही हैं, बल्कि देश की क्लीन एनर्जी और सस्टेनेबिलिटी जर्नी में भी महत्वपूर्ण हिस्सेदार बन रही हैं। पर्यावरण सुरक्षा और हरित उद्यमिता की यह पहल भारतीय आपूर्ति शृंखला को एक नए ग्रीन हारिजन की ओर ले जाएगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 08 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

150वीं जयंती पर सरदार पटेल एकात्मा महासम्मेलन 31 को

राष्ट्रीय एकात्मता एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत के संदेश के साथ होगा भव्य आयोजन

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत भारती संस्था द्वारा आगामी रविवार, 31 मई 2026 को भारतरत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सरदार पटेल एकात्मा महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक हैदराबाद के एक्ज़िमिशन मैदान में आयोजित होगा।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय पत्राले ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल को आयरन मैन ऑफ इंडिया के नाम से जाना जाता है।

उनकी 150वीं जयंती के अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत, सशक्त भारत के संकल्प के साथ इस महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय एकात्मता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ऑपरेशन पोलो से हैदराबाद का विशेष संबंध

विनय पत्राले ने कहा कि सरदार पटेल भारत के महान राष्ट्रनिर्माताओं में से एक थे। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का सरदार पटेल के जीवन और कार्यों से विशेष संबंध रहा है, क्योंकि ऑपरेशन पोलो के माध्यम से ही हैदराबाद स्वतंत्र भारत का हिस्सा बन पाया था।

उन्होंने कहा कि भारत को एक सूत्र में बांधने में सरदार पटेल का योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इस पहल के माध्यम से संस्था का उद्देश्य सरदार पटेल को वह सम्मान, व्यापकता और राष्ट्रीय भावना प्रदान करना है जिसके वे वास्तविक रूप से अधिकारी हैं।

प्रचार सामग्री का हुआ विमोचन

आगामी कार्यक्रम के संदर्भ में प्रचार सामग्री का विमोचन विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के मंत्री डॉ. रविनितुला शशीधर, आले भास्कर राज, संजय घनाटे, प्रीतम, नागेश एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

वहीं गुजरात के सूरत में कार्यक्रम प्रचार-प्रसार समिति के चेयरमैन जसमत पटेल ने विख्यात उद्योगपति लालजीभाई बादशाह, किरण हॉस्पिटल के चेयरमैन पद्मश्री मथुर सवानी, सवानी ग्रुप के चेयरमैन महेश पी. सवानी, राज्यसभा सांसद गोविंदभाई ढोलकिया, सूरत जिलाधीश डॉ. सौरभ परधी (आईएएस), सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज सूरत के अध्यक्ष कानजीभाई भालाडा, भावीनभाई नवापरा, मनीष कापड़िया, गणपत धामेलिया, गिरीश विराणी तथा गौ सम्मान आह्वान अभियान की राष्ट्रीय प्रचारिका साध्वी कपीला सरस्वती सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों से भेंट कर कार्यक्रम में पधारने का निमंत्रण दिया।

150 लघु भारत शहरों में मनाई जाएगी जयंती

जसमत पटेल ने कहा कि भारत भारती संस्था पिछले 21 वर्षों से राष्ट्रीय एकात्मता के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए एक भारत श्रेष्ठ भारत के मंत्र से प्रेरणा लेते हुए संस्था ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्मजयंती देश के 150 लघु भारत शहरों में मनाने का संकल्प लिया है।उन्होंने कहा कि हैदराबाद एक लघु भारत के रूप में जाना जाता है, जहां देश के विभिन्न राज्यों के लोग आकर बसे हैं। यहां विविध भाषा-भाषी समाज एक साथ मिलकर तेलंगाना दिवस एवं सरदार पटेल की 150वीं जयंती को भव्य स्वरूप में मनाएंगे।

देशभर से आएंगे गणमान्य अतिथि

कार्यक्रम में देशभर से अनेक विशिष्ट अतिथि एवं महानुभाव भाग लेकर राष्ट्रीय एकात्मता एवं सामाजिक समरसता के विषय पर जनसमुदाय को संबोधित करेंगे। आयोजकों ने सभी नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

दुश्मन के घर में घुसकर जवाब देना भारतीय सेना की पहचान : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर भव्य एवं दिव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सेना के शौर्य, साहस और राष्ट्रभक्ति को नमन करते हुए वीर जवानों के सम्मान में विशेष रूप से सेवा कार्य किए गए।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने हमेशा यह साबित किया है कि देश की सुरक्षा के लिए वह किसी भी हद तक जा सकती है। दुश्मन के घर में घुसकर उसे करारा जवाब देना भारतीय सेना की पहचान बन चुकी है। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। हमारे वीर जवानों का त्याग और बलिदान हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने कहा कि देश के सैनिक कठिन परिस्थितियों में भी सीमा पर डटे रहकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं, जिसके कारण देशवासी सुरक्षित जीवन जी पाते हैं। ऐसे वीर जवानों के सम्मान में आयोजित यह अन्नदान कार्यक्रम केवल सेवा नहीं बल्कि राष्ट्रभक्ति की भावना का भी प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने और सेना के साहस से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ भोजन वितरित किया गया। उपस्थित लोगों ने भारतीय सेना के पराक्रम को याद करते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष लगाए। पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा, अर्चना शास्त्री, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मोहित अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल एवं महेश गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार, राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह जी, दिल्ली अध्यक्ष मनोज सिंह जी तथा राजपूताना करनी सेना के दिल्ली अध्यक्ष ठाकुर जयभगवान रावल हैदराबाद पहुंचे। उनके साथ अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष श्री दलवीर सिंह चौहान तथा अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा (नासिक) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र चौहान भी उपस्थित रहे।

सभी वरिष्ठ पदाधिकारी हैदराबाद में ठाकुर गजेन्द्र सिंह जी की पुत्री के विवाह समारोह में भाग लेने के लिए विशेष रूप से पहुंचे। इस अवसर पर राजपूत समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

हैदराबाद पहुंचने पर समाज के वरिष्ठ अतिथियों का भव्य एवं पारंपरिक स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में ठाकुर महेंद्र सिंह, ठाकुर अर्जुन सिंह, ठाकुर राजन सिंह, ठाकुर विपिन राज सिंह, विश्वजीत सिंह राजपूत, ठाकुर मनोज सिंह तथा ठाकुर राज सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।अतिथियों के स्वागत के दौरान सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती तथा राजपूत समाज के उत्थान को लेकर भी चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने समाज में एकजुटता बनाए रखने एवं युवा पीढ़ी को संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने पर बल दिया। विवाह समारोह के दौरान उपस्थित समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि ऐसे पारिवारिक एवं सामाजिक आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं।

राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति से समाज के लोगों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। समारोह सौहार्द, भाईचारे एवं राजपूत समाज की पारंपरिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ।

दिनेश्वर धाम शांतिनाथ जैन मंदिर में सम्पन्न हुआ शक्रस्तव अभिषेक

भगवान शांतिनाथ के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक महोत्सव की तैयारियां शुरू

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
काचीगुड़ा स्थित ज़ीनेश्वर धाम शांतिनाथ जैन मंदिर में पूज्य साध्वीजी श्री तत्वदर्शना श्रीजी आदि ठाणा-4 की निश्रा में भगवान शांतिनाथजी के ऊपर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ शक्रस्तव अभिषेक सम्पन्न किए गए।

इस पावन अवसर पर शक्रस्तव अभिषेक के लाभार्थी परिवार श्री सिद्धार्थजी गिफ्ट वाले रहे, जिन्होंने धर्म लाभ प्राप्त किया। मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथजी की पूजा-अर्चना कर मंगलकामनाएं कीं।

कार्यक्रम में गुण गुलाब महिला मंडल की सभी सदस्याओं की विशेष उपस्थिति रही। इसके अलावा जसराज देवड़ा धोका, हरकचंद भाई सांवला सहित संघ के अनेक सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संघ के प्रचार संयोजक रिद्धिश जागीरदार ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 13 मई को भगवान शांतिनाथजी का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह प्रभात फेरी एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। वहीं दोपहर में वाडीलाल खरगांधी के सौजन्य से सकल संघ के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की जाएगी।

संघ की ओर से सभी श्रद्धालुओं एवं समाजजनों से प्रत्येक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की विनम्र अपील की गई है।

सिद्दीपेट में डूबने से तीन युवकों की मौत

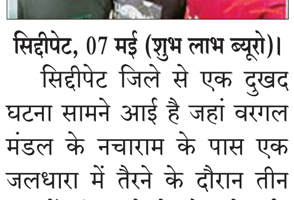

सिद्दीपेट, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिद्दीपेट जिले से एक दुखद घटना सामने आई है जहां वरगल मंडल के नचाराम के पास एक जलधारा में तैरने के दौरान तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार को उस समय हुई जब ये युवक एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए तूपरान आए थे। इसी दौरान वे मनोरंजन के लिए हल्दी धारा में तैरने गए और लापता हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर तलाशी अभियान शुरू किया। गुरुवार सुबह तीनों युवकों के शव जलधारा से बरामद कर लिए गए। मृतकों की पहचान प्रशांत (27), विकास (27) और आनंद रेड्डी (27) के रूप में की गई है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच जारी है।

प्रधानमंत्री के नगरागमन के उपलक्ष्य में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का सेवा कार्यक्रम जारी

भाग्यनगर गौशाला में गौसेवा कर दिया सामाजिक सेवा का संदेश

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 10 मई को नगरागमन के उपलक्ष्य में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा सेवा कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में बुधवार को लोअर टैंक बंड स्थित भाग्यनगर गौशाला में गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रवक्ता चौहान मुकेश जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भाजपा तेलंगाना संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखरजी भाईसाब के मार्गदर्शन तथा भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष श्री एन. रामचंदर राव एवं प्रदेश उपाध्यक्षा मोगा जयश्री बहन के निर्देशानुसार यह सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान गौवंश को चारा एवं पानी उपलब्ध कराते हुए सेवा कार्य किया गया। उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नगरागमन के अवसर पर समाज सेवा एवं गौसेवा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जनसेवा का संदेश दिया जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, भाजपा तेलंगाना उपाध्यक्षा मोगा जयश्री बहन, अल्पसंख्यक मोर्चा महामंत्री रजनीश जैन, हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष प्रदीप सुराणा, समी खान, सेक्रेटरी मोहम्मद गजनी, मनमोहन सिंह एडवोकेट, सतीश हुंडीया, कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह टूटेजा, प्रवक्ता चौहान मुकेश जैन, आईटी संयोजक रीदा कोद्दोस, टूर मॉनिटरिंग संयोजक अवाइस मिर्जा, सह संयोजिका सविता रायसोनी, कार्यालय सचिव सुमित सिंह माखीजा, एग्जिक्यूटिव कमिटी सदस्य महेंद्र कुमार जैन कटारिया, मनदीप सिंह संधू, महेंद्रपाल सिंह, राजेश रायसोनी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हैदराबाद आगमन के उपलक्ष्य में विभिन्न सामाजिक एवं सेवा कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य समाज में सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना को मजबूत करना है।

केबीआर पार्क में गूंजे कृष्ण भजन, राधे-राधे ग्रुप ने किया भक्ति कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित कृष्ण भजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ भगवान श्रीकृष्ण के भजनों का आनंद लिया। वातावरण राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोषों से भक्तिमय हो उठा।

इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम समाज को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं। कृष्ण भजन के माध्यम से लोगों में भक्ति, प्रेम और आपसी सद्भाव की भावना मजबूत होती है। राधे-राधे ग्रुप लंबे समय से समाज सेवा और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, तेज प्रकाश अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु एवं ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन में भाग लेकर भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की तथा समाज में शांति और खुशहाली की कामना की।

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर भारतीय सेना के पराक्रम को नमन : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजन में गुरुवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया तथा भारतीय सेना के अद्भुत शौर्य, साहस और बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। पूरे आयोजन में देशभक्ति और सेवा भावना का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ केवल एक अवसर नहीं, बल्कि भारतीय सेना के पराक्रम, वीरता और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा को स्मरण करने का पावन दिन है। भारतीय सेना ने हर परिस्थिति में अपने साहस, अनुशासन और अदम्य संकल्प का परिचय देते हुए विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया है। हमारे वीर जवान कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए मातृभूमि के सम्मान को सर्वोपरि रखते हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का शौर्य प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सेना के जवान अपना परिवार, सुख-सुविधाएं और व्यक्तिगत जीवन त्यागकर राष्ट्र सेवा में समर्पित रहते हैं। उनका त्याग, समर्पण और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का संदेश देता रहेगा।

आज पूरा देश अपने वीर सैनिकों के साहस पर गर्व महसूस करता है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद समाज सेवा के साथ-साथ राष्ट्रहित और मानव सेवा के कार्यों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। अन्नदान जैसे पुण्य कार्य समाज में प्रेम, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, नंद किशोर अग्रवाल, जय प्रकाश सारडा, गौरव गोयल, रविंद्र शर्मा, सुरेश सिंघल एवं सोहन लाल दायमा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल में भगवा चेतना का आगाज : जगत नारायण अग्रवाल

समाजसेवी एवं राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने पश्चिम बंगाल में बदलते राजनीतिक और सामाजिक माहौल को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज बंगाल की धरती पर राष्ट्रवाद, सनातन संस्कृति और भारतीय मूल्यों की नई चेतना का उदय दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, आत्मसम्मान और राष्ट्रीय गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीक बन चुका है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल का इतिहास सदैव राष्ट्रभक्ति, ज्ञान, आध्यात्म और सांस्कृतिक चेतना से जुड़ा रहा है। यही वह भूमि है जहां से स्वामी विवेकानंद ने पूरी दुनिया को भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म का संदेश दिया, नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने राष्ट्रभक्ति की अलख जगाई और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। ऐसे गौरवशाली इतिहास वाले बंगाल में आज पुनः भारतीय संस्कृति और राष्ट्रवाद की भावना मजबूत होती दिखाई दे रही है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि लंबे समय तक पश्चिम बंगाल की राजनीति में वामपंथ और तुष्टिकरण की राजनीति हावी रही, जिसके कारण बंगाल की मूल सांस्कृतिक पहचान को नुकसान पहुंचा। लेकिन अब बंगाल की जनता विकास, सुरक्षा, रोजगार और सांस्कृतिक अस्मिता को प्राथमिकता देने लगी है। उन्होंने कहा कि जनता अब ऐसी राजनीति चाहती है जो राष्ट्रहित में कार्य करे और समाज को जोड़ने का काम करे।

उन्होंने कहा कि आज बंगाल का युवा वर्ग तेजी से भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और राष्ट्रवादी विचारधारा की ओर आकर्षित हो रहा है। युवा पीढ़ी यह समझ चुकी है कि भारत की शक्ति उसकी संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय एकता में निहित है। यही कारण है कि बंगाल में भगवा विचारधारा को लेकर लोगों का समर्थन निरंतर बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बंगाल में भगवा का यह आगाज केवल किसी दल विशेष की सफलता नहीं, बल्कि यह भारतीयता, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना की जीत है। बंगाल की जनता अब भय, हिंसा और विभाजनकारी राजनीति से ऊपर उठकर विकास और सांस्कृतिक गौरव की राजनीति को स्वीकार कर रही है।

जगत नारायण अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल देश के सबसे विकसित और सांस्कृतिक रूप से मजबूत राज्यों में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल में हो रहा यह परिवर्तन पूरे देश के लिए सकारात्मक संदेश है और यह भारत की सांस्कृतिक एकता को और अधिक सशक्त करेगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जब समाज राष्ट्रहित और संस्कृति के संरक्षण के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ता है, तब देश की प्रगति और गौरव दोनों सुनिश्चित होते हैं।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्र, बंदलागुडा में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), दक्षिणी क्षेत्र, बंदलागुडा में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ तेलंगाना सरकार के माननीय खान, भूविज्ञान, श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री विवेक वेंकट स्वामी गारू द्वारा डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष श्री विजय विष्णु पंत मुगल, श्री एस.एन. पात्रा, डीडीजी (एसयू: एपी), श्री बी. अजय कुमार, डीडीजी (एसयू: टीएन एंड पी), श्री वी.वी. शेषा साई, डीडीजी (एसयू: तेलंगाना), श्री आर. बालाजी, डीडीजी (जीएसआईटीआई), अन्य डीडीजी (आरएमएच-1, 2, 3, 4), डीडीजी भूभौतिकी, श्री शैलेंद्र कुमार सिंह, निदेशक एवं एचओओ, तथा श्री वी.के. राजा जी, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति संपर्क अधिकारी सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत बुद्ध वंदनम से हुई। इसके पश्चात अखिल भारतीय जीएसआई एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष श्री अदारला महेश ने मुख्य अतिथियों एवं गणमान्य अतिथियों का परिचय कराया।

मुख्य अतिथि श्री विवेक वेंकट स्वामी ने अपने संबोधन में भारत के संविधान निर्माण में डॉ. अंबेडकर की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर मानव विज्ञान और सामाजिक संरचना की गहरी समझ रखते थे, जिसके कारण वे ऐसा संविधान तैयार कर सके जो भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों को समाहित करता है।

अतिरिक्त महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष श्री विजय विष्णुपंत मुगल ने हिंदू संहिता विधेयक के समर्थन में डॉ. अंबेडकर द्वारा विधि मंत्री पद से दिए गए इस्तीफे का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महिलाओं को संपत्ति अधिकार दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम था। उन्होंने डॉ. अंबेडकर द्वारा किए गए श्रम सुधारों और श्रमिक हितों के लिए किए गए कार्यों की भी सराहना की।

कार्यक्रम में डीडीजी एम.एन. प्रवीण, एस.एन. पथरा, अजय निरवान, के.वी. मारुति, शैलेंद्र कुमार सिंह, निदेशक (जी) एवं एचओओ, सी.के. राजा, निदेशक-संपर्क अधिकारी, श्री हरा मोहन मिश्रा, निदेशक (पी एंड ए) एस्टेट्स, क्षेत्रीय सचिव जे. राज शेखर, जी. श्रीनिवास राव, उपाध्यक्ष बी. लिंगाया, आर. अरुण कुमार, एम. सोमा श्रीनिवासुलु, बी.के. अमरनाथ, संयुक्त सचिव ए. मेघा राज, बी. प्रभाकर, ए. शिव शंकर, सुनील कुमार, जी. प्रकाश, कोषाध्यक्ष बी. आनंद कुमार, ए. अनिल कुमार, सचिव टीआई, ई. चंद्रैया, किशोर कुमार, ए. चक्रेश्वर, रविंदर, जी. मल्लेश, संगठन सचिव जी. यादगिरी, बी. नरेश कुमार, बी. रमणैया सहित अनेक अधिकारी, क्षेत्रीय सचिव एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की विरासत, सामाजिक न्याय के प्रति उनके समर्पण तथा भारतीय समाज में उनके अमूल्य योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर वरिष्ठ पत्रकार श्रीनिवास रेड्डी सम्मानित

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तेलंगाना मेधावुला फोरम राज्य शाखा द्वारा नामपल्ली स्थित तेलंगाना मीडिया अकादमी कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक एवं तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष श्री के. श्रीनिवास रेड्डी को द भारत प्रेस फ्रीडम अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री के. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता किसी भी देश के लिए अमूल्य अधिकार है तथा लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभों में प्रेस की स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और अनेक पत्रकारों ने सच्चाई को जनता के सामने लाने के लिए अपने प्राणों तक की बाज़ी लगा दी। तेलंगाना मेधावुला फोरम राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस सरकारों को प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया एवं प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण के निदेशक लायन प्रेम चंद मुनोट जैन ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य को निडरता से समाज के सामने रखने वाले सभी पत्रकार बधाई एवं सम्मान के पात्र हैं।

इस अवसर पर डॉ. राज नारायण मुदिराज ने श्री के. श्रीनिवास रेड्डी को शॉल, फूलमाला, पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

श्री के. श्रीनिवास रेड्डी एक वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षाविद् एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं। उनके विश्लेषण विभिन्न प्रमुख तेलुगु समाचार चैनलों में प्रसारित होते रहे हैं। वे इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन (आईजेयू) के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं तथा पत्रकारिता क्षेत्र में अनेक सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। इस अवसर पर टीसीसी सचिव श्री के. रवींदर, हाईकोर्ट अधिवक्ता श्री पी. राम किशोर, टीआईएफ समन्वयक जी. वेंगोपाल, बिच्चुकारी सूर्य आरेकाटिका, श्री टी. भूपाल रेड्डी, श्री शंकर सिंह सहित अनेक पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने श्री के. श्रीनिवास रेड्डी को सम्मानित कर शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

टी-वर्क्स में टीई वूमेन रोडशो का आयोजन

महिला उद्यमियों को वैश्विक मंच देने की पहल

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली वैश्विक संस्था 'टीआईई (टीआईई) हैदराबाद' द्वारा गुरुवार को शहर के रायदुर्गम स्थित टी-वर्क्स में टीआईई वूमेन रोडशो का आयोजन किया गया। इस रोडशो में विभिन्न क्षेत्रों की 100 से अधिक इच्छुक महिला उद्यमियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके स्टार्टअप के लिए मेंटरशिप, प्रशिक्षण, नेटवर्किंग और निवेशकों तक पहुंच प्रदान करना है।

टीआईई हैदराबाद के अध्यक्ष मुरली काकरला ने एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना की घोषणा करते हुए कहा कि भाषा किसी भी महिला उद्यमी के लिए बाधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, भाषा के कारण महिलाओं को पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि तेलुगु भाषा में सहज महिला संस्थापकों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष ज्ञान-साझाकरण और पिचिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है।

पूर्व ग्लोबल चेयरमैन डॉ. मुरली बुक्कापटनम ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना उद्यमिता अधूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक महिलाएं देश की जीडीपी में सक्रिय योगदान नहीं देंगी, तब तक भारत पूर्णतः समृद्ध नहीं हो सकता।

टीई वूमेन के 7वें संस्करण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं और आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 मई, 2026 है। इस वर्ष यह संस्था तेलंगाना के टियर-2 शहरों जैसे निजामाबाद, वारंगल, करीमनगर और खम्मम में भी रोडशो आयोजित करेगी। टीई वूमेन कमेटी के अध्यक्ष अंकित संजय शाह ने बताया कि दुनिया भर के 60 से अधिक चैप्टर के साथ मिलकर यह कार्यक्रम महिला उद्यमियों को सशक्त बना रहा है।

डॉ. के. ज्योति प्रसाद के लिए प्रतिष्ठित सम्मान

चेन्नई में एशिया पैसिफिक रैली चैंपियनशिप का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. के. ज्योति प्रसाद के लिए यह गर्व और सम्मान का क्षण रहा जब उन्होंने चेन्नई में आयोजित 'एशिया पैसिफिक रैली चैंपियनशिप' के पहले दौर (राउंड वन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के मोटरस्पोर्ट कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, समर्पण और मोटरस्पोर्ट्स के विकास और प्रचार में उनके उल्लेखनीय योगदान को दर्शाती है।दक्षिण एशिया पैसिफिक रैली चैंपियनशिप के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत डॉ. के. ज्योति प्रसाद ने खेल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता और विजन के साथ काम किया है। मोटरस्पोर्ट संस्कृति को प्रोत्साहित करने, पेशेवर रैली आयोजनों का समर्थन करने और अंतरराष्ट्रीय खेल सहयोग को मजबूत करने के उनके प्रयासों ने उन्हें खेल जगत में अपार सम्मान और प्रशंसा दिलाई है। क्लब के सदस्यों और मोटरस्पोर्ट समुदाय ने डॉ. के. ज्योति प्रसाद को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और भविष्य में उनकी निरंतर सफलता और बड़ी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।उनका समर्पण और नेतृत्व इस क्षेत्र के मोटरस्पोर्ट पेशेवरों और खेल प्रेमियों की अगली पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है। एक विशेष चित्र में, टॉलीवुड के फिल्म चैंबर्स सलाहकार डॉ. वेदांतम डी. चक्रवर्ती और डॉ. राजशेखर, डॉ. के. ज्योति प्रसाद के बाईं ओर खड़े होकर इस उपलब्धि का जश्न मनाते देखे जा सकते हैं। डॉ. प्रसाद का यह सम्मान न केवल उनके लिए बल्कि पूरे देश के मोटरस्पोर्ट्स जगत के लिए गौरव की बात है।

आरटीओ पुरुषोत्तम रेड्डी ने शिक्षकों और शिक्षाविदों को ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए किया प्रोत्साहित

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । हैदराबाद के शिक्षकों और शैक्षणिक पेशेवरों ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ-2), हैदराबाद सेंट्रल ज़ोन (खैरताबाद), श्री मादी पुरुषोत्तम रेड्डी द्वारा प्रदान किए जा रहे समर्थन और प्रोत्साहन की सराहना की है। श्री रेड्डी शिक्षकों को दोपहिया और चौपहिया वाहनों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने में सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं।

शिक्षण पेशे में समय की पाबंदी अनिवार्य है, लेकिन कई शिक्षकों को स्कूलों और कॉलेजों की यात्रा के दौरान यातायात और परिवहन की कठिनाइयों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

श्री मादी पुरुषोत्तम रेड्डी की देखरेख और मार्गदर्शन में, कई शैक्षणिक पेशेवरों को उचित मार्गदर्शन और जागरूकता पहल के माध्यम से लर्नर लाइसेंस और ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हैदराबाद सेंट्रल ज़ोन (खैरताबाद) में आरटीओ-2 के रूप में कार्यरत श्री मादी पुरुषोत्तम रेड्डी हैदराबाद में वाहन पंजीकरण, लाइसेंसिंग और प्रवर्तन सेवाओं सहित परिवहन प्रशासन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों और शिक्षाविदों को आत्मविश्वासी और जिम्मेदार चालक बनने में मदद करने के उनके प्रयासों को शैक्षिक समुदाय से व्यापक प्रशंसा मिली है।

हाल ही में, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुश्री ताहा बेगम को अपना लर्नर लाइसेंस प्रमाणपत्र प्राप्त करने में बहुमूल्य सहायता और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। शिक्षण समुदाय के सदस्यों ने इस पहल पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस होने से शिक्षकों को स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और बेहतर समय प्रबंधन की सुविधा मिलती है।

इस अवसर पर टॉलीवुड के फिल्म चैंबर्स सलाहकार डॉ. वेदांतम डी. चक्रवर्ती और सुश्री ताहा बेगम को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ-2) श्री मादी पुरुषोत्तम रेड्डी से खुशी-खुशी लर्नर प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए देखा जा सकता है। उनके साथ स्नैप्स इंडिया के संपादक मोहम्मद शमसुद्दीन भी उपस्थित थे।

यह पहल न केवल शिक्षकों की व्यक्तिगत सुविधा के लिए है, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति शिक्षित वर्ग को जागरूक बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राममेघवाल ने बीकानेर में किया डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल का उद्घाटन

बीकानेर, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल ने बीकानेर के रानी बाजार में अपने अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा अस्पताल का उद्घाटन किया है। जिसका उद्देश्य बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को उन्नत और व्यापक दृष्टि देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराना है। डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल बीकानेर को राजस्थान में एक महत्वपूर्ण विकास बाजार के रूप में देखता है, जिससे संगठन को उन्नत, तकनीक-आधारित नेत्र चिकित्सा सेवाएं उभरते और कम सेवा प्राप्त शहरी क्षेत्रों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। यह विस्तार मेट्रो शहरों से बाहर विशेष नेत्र सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के अस्पताल के व्यापक मिशन के अनुरूप है। इस केंद्र का उद्घाटन केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. अमर अग्रवाल, निदेशक डॉ. अथिया अग्रवाल, मुख्य परिचालन अधिकारी डॉ. आदिल अग्रवाल और मुख्य व्यवसाय अधिकारी डॉ. अशर अग्रवाल सहित अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर, स्टाफ और स्थानीय समुदाय के सदस्य भी शामिल हुए। लगभग 6,500 वर्ग फीट में फैले इस बीकानेर केंद्र को आधुनिक अवसंरचना और उन्नत तकनीक के साथ मरीज-केंद्रित अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहां लेज़र एवं रोबोटिक मोतियाबिंद सर्जरी, लेजिक एवं रिफ्रैक्टिव सर्जरी, रेटिना एवं विट्रियस सेवाएं, कॉर्निया एवं केराटोकोनस प्रबंधन, ग्लूकोमा उपचार, ऑक्यूलोप्लास्टी और बाल नेत्र चिकित्सा सहित व्यापक सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। यह समूह का राजस्थान में तीसरा अस्पताल है, इससे पहले जयपुर के सी-स्कीम और वैशाली नगर में अस्पताल शुरू किए जा चुके हैं। लॉन्च के अवसर पर अस्पताल 31 मई 2026 तक नि:शुल्क नेत्र परामर्श प्रदान करेगा, जिससे लोगों को समय पर जांच और उपचार के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। नि:शुल्क व्यापक नेत्र जांच के लिए पंजीकरण हेतु 9594905295 पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच हर समुदाय के विकास और कल्याण के लिए आवश्यक है। बीकानेर में इस उन्नत नेत्र चिकित्सा केंद्र की शुरुआत से क्षेत्र के लोगों को विशेष नेत्र सेवाएं उनके करीब मिल सकेंगी और समय पर जांच, उपचार तथा रोके जा सकने वाले दृष्टि दोषों की रोकथाम में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य सत्यप्रकाश आचार्य, मनीष सोनी, पंकज अग्रवाल, संपत पारीक, अशोक प्रजापत, दीपक पारीक, प्रकाश मेघवाल उपस्थित रहे।

स्टेट जांच एजेंसी ने कश्मीर में नार्को-टेरर नेटवर्क पर शिकंजा कसा
पीओके-स्थित लश्कर आपरेटिव की संपत्ति कुर्क की

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 7 मई।

प्रदेश में आतंकियों के खिलाफ जारी कार्रवाई की कवायद में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पीओके में स्थित लश्कर-ए-तैयबा के एक आपरेटिव की अचल संपत्ति कुर्क कर ली। यह आपरेटिव एक हाई-प्रोफाइल नार्को-टेरर मामले में शामिल था।

जारी एक बयान में जांच एजेंसी कश्मीर के प्रवक्ता ने कहा कि एजेंसी ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक ऐसे आपरेटिव की अचल संपत्ति कुर्क की है, जो पीओके में स्थित है और एजेंसी द्वारा जांच किए जा रहे एक बड़े नार्को-टेरर मामले में शामिल है।

बयान में आगे बताया गया है कि जांच एजेंसी द्वारा की गई जांच से पता चला कि आरोपी जमीर अहमद लोन वर्तमान में पीओके से अपनी गतिविधियां चला रहा है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर से जुड़ा हुआ है। वह केंद्र शासित प्रदेश में शांति और सुरक्षा को अस्थिर करने के उद्देश्य से नार्को-टेरर गतिविधियों में सक्रिय रूप से लिप्त था। आरोपी को पहले ही सक्षम अदालत द्वारा 'घोषित अपराधी' घोषित किया जा चुका था, क्योंकि वह गिरफ्तारी से बच रहा था और सीमा पार से राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को जारी रखे हुए था।

बयान के अनुसार,जांच एजेंसी द्वारा सक्षम अदालत में दायर एक विस्तृत आवेदन के बाद, अदालत ने रिकार्ड पर मौजूद साक्ष्यों की जांच की और फरार आरोपी की संपत्ति कुर्क करने का आदेश पारित किया। अदालत के आदेशों का पालन करते हुए, जांच एजेंसी ने आज मंडियान केरन, कुपवाड़ा में स्थित खसरा संख्या 113 के अंतर्गत आने वाली 01 कनाल और 14.37 मरला अचल संपत्ति कुर्क कर ली।

बयान में कहा गया है कि यह कार्रवाई जांच एजेंसी के उस पक्के इरादे को दिखाती है, जिसके तहत वह आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करना चाहता है - जिसमें सीमा पार से चलने वाले टेरर फाइनेंसिंग और नार्को-आतंकी नेटवर्क भी शामिल हैं।

जांच एजेंसी उन लोगों और संस्थाओं की पहचान करने, उनकी जांच करने और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जो देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के लिए नुकसानदायक गतिविधियों में शामिल हैं।

प्रवक्ता का कहना था कि जांच एजेंसी, अन्य कानून प्रवर्तन और नागरिक एजेंसियों के साथ मिलकर, न केवल नार्को-आतंक मामलों की जांच के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि एक नशामुक्त समाज बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे रोकथाम और जागरूकता अभियानों में सहयोग देने के लिए भी पूरी तरह से तैयार है।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिन पर शुभकामनाओं का तांता

सुमेरपुर, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के गुरुवार को जन्मदिवस के अवसर पर उनके शहर स्थित निवास पर शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा।

विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यापारिक संगठनों से जुड़े लोगों ने पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस दौरान बेंगलूरु के युवा डायनेमिक सोशियल वर्कर एवं बिजनेसमैन तथा डिविजनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीआरयूसीसी) सदस्य अश्विन सेमलानी ने कैबिनेट मंत्री से मृदु मुलाकात कर माला पहनाकर शुभकामनाएं दी। उन्होंने मंत्री कुमावत के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु होने की ईश्वर से प्रार्थना भी की। साथ ही इस दौरान सेमलानी ने कहा कि मंत्री कुमावत का संघर्षपूर्ण जीवन, समाज सेवा के प्रति समर्पण और नेतृत्व क्षमता सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने मंत्री कुमावत को बेंगलूरु आगमन का न्यौता भी दिया। इस अवसर पर दीपक अग्रवाल, रणजीत सरस्वाह, किशोर कुमार सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नशामुक्त तेलंगाना के लिए जनभागीदारी जरूरी, बच्चों के भविष्य के लिए आगे आएं लोग: सी.वी. आनंद

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने गुरुवार को राज्य के नागरिकों से अपील की है कि वे बच्चों और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नशीली दवाओं के खिलाफ लड़ाई में भागीदार बनें। हैदराबाद स्थित 'ईगल फोर्स' (राज्य की विशेष एंटी-नार्कोटिक्स इकाई) के मुख्यालय में इसके प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए डीजीपी ने कहा कि नशीले पदार्थों की आपूर्ति और सेवन न केवल तेलंगाना बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा बना हुआ है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पहले ही पुलिस अधिकारियों को राज्य से ड्रग्स के खतरे को पूरी तरह खत्म करने के निर्देश दिए हैं।

विदेशी ड्रग सिंडिकेट और वित्तीय नेटवर्क पर होगी सर्जिकल स्ट्राइक

डीजीपी ने अधिकारियों को उन्नत तकनीक, वित्तीय ट्रैकिंग और विदेशी ड्रग सिंडिकेट को ध्वस्त करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ईगल फोर्स ने सोशल मीडिया, डार्क वेब और क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन पर निगरानी तेज कर दी है। इसके साथ ही जांच में डिजिटल फॉरेंसिक और जियोलोकेशन ट्रैकिंग का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है ताकि अपराधियों के नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचा जा सके।

ड्रग्स के मामलों और गिरफ्तारियों में भारी वृद्धि

समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों ने डीजीपी को सूचित किया कि राज्य में नशीली दवाओं के मामलों के पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। साल 2023 में दर्ज 1,464 मामलों के मुकाबले 2025 में यह संख्या बढ़कर 2,734 हो गई है। इसी अवधि के दौरान गिरफ्तारियों की संख्या भी 3,157 से बढ़कर 5,703 हो गई है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि ड्रग नेटवर्क से जुड़े होने के आरोप में 93 विदेशी नागरिकों को उनके देशों में वापस भेजा गया है।

शिक्षण संस्थानों को सख्त चेतावनी

डीजीपी कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, श्री आनंद ने स्कूलों और कॉलेजों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों को कड़ी चेतावनी दी है कि यदि उनके परिसर में नशीली दवाओं से जुड़ी किसी भी घटना की रिपोर्ट नहीं की जाती है, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि युवाओं को इस दलदल से बचाना केवल पुलिस की नहीं बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

हैदराबाद-पंजाबब क्रिकेट मैच का प्रेसिडेंट कॉर्पोरेट बॉक्स में आनंद लेते हुए हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरनाथ, मनोज कोठारी, मदन मोहन, शैलेश सोनी, मोहन बाबू, प्रवीण, आनंद।

बंडी संजय ने सिरसिला में 466 दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक उपकरण

राजन्ना, सिरसिला, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने गुरुवार को सिरसिला शहर में एडीआईपी और एएलएमसीओ योजनाओं के तहत 466 दिव्यांगजनों को 84 लाख रुपये मूल्य के 813 सहायक उपकरण वितरित किए। ये उपकरण इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की वित्तीय सहायता से उपजब्ध कराये गये है। सभा को संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि शारीरिक अक्षमता को कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों पर विजय पाने की अनूठी शक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने शारीरिक सीमाओं के बावजूद इतिहास रचा है और दिव्यांगजनों से आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार एडीआईपी, एएलएमसीओ और सुगम्य भारत अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए कई कल्याणकारी कार्यक्रम लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस वर्ष दिव्यांग जनों के कल्याण के लिए लगभग 1,600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

श्री कुमार ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार पोषण, स्वास्थ्य सेवा और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में सभी पात्र दिव्यांगजन आवेदकों को जल्द ही सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर गरिमा अग्रवाल, आईओसीएल की मुख्य महाप्रबंधक विनीत कौर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष डीआरडीओ पद्मय्या, एएलएमसीओ के प्रतिनिधि और दिव्यांगजन संघ के नेता उपस्थित थे।

अगले साल के अंत तक हैदराबाद साइंस सेंटर कर दिया जाएगा जनता को समर्पित : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को पार्टी सांसद ईटाला राजेंद्र के साथ मिलकर, हैदराबाद में सीएसआईआर कैंपस में बन रहे साइंस एक्सपीरियंस सेंटर के चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

श्री रेड्डी ने निरीक्षण के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हैदराबाद देश के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे शहरों में से एक है और यहाँ पहले से ही केंद्र सरकार के कई खासकर रक्षा, विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्रों में प्रतिष्ठित संस्थान मौजूद हैं।उन्होंने कहा कि तारनाका में बनने वाला हैदराबाद साइंस सेंटर शहर के सबसे महत्वपूर्ण केंद्र सरकार के संस्थानों में से एक होगा और इससे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवाओं, छात्रों और शोधकर्ताओं को बहुत लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद के लिए इस प्रोजेक्ट को मंज़ूरी दे दी है और केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि अगले साल के अंत तक इस काम को पूरा करके इस सुविधा को जनता को समर्पित कर दिया जाए।

अधिकारियों के मुताबिक, निर्माण कार्य अगले साल मई या जून तक पूरा होने की उम्मीद है। श्री रेड्डी ने 10 मई को हैदराबाद में प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित दौरे के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री इस दौरे के दौरान कई बड़ी विकास पहलों की शुरुआत करेंगे।

उन्होंने कहा कि मोदी ज़हीराबाद में इंडस्ट्रियल पार्क और वारंगल में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कई नेशनल हाईवे और रेलवे विकास प्रोजेक्ट भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे।उन्होंने कहा कि वारंगल हवाई अड्डे, वारंगल रेल निर्माण इकाई और सिकंदराबाद तथा नामपल्ली रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण का काम तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अगले तीन से चार महीनों के भीतर, प्रधानमंत्री द्वारा मुलुगु में प्रस्तावित जनजातीय विश्वविद्यालय और एम्स से संबंधित परियोजनाओं सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन करने या उनकी आधारशिला रखने की योजनाएँ भी तैयार की जा रही हैं।

तेलंगाना सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों के लिये ब्याज मुक्त ऋण की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये की

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीताक्का ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों के लिये ब्याज मुक्त ऋण की सीमा 05 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की जाएगी। सुश्री सीताक्का ने ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में आयोजित वर्ष 2026-27 की वार्षिक ऋण योजना के अनावरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार पात्र स्वयं सहायता समूहों द्वारा लिये गये 10 लाख रुपये तक के बैंक ऋण पर ब्याज का भार स्वयं वहन करेगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने वर्ष 2026-27 के दौरान महिला समूहों के लिये 26,621.47 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 25,228.89 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये गये थे।

सुश्री सीताक्का ने कहा कि सरकार इंदिरा महिला शक्ति पहल के माध्यम से एक करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि महिला स्वयं सहायता समूह जलपान गृह, डेयरी इकाइयों, ईंधन केंद्रों, बस सेवाओं और गोदामों जैसे क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने इस वर्ष महिला समूहों द्वारा लिये गये ऋणों पर ब्याज के बोझ को कम करने के लिये 2,500 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। उन्होंने केवल 1.40 प्रतिशत की कम गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) दर बनाए रखने के लिये स्वयं सहायता समूहों की प्रशंसा भी की।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय शौर्य का प्रमाण: रामचंद्र राव

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारतीय वीरता का प्रतीक और आतंकवाद समर्थक ताकतों के लिए कड़ी चेतावनी करार दिया।

भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर की गयी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ पर नामपल्ली स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा रिटायर्ड आर्मी सेल द्वारा आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत आतंकवादी हमलों में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देकर की गयी।

इस अवसर पर श्री राव ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकवादी शिविरों पर सटीक कार्रवाई कर नरेन्द्र मोदी सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति कठोर नीति को प्रदर्शित किया।

उन्होंने कहा कि देश पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या को कभी नहीं भूलेगा और 'न्यू इंडिया' ने आतंकवाद के खिलाफ त्वरित एवं निर्णायक जवाब देकर अपनी ताकत दिखाई है।

श्री राव ने दावा किया कि यह अभियान महिला अधिकारियों की निगरानी में 22 मिनट में पूरा किया गया और भारतीय सेना ने बिना किसी भारतीय क्षति के आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं पर सेना पर सवाल उठाने और राष्ट्रीय हितों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश 'ऑपरेशन सिंदूर' को कारगिल विजय दिवस की तरह गर्व के साथ याद रखेगा।

श्री राव ने तेलंगाना की राजनीति का जिक्र करते हुए बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी द्वारा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार पर की गयी कथित व्यक्तिगत टिप्पणियों की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि भाजपा अपने नेताओं पर झूठे आरोपों और व्यक्तिगत हमलों का कड़ा जवाब देगी, हालांकि पार्टी हिंसा को प्रोत्साहित नहीं करती है।

गरीबों को घर और भूस्वामियों को मालिकाना हक देना सरकार की प्राथमिकता: पोंगुलेटी

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार हर गरीब परिवार को अपना घर उपलब्ध कराने और भूस्वामियों को स्पष्ट भूमि स्वामित्व अधिकार सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। आवास और राजस्व के मुद्दों पर जिला-वार समीक्षा बैठकों के हिस्से के रूप में, मंत्री ने गुरुवार को आवास निगम मुख्यालय में प्रभारी मंत्रियों और जन प्रतिनिधियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में तत्कालीन नलगोंडा और महबूबनगर जिलों के सांसद, एमएलसी, विधायक, जिला कलेक्टर और आवास, राजस्व और वन विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

इंदिरम्मा आवास योजना से आएगी आवास क्रांति

श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार गरीबों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उत्सुक है। उन्होंने भूमि और आवास को हर परिवार के लिए सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के जीवन में गरिमामय परिवर्तन लाने के लिए 'इंदिरम्मा आवास योजना' लागू कर रही है। इस योजना के तहत, प्रत्येक पात्र परिवार को अपनी भूमि पर घर बनाने के लिए 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। लगभग चार लाख घर पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं, जो एक आवास क्रांति की शुरुआत है।

बैठक में विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुकेंदर रेड्डी, एससी/एसटी कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, वाकिटी श्रीहरी और जुपल्ली कृष्णा राव, योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष चिन्ना रेड्डी और सरकारी सलाहकार जितेंद्र रेड्डी भी उपस्थित थे।

20 मई तक लाभार्थियों के चयन का लक्ष्य

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे डबल-बेडरुम घरों के लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया 20 मई तक पूरी कर लें, चाहे निर्माण किसी भी चरण में हो। उन्होंने कहा कि स्थानीय जन प्रतिनिधियों को वास्तविक पात्र गरीब परिवारों की पहचान करने में मदद करनी चाहिए। राजस्व प्रशासन पर बोलते हुए, श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार पूरे राज्य में राजस्व और पंजीकरण कार्यालयों के लिए नए भवनों के निर्माण के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, ''कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये कार्यालय आसानी से सुलभ स्थानों पर स्थापित किए जाएं।

राजस्व सुधार और अधिकारियों को कड़ी चेतावनी

उन्होंने यह भी घोषणा की कि एक लाख से अधिक आबादी वाले मंडलों में आवश्यकता के आधार पर अतिरिक्त तहसीलदारों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्व, वन और अन्य विभागों द्वारा किए जाने वाले संयुक्त सर्वेक्षण ही विभागों के बीच लंबे समय से लंबित भूमि विवादों का एकमात्र स्थायी समाधान हैं। अधिकारियों को इस प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए। मंत्री ने आगे कहा, सरकार ने राजस्व विभाग में कई सुधार पेश किए हैं और आरडीओ को व्यापक अधिकार दिए हैं।

तेलंगाना के जीएसटी संग्रह में भारी उछाल

4,621 करोड़ के साथ दर्ज की गई 35% की वृद्धि

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): नया वित्तीय वर्ष 2026-27 राज्य सरकार के लिए बेहद सकारात्मक रहा है। अप्रैल महीने में राज्य के अपने कर राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। राजस्व में यह बढ़ोत्तरी मुख्य रूप से जीएसटी संग्रह, आबकारी राजस्व और संपत्ति पंजीकरण में हुई मजबूत वृद्धि के कारण हुई है। अधिकारियों के अनुसार, वित्त वर्ष के पहले महीने का यह शानदार प्रदर्शन निरंतर आर्थिक गति, उच्च खपत और विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कर अनुपालन को दर्शाता है।

जीएसटी संग्रह में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

तेलंगाना ने अप्रैल 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में सालाना आधार पर 35 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान कुल राजस्व 4,621 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि अप्रैल 2025 में यह 3,422 करोड़ था। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल का जीएसटी संग्रह जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक का सबसे अधिक मासिक संग्रह है। इसने मार्च 2026 में दर्ज 4,231 करोड़ के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। विभाग ने कहा कि यह वृद्धि राज्य में निरंतर आर्थिक विस्तार और बेहतर कर प्रशासन का परिणाम है। अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना ने जनवरी 2026 से पिछले चार महीनों से लगातार 4,000 करोड़ से ऊपर का जीएसटी संग्रह बनाए रखा है। यह उछाल प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों के कारण हुआ है, जिसे व्यापार के अनुकूल वातावरण ने और मजबूती दी है। इससे न केवल नए निवेश आकर्षित हुए, बल्कि मौजूदा उद्यमों के विस्तार और उपभोक्ता खर्च को भी बढ़ावा मिला।

आबकारी विभाग ने भी अप्रैल में मजबूत राजस्व वृद्धि दर्ज की है। इस महीने के दौरान शराब की बिक्री से राज्य के खजाने में 2,993 करोड़ जमा हुए, जबकि पिछले साल अप्रैल में यह आंकड़ा 2,773 करोड़ था। अधिकारियों ने इस वृद्धि का मुख्य कारण तेलंगाना में रिकॉर्ड उच्च तापमान के चलते गर्मी के दौरान बीयर की अभूतपूर्व मांग को बताया है। स्टाम्प और पंजीकरण विभाग ने अप्रैल 2026 में 1,399 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया, जो अप्रैल 2025 (1,115 करोड़) की तुलना में 284.43 करोड़ अधिक है।

राहुल और रेवंत पर टिप्पणी के मामले में केटीआर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

वारंगल, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): हनमकोंडा पुलिस ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के.टी. रामा राव (केटीआर) के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की है। यह कार्रवाई कांग्रेस नेताओं द्वारा एक सार्वजनिक सभा में की गई कथित टिप्पणियों के विरोध में दी गई शिकायत के बाद की गई है। हनमकोंडा के विधायक नैनी राजेंद्र रेड्डी और वर्धनपेट के विधायक के.आर. नागराजु ने पुलिस आयुक्त सनप्रीत सिंह से मुलाकात कर केटीआर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई।

अभद्र और भड़काऊ भाषण का आरोप

शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि 6 मई को वारंगल में आयोजित रैतु संग्राम सदस्सु (किसान संघर्ष सभा) के दौरान, रामा राव ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ अपमानजनक और भड़काऊ टिप्पणी की।

उनके अनुसार, यह भाषण न केवल अपमानजनक था, बल्कि इसका उद्देश्य सार्वजनिक अशांति फैलाना और राजनीतिक शत्रुता पैदा करना था। उन्होंने कहा कि इस तरह के भाषणों से सार्वजनिक संवाद का स्तर गिरा है और पार्टी समर्थकों को गहरी ठेस पहुंची है।

भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज

शिकायत के आधार पर सुबेदारी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। इसमें धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान), धारा 353 (सार्वजनिक उपद्रव फैलाने वाले बयान) और धारा 299 (व्यक्तिगत भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से किए गए कृत्य) शामिल हैं। पुलिस धारा 351 (आपराधिक धमकी) के तहत भी मामले की जांच कर रही है।

इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच शुरू

पुलिस ने बताया कि मामले की आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। केटीआर के भाषण के वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन साक्ष्यों के सूक्ष्म परीक्षण और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीआरएस प्रवक्ता मन्ने कृशांक फिर गिरफ्तार

हाई कोर्ट से जमानत मिलने के कुछ ही घंटों बाद हुई कार्रवाई

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): एक कांग्रेस नेता द्वारा दर्ज कराए गए हमले और अतिक्रमण के मामले में हाई कोर्ट से जमानत मिलने के कुछ ही घंटों बाद, बीआरएस प्रवक्ता मन्ने कृशांक को गुरुवार को संगारेड्डी जेल से निर्मल पुलिस ने फिर से हिरासत में ले लिया। इसके बाद, उन्हें निर्मल की स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें शुक्रवार के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है नया मामला

निर्मल पुलिस ने कृशांक को एक लंबित मामले के संबंध में गिरफ्तार किया है, जिसमें वह कांग्रेस सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट करने के आरोप में आठवें आरोपी (ए-8) बनाए गए हैं। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि कृशांक को हिरासत में प्रताड़ित किया गया और मानक स्थानांतरण नियमों का उल्लंघन करते हुए उन्हें एक निजी कार में निर्मल पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जिससे उनकी शारीरिक सुरक्षा के साथ समझौता किया गया।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कृशांक ने आरोप लगाया कि हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद उन्हें लगातार उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें सरकार की कथित विफलताओं और अनियमितताओं पर सवाल उठाने के कारण लक्षित किया जा रहा है। कृशांक ने कहा, हाई कोर्ट से राहत मिलने के बाद भी मुझे परेशान किया जा रहा है। पूछताछ के नाम पर मुझे एक थाने से दूसरे थाने ले जाया जा रहा है, लेकिन हमें न्यायपालिका और कानून पर पूरा भरोसा है।

बीआरएस नेताओं ने आशंका जताई है कि राज्य सरकार कृशांक को किसी अन्य मामले में गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की एक और टीम तैनात कर सकती है। वर्तमान में तेलंगाना के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में मन्ने कृशांक के खिलाफ 30 से अधिक मामले लंबित हैं।

मोदी की जनसभा 10 को

बढ़-चढ़कर कर भाग लें प्रवासी बंधु : सुभाष अग्रवाल

भारतीय जनता पार्टी, तेलंगाना प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री सुभाष अग्रवाल ने राज्य के सभी प्रवासी भाई-बहनों से आगामी 10 मई को अपराह्न 3 बजे से सिकंदराबाद स्थित परेड ग्राउंड में आहूत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की विशाल जन सभा में भारी संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान किया है। श्री अग्रवाल ने पश्चिम बंगाल में पार्टी को मिली प्रचंड जीत, असम में हेमंत बिश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की सत्ता में ऐतिहासिक वापसी और पुडुचेरी में एनडीए को मिले बहुमत को केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि हिन्दू एकता, सनातन धर्म व राष्ट्रवाद की प्रबल भावना का शंखनाद बताया। श्री सुभाष अग्रवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को यह स्वीकारने में किंचित भी हिचक नहीं है कि पश्चिम बंगाल सहित तीनों राज्यों में मिली अभूतपूर्व सफलता के पीछे स्थानीय जनता के साथ-साथ प्रवासियों का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। पाँच राज्यों के चुनावी नतीजों के बाद प्रधानमंत्री मोदी की हैदराबाद में संभवत: पहली सार्वजनिक सभा के मद्देनजर प्रवासी समाज का भी यह दायित्व बनता है कि वह अपने लोकप्रिय प्रधानमंत्री की इस सभा में बडी संख्या में भाग लेकर न केवल प्रवासियों व देश के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे प्रधानमंत्री श्री मोदी का समर्थन कर उनका हौंसला बढाएं, बल्कि राष्ट्रवाद, हिन्दुत्व व सनातन धर्म की रक्षा/उत्थान में अपना यथासंभव सक्रिय सहयोग भी दें।

गौरतलब है कि ओजस्वी वक्ता श्री सुभाष अग्रवाल भाजपा तेलंगाना प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक के साथ-साथ तेलंगाना प्रवासी समाज वेल्फेयर आर्गेनाइजेशन के संस्थापक चेयरमैन व मुख्य संयोजक भी है। विगत् में अग्रवाल समाज, तेलंगाना के अध्यक्ष रह चुके श्री अग्रवाल प्रतिष्ठित संस्था दि हैदराबाद कटपीस क्लाथ मर्चेंट्स असोसिएशन के भूतपूर्व अध्यक्ष भी थे। आपने दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज का भी कुशल नेतृत्व किया और अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन में बतौर उपाध्यक्ष अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

हैदराबाद जीएचएमसी के अंतर्गत आने वाले करीब 5,000 अध्यापकों/प्राध्यापकों के सशक्त संगठन टीचर्स अकादमिक क्लब के मुख्य संरक्षक श्री सुभाष अग्रवाल ने राजस्थानी समाज की शीर्ष संस्था आप और हम के अध्यक्ष का दायित्व भी बखूबी निभाया। गाँधी जयंती 02-10- 1971 को श्री के. एम अग्रवाल के सुसंपन्न परिवार में जन्मे श्री सुभाष अग्रवाल सुभाषी, मृदुल/मिलनसार व्यवहार/व्यक्तित्व के धनी हैं। आपने बी. काम तक की पढाई की और आप हिन्दी, तेलुगु और अंग्रेजी में धारा प्रवाह भाषण/संबोधन दे सकते है। संगठनकर्ता के रूप में ख्यातिप्राप्त श्री सुभाष अग्रवाल को तेलंगाना भाजपा ने प्रवासी समाज को एकजुट करने का भागीरथी कार्य सौंपा गया है। सच्चे, कर्मठ, जुझारू कार्यकर्ता के तौर पर श्री अग्रवाल ने इस कठिन चुनौती को सहर्ष स्वीकार कर न केवल समस्त प्रवासी समाज का एक झंडे तले लाने का बीडा उठाया है, बल्कि 25 लाख से अधिक लोगों को इसमें शामिल करने के लक्ष्य के तहत अब तक 2 लाख को शामिल भी कर लिया है। उनका मकसद तेलंगाना राज्य में मेहनत/मजदूरी और व्यापार/व्यवसाय कर रहे गैर-तेलंगाना वासियों जैसे राजस्थान, गुजरात, पंजाब, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि क्षेत्रों के लोगों के हितों की रक्षा करना है। साथ ही उनका फोकस यह भी है कि प्रवासी समाज चाहे उसकी आस्था किसी भी धर्म अथवा राजनीतिक दल से हो, शत-प्रतिशत मतदान कर लोकतान्त्रिक व्यवस्था को मजबूत करें। श्री सुभाष अग्रवाल की दिली तमन्ना है कि समस्त प्रवासी समाज एक झंडे तले आकर एक परिसंघ के रूप में अपनी अलग पहचान बनाएं और स्थानीय स्तर पर एक मजबूत राजनीतिक शक्ति के तौर पर उभरें।

सुभाष अग्रवाल
प्रदेश संयोजक , प्रवासी प्रकोष्ठ
भारतीय जनता पार्टी
तेलंगाना राज्य

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.